उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे- 12

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे- 12

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा, खाई में गिरी महिला की कार - 13

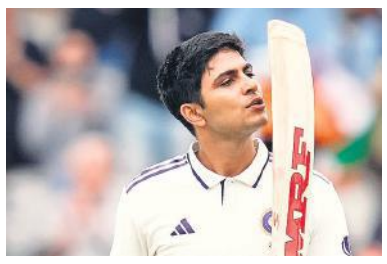

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया- 14

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.32

सूर्यास्त 07.05

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी 11:24 तक उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 28 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 248, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

एसआईआर पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि इससे मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों का नाम हटाने से चुनाव की शुचिता बढ़ेगी।

बब्बर खालसा से जुड़ा तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े और इस साल की शुरुआत में पंजाब में एक थाने पर ग्रेनेड हमले में शामिल रहे 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि अमृतसर के चनानके गांव के रहने वाले करणबीर उर्फ करण को 26 जुलाई को गुरदासपुर से स्पेशल सेल पुलिस थाने में दर्ज शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

सुरक्षा बलों ने चार नक्सली मार गिराए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में चार माओवादियों (नक्सली) को मार गिराया है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सागुड़ा एवं गंगलूर थाना के सरहदी जंगलों माओवादियों की मौजूदगी पर डीआरजी बीजापुर ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मुठभेड़ में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के 04 माओवादी मारे गए। सभी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आधे अभ्यर्थियों ने छोड़ी आरओ/एआरओ परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) परीक्षा-2023 रविवार को राज्य के सभी 75 जिलों में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सकुशल संपन्न हो गई। आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि परीक्षा में 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4,54,997 (42.29 प्रतिशत) शामिल हुए। प्रदेश भर में 2382 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कानपुर में 139, लखनऊ में 129, प्रयागराज में 106 और वाराणसी में 82 केंद्र शामिल थे।

अंदर देखें ...व्हील्स

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 8 की मौत

हरिद्वार में हुए हादसे में 30 घायल, गंभीर रूप से घायल 13 ऋषिकेश एम्स में भर्ती

करंट फैलने की अफवाह माना जा रहा प्रारंभिक कारण, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

- मृतकों में दो रामपुर, दो बदायूं और एक बरेली का श्रद्धालु भी शामिल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में रविवार सुबह करीब 8:45 बजे भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि 30 लोग घायल हैं। गंभीर रूप से घायल 13 लोगों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मृतकों में छह उत्तर प्रदेश तो एक-एक श्रद्धालु उत्तराखंड और बिहार का है।

भगदड़ का कारण प्रारंभिक तौर पर मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास करंट की अफवाह फैलना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए हैं जिस पर डीएम हरिद्वार ने उप जिला मजिस्ट्रेट, हरिद्वार को जांच अधिकारी नामित किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है जबकि मनसा देवी ट्रस्ट ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये तथा घायलों को 1-1 लाख रुपये ट्रस्ट द्वारा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को घायलों को बेहतर उपचार देने के निर्देश दिए। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे भगदड़ की सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ व अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। 30 श्रद्धालुओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हुई है।

मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली का करंट फैलने की अफवाह को प्रथम दृष्टया भगदड़ का कारण बताया गया। हालांकि मजिस्ट्रेटी जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण सामने आएगा। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, आरुष (12) पुत्र पंकज निवासी सौदा, बरेली, विक्की (18) निवासी विलासपुर रामपुर, विशाल (19) निवासी स्वार रामपुर, वकील सिंह (43) निवासी बाराबंकी, रामभरोसे (65) और उनकी पत्नी शांति देवी (60) निवासी उरैना, दातागंज, बदायूं, विपिन सैनी (18) निवासी वसवाखेड़ी, काशीपुर और सकलदेव (18) निवासी बिहार की मौत की पुष्टि की गई है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हालचाल लेते हुए पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती घायल का हाल जानते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

यूपी के मृतक आश्रितों को दो-दो लाख सहायता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई दुर्घटना पर गहरा शोक जताया है। कहा कि वे बेहद व्यथित हैं, उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के लिए है। उन्होंने हादसे में बरेली, रामपुर, बदायूं और बाराबंकी के एक-एक श्रद्धालुओं की मौत पर उनके आश्रितों को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा करते हुए अफसरों को पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताई शोक संवेदना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड में हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर के निकट मची भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर काफी दुखी हूं। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

चारपाई से बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ खेत में मिला शव

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली की पुलिस चौकी महेवागंज के गांव ज्ञानपुर में शनिवार की रात अपने पिता के साथ सो रहे छह साल के बच्चे को तेंदुआ चारपाई से उठा ले गया। रविवार सुबह बच्चे का अधखाया शव गन्ने के खेत में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया।

- ज्ञानपुर गांव की घटना ग्रामीणों ने लगाया जाम

बिलखती मां

सदर कोतवाली गांव ज्ञानपुर निवासी सुशील ने बताया कि शनिवार रात उनका पुत्र बादल उनके साथ घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। रात 12 बजे के आसपास तेंदुआ बच्चे को उठा ले गया। बच्चे की चीख सुनकर सुशील की आंख खुली तो उनकी नजर बच्चे को ले जा रहे तेंदुए पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाते हुए तेंदुए का पीछा किया। तमाम ग्रामीण भी पहुंच गए। इस बीच तेंदुआ किसी गन्ने के खेत में घुस गया। रविवार सुबह घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर गन्ने के खेत में बादल का अधखाया शव मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि शनिवार की शाम तेंदुआ देखा गया था। वन विभाग रात में कांबिंग करता तो शायद बादल की जान नहीं जाती। रविवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव जब गांव लाया गया तो लोग आक्रोशित हो गए और परिवार को आर्थिक मदद देने को लेकर सड़क जाम कर दी। पुलिस और वन अधिकारियों के आश्वासन पर लोग शांत हुए। डीएफओ संजय बिस्वाल का कहना है कि ग्रामीणों से बच्चों को बाहर न सुलाने व सतर्क रहने को कहा गया है। टीम मौके पर पहुंच कर पिंजड़ा लगा रही है।

चुनाव क्षेत्रों में मजबूत करें जनता के विश्वास की पूंजी : मुख्यमंत्री

- चुनावी तैयारी के मूड में दिखे योगी, जनप्रतिनिधियों संग बैठक में अफसरों को निर्देश, कार्यों के शिलापट्ट पर नेताओं का हो नाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को कानपुर मंडल के सांसदों-विधायकों के साथ चुनाव तैयारी के मूड में नजर आए। चुनाव क्षेत्रों की जमीनी हकीकत, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक लिया। योगी कहा कि जनता के विश्वास की पूंजी को और मजबूत करें। शीर्ष अफसरों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण के शिलापट्ट पर संबंधित जनप्रतिनिधि का नाम जरूर हो।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई खास बैठक में सभी विधायकों ने अपनी बातें कहीं। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव ने मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सांसद और विधायक से कहा कि सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केंद्र है। योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

यूपी का 'विकास अग्रदूत' है कानपुर मंडल

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मंडल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा।

पारदर्शिता और समयबद्धता अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी, पर्यटन और नगर विकास के अफसरों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए। समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हम सीखने नहीं सिखाने आए हैं...

मैनचेस्टर। इंग्लैंड में टीम इंडिया के जांबाजों की जितनी प्रशंसा की जाए कम। मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रा कराने का नहीं, वरन भारतीय बल्लेबाजों के बढ़े जज्बे का परिचायक है। दूसरी पारी में शून्य पर दो विकेट गंवाने और करीब-करीब दो दिन तक बल्लेबाजी कर चार ही विकेट खोने वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड टीम की उम्मीदों पर तुषारापात तो किया ही, क्रिकेट प्रशंसकों को अपना मुरीद भी बना लिया। दूसरी पारी में केएल राहुल के 90, शुभमन गिल के 103 रनों के अलावा हरफनमौला रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के नाबाद शतकों ने अंग्रेज क्रिकेटरों के माथे पर पसीना ला दिया। तस्वीर में रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर एकदूसरे को बधाई देते हुए कदाचित यही जता रहे कि ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए अंग्रेज हमें हल्के में कदापि न लें। (संबंधित पेज-14)

स्थायी दिव्यांग सीएपीएफ जवानों को वित्तीय पैकेज

- अंग खो देने पर सेवा में बने रहेंगे पदोन्नति व वेतन भी मिलेगा
- सीआरपीएफ के डीजी की अध्यक्षता में समिति गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

.सीएपीएफ के अधिकारी और जवान जो अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या किसी स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाते हैं, वे सेवा में बने रहेंगे और उन्हें एकमुश्त मूल मौद्रिक पैकेज के अलावा उचित पदोन्नति एवं वेतन मिलेगा।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहन यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में समिति अपनी सिफारिशों और योजना को लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दे देगी।

अधिकारी ने कहा कि पिछले दशकों में अभियानों के दौरान आईईडी विस्फोट या इसी तरह की अन्य घटनाओं के कारण सैकड़ों सीएपीएफ कर्मी अपने पैर, हाथ या आंखें खो चुके हैं और स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि हालांकि ऐसे मामले बहुत कम हैं, जहां किसी जवान या अधिकारी को ऐसी चोटों के कारण सेवा से हटाया गया हो, लेकिन कई जवानों को पदोन्नति नहीं मिलने के कारण परेशानी उठानी पड़ती है, क्योंकि वे संबंधित फिटनेस मानदंडों को पूरा करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि समिति अपने मानदंडों में ढील देने के लिए काम करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि अंग-भंग या किसी अन्य स्थायी दिव्यांगता से पीड़ित अधिकारियों और जवानों को उनकी पदोन्नति और सुविधाएं मिलें, जो उन्हें अन्यथा मिलतीं।

मोहन ने कहा कि गृह मंत्रालय (एमएचए) ने निर्णय लिया है कि जो जवान और अधिकारी अभियान के दौरान अंग खो देते हैं, उन्हें सेवा से नहीं हटाया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

- उप्र सरकार ने मंदिर प्रबंधन अपने हाथ को जारी किया है अध्यादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा अपने हाथ में लिए जाने की बात कही गई है।

अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मंदिर प्रबंधन समिति (जिसमें 350 सदस्य और 'सेवायत' रजत गोस्वामी शामिल हैं) ने कहा कि सरकार का आचरण स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन के उपयोग से संबंधित मुद्दे पर उच्च न्यायालय ने 8 नवंबर, 2023 को पहले ही फैसला कर दिया था और उसने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के 8 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ अपील दायर नहीं की और इसके बजाय शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिका में एक पक्षकार आवेदन दायर किया गया।

मन की बात | प्रधानमंत्री ने कहा-शुभांशु शुक्ला की यात्रा से बच्चों में पैदा हुई अंतरिक्ष को लेकर नई जिज्ञासा

देश में शुरू हुए अंतरिक्ष से जुड़े दो सौ स्टार्टअप : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि इससे भारत के बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति एक नई जिज्ञासा जागी है।

मोदी ने साथ ही कहा कि देश में केवल अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि 2047 में विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे मजबूत आधार है। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। उन्होंने कहा कि हाल में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को लेकर देश में खूब चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु पृथ्वी पर सुरक्षित उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया।

इंस्पायर मानक से बच्चों में नवाचार को बढ़ावा

इंस्पायर-मानक अभियान के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चों का चयन किया जाता है। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। मोदी ने कहा कि पूरे भारत में बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासा की एक नई लहर उत्पन्न हुई है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने कहा कि मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग हुई, तो देश में एक नया माहौल बना। बच्चों में भी विज्ञान को लेकर, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई। छोटे-छोटे बच्चे अब कहते हैं, हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, हम भी चांद पर उतरेंगे - हम भी अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनेंगे।

मोदी ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है कि वीरता और दूरदर्शिता के प्रतीक 12 मराठा किलों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ग्यारह किले, तमिलनाडु में एक। हर किले से इतिहास का एक अध्याय जुड़ा है। हर पत्थर एक ऐतिहासिक घटना का साक्षी है... सल्हेर किला, जहां मुगलों को हराया गया था, शिवनेरी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

गायत्री परिजन अगमवीर सिंह का निधन, शोक

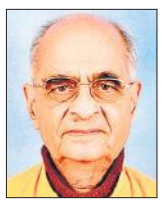

पूरनपुर, **अमृत विचार :** तहसील क्षेत्र के पचपेड़ा फार्म के रहने वाले गायत्री परिजन अगमवीर सिंह का रविवार को निधन हो गया। वह शांतिकुंज संस्था के आजीवन समयदानी थे। अगमवीर ने प्रसादपुर में मौजूद अपनी साढ़े बारह एकड़ जमीन वर्ष 2005 में श्रीवेद माता गायत्री ट्रस्ट शान्तिकुञ्ज हरिद्वार उत्तराखंड को दान कर दी थी। उसके बाद पत्नी सहित शान्तिकुञ्ज के आजीवन समयदानी हो गए। शांतिकुंज के देव संस्कृति विश्वविद्यालय में वह सेवारत थे। प्रसादपुर में स्थित माता भगवती देवी गोशाला अगमवीर सिंह की दान की गई जमीन पर बनी हुई है। संस्था के तहसील संयोजक रामऔतार कुशवाहा ने बताया कि अगमवीर सिंह का निधन गायत्री परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है। जानकारी लगते ही गायत्री परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।

काव्य फुहार में साहित्य रस की वर्षा, झूमे श्रोता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की शाहजहांपुर इकाई द्वारा होटल पार्क इन में आयोजित 'काव्य फुहार' में देशभर के चर्चित कवियों ने काव्य रस की वर्षा कर दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ रवि मोहन व संचालन डॉ इन्दु अजनबी ने किया।

कार्यक्रम में कवि राधे मोहन मिश्र 'मटियारी', एडीएम रजनीश मिश्र, कवयित्री सरिता साक्षी, उर्मिलेश सौमित्र, राशिद राही, विजय तन्हा, सुमन पाठक, अरविंद पंडित, अजय अवस्थी, सुदीप शुक्ला सहित कई रचनाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में श्रोताओं ने कविता, ग़ज़ल, गीत और हास्य कविताओं का देर रात तक भरपूर आनंद लिया।

भाइयों के झगड़े में श्रमिक को पीटा, रिपोर्ट

दियोरियाकलां, अमृत विचार : दो भाइयों में हो रहे झगड़े में पहुंचे एक श्रमिक की पिटाई कर दी गई। क्षेत्र के गांव कटैया निवासी सर्वेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात आठ बजे गांव की पूरनदेई पत्नी रीतराम के बुलाने पर उनके घर गए थे। वहां पर नरेश लाल और उसका भाई बिहारी आपस में झगड़ा कर रहे थे। आसपास के काफी लोग जमा हो गए। जब उन्होंने शांत कराने का प्रयास किया तो उनकी पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

18,318 किसानों ने बीते पेराई सत्र में चीनी मिलों को नहीं दिया गन्ना

समिति सदस्य बनने पर ही किसान चीनी मिल को सप्लाई कर सकेंगे गन्ना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पिछले पेराई सत्र के दौरान जनपद के 18318 किसानों ने चीनी मिलों को गन्ना ही नहीं दिया। ऐसे में अब गन्ना विभाग जनपद भर में अभियान चलाकर 10 हजार नए किसान जोड़ेगा। इसको लेकर विभाग द्वारा गांव-गांव सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। समितियों की सदस्यता लेने वाले किसान ही चीनी मिलों को गन्ना सप्लाई कर सकेंगे। अभियान 30 सितंबर तक चलाया जाएगा।

तराई के इस कृषि प्रधान जिले में धान, गेहूं के साथ गन्ने की सर्वाधिक पैदावार की जाती है। इस बार भी जनपद में 1.07 लाख हेक्टेयर रकवे पर गन्ने की फसल बोई गई है। शासन के निर्देश पर गन्ना सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका है। अब गन्ना विभाग द्वारा गांव-गांव ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा का प्रदर्शन किया जा रहा है। 30 अगस्त तक चलने वाले सर्वे सट्टा प्रदर्शन के दौरान 2.36 लाख किसानों को उनके अभिलेख दिखाए जाएंगें। इसी के साथ गन्ना विभाग ने समिति सदस्यता को लेकर जागरुकता अभियान चला रखा है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक अभियान के तहत करीब 10 हजार नए गन्ना किसानों को जोड़ा जाएगा। अभियान के तहत पहली बार गन्ना बोने वाले किसानों को मात्र 21 रुपये मे ऑनलाइन समिति सदस्यता दिलाई जा रही है। समिति सदस्यता लेने वाले किसान ही चीनी मिलों को गन्ना सप्लाई कर सकेंगे। सभी समितियों, परिषदों एवं चीनी मिलों पर सदस्य बनाने के लिए किसान सहायता केंद्र स्थापित किये गए हैं। अभियान के तहत अभी तक 427 गन्ना किसानों द्वारा ऑनलाइन सदस्यता के लिए आवेदन किया गया है। इसमें सबसे ज्यादा 345 किसानो ने पीलीभीत समिति मे आवेदन किया है, जबकि बीसलपुर समिति से 60, पूरनपुर समिति से 20 एवं मझोला समिति से 02 किसानों ने ऑनलाइन सदस्यता के लिए आवेदन किया है।

सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत का भवन। ● अमृत विचार

विभाग द्वारा जनपद में सर्वे सट्टा प्रदर्शन का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही समिति सदस्यता के लिए विशेष जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। जिन किसानों ने पहली बार गन्ने की फसल बोई है, उनसे अपील है कि वे समिति की सदस्यता लें, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

– **खुशीराम भार्गव**, जिला गन्ना अधिकारी

● गन्ना विभाग अब अभियान चलाकर जोड़ेगा 10 हजार नए गन्ना किसान

अधिक दाम मिलने के चलते मिलों के नहीं दी सप्लाई

पिछले पेराई सत्र के दौरान जनपद के करीब 18318 गन्ना किसान ऐसे भी है, जिन्होंने अपने गन्ने की फसल को चीनी मिलों को न देकर अन्य जगहों पर बिक्री कर दिया। बताते हैं कि अधिक दाम मिलने के चलते इन किसानों ने चीनी मिलों को गन्ने की सप्लाई नहीं की है। इसमें बरखेड़ा के 7900 गन्ना किसान, बीसलपुर के 3400, पीलीभीत के 4500 और पूरनपुर के 2518 गन्ना किसान शामिल हैं।

दुकान का ताला तोड़ा, विरोध पर धमकाया

बीसलपुर, अमृत विचार: सिविल न्यायालय से दुकान का स्टे होने के बावजूद महिला दुकानदार की दुकान का ताला तोड़ दिया गया। विरोध करने पर मारपीट की गई।

पुलिस को दी तहरीर में नगर के मोहल्ला हबीबुल्लाह खान शुमाली निवासी अनूप अग्रवाल की पत्नी प्रीति अग्रवाल ने बताया कि उसने एक दुकान नगर के मोहल्ला बख्तावरलाल में किराएदार की हैसियत से ले रखी है। उसको यह दुकान सनातन धर्म सभा के प्रबंधक भूपेंद्रनाथ नगाइच ने 500 रुपये प्रतिमाह किराए की दर पर ली थी। उमेश सैनी पुत्र पुत्तू लाल सैनी द्वारा उसे किराए की दुकान में व्यापार करने में लगातार बाधा पहुंचाई जा रही है। परेशान होकर प्रीति अग्रवाल ने न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन में वाद योजित किया, जिसमें 31 मई को न्यायालय ने स्टे आदेश पारित कर दिया। आरोप है कि इसके बाद भी 16 जुलाई की दोपहर तीन बजे जब महिला का पुत्र व्यापार कर रहा था। इसी दौरान आरोपी उमेश अपने पुत्र पिंटू सैनी व रोहित सैनी संग पहुंचा और धमकी दी। दुकान में लटका हुआ ताला भी तोड़ दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

प्राथमिक विद्यालय टाहपौटा में हुई कई गतिविधियां

कार्यक्रम में सम्मानित किए गए छात्र छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय टाहपौटा में शनिवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हुए कार्यक्रम में कारगिल के शहीदों का नमन किया गया। विद्यार्थियों को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया गया।

इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तहत बच्चों को पॉलिथीन का प्रयोग न करने और कागज या कपड़े के थैले प्रयोग करने को प्रेरित किया गया। विद्यालय परिसर एवं अपने आस-पास लगे पेड़-पौधों की सुरक्षा, पर्याप्त देखभाल के लिए जागरूक किया गया। हरियाली तीज के अवसर पर बालिकाओं ने मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें विजयी रहने पर अलका मौर्य, रिंकी, जसोदा देवी, साधना वर्मा, सोनाक्षी, प्रांशी, झलक वर्मा, आयुषी सागर, चंदा, आराध्या, साधना, राधिका वर्मा, सुहानी, बरखा, नंदिनी, चित्रा देवी, पल्लवी, क्रांति, रितु, शकुंतला, रोशनी आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अंजना शुक्ला, प्रगति धामी, ममता देवी आदि मौजूद रहे।

कोर्ट से जारी वारंट पर वांछित वारंटी गिरफ्तार

खुटार, अमृत विचार : बण्डा थाना क्षेत्र के दलेलपुर निवासी लालाराम पुत्र रामदास को रविवार को खुटार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह एक विचाराधीन मुकदमे में लंबे समय से फरार चल रहा था। कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद पुलिस जब लालाराम को पकड़ने पहुंची तो वह फरार हो गया। पीछा करते हुए उसे बण्डा कस्बे के पास से गिरफ्तार किया गया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

रामचरितमानस पाठ का समापन, यज्ञ में दी आहुति

रामचरित मानस पाठ में शामिल भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को श्रीरामचरितमानस पाठ का समापन हुआ। यज्ञ, सामूहिक जप, ध्यान, आरती, परिक्रमा, जयघोष, प्रसाद वितरण के साथ संपन्न कराया गया। बता दें कि इसकी शुरुआत शनिवार से हुई थी। रविवार को मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने कहा कि शान्ति कुंज का आधार गायत्री और यज्ञ है। जब जन जन में गायत्री और यज्ञ का समावेश हो जाएगा, तभी निश्चित युग परिवर्तन होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने भाग लिया और आहुतियां दी। यज्ञवेदी की परिक्रमा की गई।

ब्रह्मचारी घाट पर मिला मृत गोवंश, ईओ ने नहीं भेजी टीम

पीलीभीत, अमृत विचार: अखिल भारत हिन्दू महासभा के युवा विंग के जिला महामंत्री आयुष सक्सेना को रविवार को सूचना मिली कि ब्रह्मचारी घाट पर एक गोवंश मृत अवस्था में पड़ा है। इससे वातावरण दूषित हो रहा है। इस पर उन्होंने अन्य पदाधिकारियों को जानकारी दी। कुछ ही देर में तमाम कार्यकर्ता जमा हुए और ब्रह्मचारी घाट पहुंच गए। जानकारी मिलने पर नगर पालिका की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फिर मृत गोवंश का विधिवत अंतिम संस्कार कराया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृत गोवंश शनिवार से घाट पर पड़ा था। ईओ को पूर्व में ही सूचना दी जा चुकी थी, मगर कोई नहीं पहुंचा। इसे लेकर नाराजगी जताई।

तीज... मेहंदी से सजे हाथ, खनकती रहीं चूड़ियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : हरियाली तीज पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने हाथों पर मेहंदी रचाने के बाद हरे परिधान पहनकर घरों और मंदिरों में पूजा अर्चना की। इसके बाद सखियों के संग झूले का आनंद लिया। दिन भर लोगों के मिलने जुलने का सिलसिला जारी रहा। बाजार में भी हरियाली तीज की रौनक दिखी।

रविवार को हरियाली तीज का पर्व उत्साहपूर्वक मना। इससे पहले चूड़ी, बिंदिया हरे रंग के परिधान के साथ सोलह शृंगार कर महिलाओं ने तीज के गीत गाए। अखंड सुहाग एवं पति की दीर्घायु की कामना लेकर उन्होंने व्रत रखा। शाम को मिट्टी से बने शिव परिवार का सामूहिक पूजन किया। इधर, हरियाली तीज पर शहर के गौरीशंकर मंदिर, अर्द्धनारीश्वर मंदिर और दूधिया नाथ मंदिर में नवविवाहिता जोड़ों की भीड़ लगी रही। उन्होंने पति के साथ पूजा अर्चना कर मनौती मांगी। वहीं युवतियों ने भी व्रत रखकर मां गौरी की पूजा अर्चना की।

शाम में पूजन कर कथा सुनी। कई घरों में शिव-पार्वती के भजन और मंगल गान के साथ तरह-तरह के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। शादी के बाद पहली तीज मना रही नवविवाहिताओं की ससुराल में कई दिनों से इसकी तैयारियां चल रही थी, जिन्होंने मायके पहुंचकर हरियाली तीज का पर्व मनाया। माता यशवंतरी देवी मंदिर में प्रागंण में महिलाएं और युवतियां अपनी सखियों के साथ वहां पहुंची।

जहां उन्होंने रस्सी से पेड़ पर झूला डालकर आनंद लिया। सावन के गीत गाए। इस दौरान झूले पर कई युवतियां सेल्फी लेने में भी जुटी रही। बाजार में भी पर्व को लेकर चहल पहल रही। शनिवार को देर रात तक मुख्य बाजार में महेंदी स्टॉल और ब्यूटी पॉर्लर में भी मेहंदी लगवाने को भीड़ रही। इधर, एकता सरोवर पार्क पार्क में भी लोग घूमने के लिए पहुंचे।

शहर के एक घर में पड़े झूले का लुत्फ उठाती बच्चियां।

● शहर समेत जिलेभर में मना पर्व, पूजा अर्चना के बाद बनाए पकवान, झूले का उठाया लुत्फ

शहर की एक दुकान पर चूड़ी खरीदती महिलाएं। ● अमृत विचार

हरियाली तीज पर हाथों में मेहंदी लगवाती युवती। ● अमृत विचार

बीसलपुर में रही धूम

बीसलपुर, अमृत विचार : हरियाली तीज पर्व को लेकर महिलाओं में उत्साह दिखा। सुबह से ही महिलाएं हरे प्रधान में नजर आई। एक दिन पहले ही हाथों में मेहंदी सजा ली थी। रविवार को शृंगार कर पति की दीर्घायु के लिए पूजन किया। घरों मे स्वादिष्ट पकवान बनाए। जगह-जगह झूले डाले गए। महिलाओं ने झूला झूलते हुए सावन के गीत गाए। नगर के मोहल्ले बख्तावर लाल स्थित होली चौराहे पर तीज का मेला लगा, जिसमें बच्चों ने खिलौने की खरीदारी की। वहीं, घेवर की बिक्री भी मिठाई की दुकानों पर खूब हुई।

व्यापारी के हित में मदद के लिए सैदव रहेंगे तैयार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नवनिर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल महेंद्रू, सपना यादव का स्वागत समारोह शहर के एक बरात घर में शनिवार रात आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार और डीएम ज्ञानेंद्र सिंह रहे। व्यापार हित के लिए सदैव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।

राज्यमंत्री ने व्यापारियों को उनके व्यापार में आने वाली समस्याओं और अफसरों की कार्यप्रणाली से आहत होने वाले व्यापारियों को सदैव साथ देकर निस्तारण कराने का वादा किया।

बरात घर में हुए कार्यक्रम में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार व व्यापार मंडल पदाधिकारी।

● व्यापार मंडल के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यमंत्री और डीएम

डीएम ने व्यापारियों से आधुनिक युग में युवाओं और छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यापार में अग्रसर होकर पूंजीपति और समृद्ध बनाए जाने की बात कही। कहा कि व्यापारियों को एक अभियान के तहत उत्पादन के क्षेत्र में एक लक्ष्य की तरह इससे जोड़ना चहिए।

नवनिर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल महेंद्रू ने बताया कि अगर व्यापारी पर किसी तरह की कोई समस्या आती है तो वह हर समय अधिकारियों और राज्य मंत्री के साथ मिलकर निस्तारण कराएंगे। छोटे-छोटे सामाजिक कार्यों की बैठक में हिस्सा लेकर सीधा संवाद करेंगे। महिला विंग प्रदेश उपाध्यक्ष सपना यादव ने महिलाओं को नेतृत्व देने के साथ ही आत्मनिर्भरता की ओर लगातार बढ़ रही महिलाओं और छात्राओं को व्यापार से जोड़कर योजनाओं का लाभ दिलाने की बात की। जिलाध्यक्ष एमए जिलानी ने आगंतुकों का स्वागत एवं आभार जताया। इस मौके पर महामंत्री पंकज अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, प्रकाशवीर, रणवीर पाठक, शैली शर्मा, राहिद अंसारी, कंचन सक्सेना, शोभनीय सिंह, बिंदु शर्मा, नीनू सक्सेना, प्रीति कंचन, राजेंद्र कौर, मनदीप कौर, ममता छाबड़ा, अजय गोयल, सलीम इदरीसी, प्रदीप शुक्ला, रवि जायसवाल, नितिन वर्मा आदि मौजूद रहे।

बिलसंडा में हरियाली तीज महोत्सव में शामिल महिलाएं। ● अमृत विचार

अटूट आस्था का केंद्र है मढ़ानाथ मंदिर

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: यूं तो नगर एवं क्षेत्र में कई शिवालय हैं, जिनका अलग रहस्य और अलग-अलग मान्यताएं हैं। हर मंदिर की अलग-अलग विशेषताएं भी हैं। मगर, गांव मरौरी खास स्थित मढानाथ मंदिर की अलग ही पहचान है। इस मंदिर की स्थापना राजा मोरध्वज के काल से जुड़ी बताई जाती है। श्रद्धालुओं की इस मंदिर के प्रति अटूट आस्था है। सावन के पवित्र महीने में कांवड़िया भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक करते हैं।

नगर से महज तीन किमी की दूरी पर गांव मरौरी खास स्थित मढ़ानाथ मंदिर भी उनमें से एक है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां भोलेनाथ का प्राचीन मंदिर है। बताते हैं कि इस मंदिर की स्थापना राजा मोरध्वज ने कराई थी। पहले एक संत द्वारा फूस की मढ़ी में बने मंदिर में तपस्या करने के चलते इसका नाम मढ़ानाथ मन्दिर पड़ गया। ये भी कहा जाता है कि दूध और मट्ठा चढ़ाने की परंपरा की वजह से ही इस धर्मस्थल का नाम मढ़ानाथ

गांव मरौरी खास का मढ़ानाथ मंदिर। ● अमृत विचार

● दूध-मट्ठा से शिव का अभिषेक करने से पड़ा नाम

● श्रावण मास में श्रद्धालु चढ़ाते हैं कांवड़

पड़ा। मंदिर के आसपास तमाम सिख परिवारों के मकान हैं, जो बंटवारे के बाद से आकर यहां बस गए। वह भी मंदिर की देखभाल में लगे रहते हैं। बताते हैं कि सिख श्रद्धालु और उनके परिवार की महिलाएं आज भी भगवान शिव का अभिषेक दुग्ध और मट्ठा से करती हैं। मंदिर में खासतौर पर सावन माह में कांवड़ियों की भीड़ लगी रहती है। यहां तमाम भक्त प्रतिदिन पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। परिवार अपनी मुराद पूरी होने पर यहां अपने अनुष्ठान भी कराते हैं, जिससे यहां श्रद्धालुओं का मेला लगा रहता है।

मंदिर के अंदर स्थापित प्राचीन शिवलिंग।

रियाजुद्दीन को व्यापार मंडल की जिम्मेदारी

मंडल अध्यक्ष का स्वागत करते व्यापारी।

न्यूरिया, अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष एमए जिलानी ने रियाजुद्दीन उर्फ राजू को जिम्मेदारी दी है। उन्हें संगठन में न्यूरिया का मंडल अध्यक्ष बनाया है। व्यापारियों के हित को उठाते हुए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। मंडल अध्यक्ष पद पर जिम्मेदारी मिलने पर रियाजुद्दीन का तमाम व्यापारियों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. शमशुल, बाबू, अकबर, बब्बू, इंतजार अहमद, कुलदीप, शमशाद, आर्यन गुप्ता, रिंकू कश्यप आदि मौजूद रहे।

कशिश के सिर सजा हरियाली तीज का ताज

संवाददाता, बिलसंडा

● हैप्पी ब्लू वर्ड स्कूल में हुआ भव्य कार्यक्रम

अमृत विचार: नगर के हैप्पी ब्लूवर्ड पब्लिक स्कूल में हरियाली तीज की पूर्व संध्या पर शनिवार को महिला मित्र मंडली द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें नगर की तमाम महिलाओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में डांडिया नृत्य, मेंहदी प्रतियोगिता, डांस, सिंगिंग कंपटीशन आदि एक्टिविटी कराई गई। महिलाओं ने स्टाल लगाकर तमाम व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया। तीज महोत्सव की शुरुआत प्रबंधक विक्रम नरेश जायसवाल, कमेटी की अध्यक्ष प्रिया जायसवाल ने भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की पूजा अर्चना से कराई। महिलाओं ने झूले का लुत्फ उठाकर हरियाली तीज के मंगल गीत भी गाए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया, जबकि कशिश जायसवाल को वोटिंग द्वारा तीज क्वीन चुना गया।

कार्यक्रम में प्रत्येक महिला को उपहार स्वरूप गिफ्ट दिए गए। कार्यक्रम आयोजक शोभना (प्रिया) जायसवाल ने हरियाली तीज के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर अनुराधा जायसवाल, रोली जायसवाल, वीना, पारुल, दीपिका, पूजा, आयुषी, गुंजन, श्रुति, शुभी, कशिश, नेहा तिवारी, भावना गुप्ता, शुभी गुप्ता, शिवांगी शर्मा, नैंसी, मनीष जायसवाल, सपना, नैना, गोल्डी ,पूनम गुप्ता, स्वाति, मोना, शशि गुप्ता, सोनम गुप्ता, शालिनी जायसवाल, सपना,पूजा वर्मा, कनिका वर्मा, कुंती वर्मा, सोनम वर्मा आदि मौजूद रहे। उधर तीज पर्व रविवार को क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मोहल्ला देवीस्थान में तीज पर मेला लगा, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हरियाली तीज पर हुए कार्यक्रम में झूले पर बैठी महिलाएं।

बिलसंडा में ताज क्वीन का खिताब पाने वाली कशिश जायसवाल।

जिले में आज

- मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां में श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ दोपहर 1 बजे।
- गौरीशंकर मंदिर समेत अन्य शिवालयों में पूजन और जलाभिषेक सुबह 5 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

युवक से मारपीट कर नकदी छीनी

पूरनपुर, अमृत विचार : थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव लोहरपुरा के रहने वाले विकास भारती रविवार को कस्बे की एक दुकान पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनवाने गए। आरोप है कि इस दौरान दुकानदार ने उनके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग प्रयोग करते हुए गाली गलौज की। कुछ लोगों को बुलाकर पिटाई कर दी। जिसमें वह घायल हो गए। मारपीट के दौरान पांच हजार रुपये भी छीन लिए। पुलिस ने दुकान स्वामी को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच की जा रही है।

पानी लेने गए युवक को मारा चाकू

पूरनपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला लाइनपार साहूकारा के निवासी शुभम कुमार पुत्र लालता प्रसाद ने बताया कि वह आठ जुलाई को मोहल्ले में ही देवीस्थान पर पानी लेने गए थे। मंदिर के पास तीन साथियों संग मौजूद अजय ने गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर पिटाई कर दी। जानलेवा हमला करते हुए चाकू से चार किया। शोर पर आसपास के लोग जमा हुए तो आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने अजय और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

आरओ-एआरओ परीक्षा में 2671 अभ्यर्थी हुए शामिल, 3401 रहे गैरहाजिर

जिले 14 केंद्रों पर कराई गई संपन्न, उपाधि कॉलेज केंद्र में सर्वर डाउन, पेपर छूटने के बाद हुई बायोमेट्रिक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपीपीएससी की ओर से आयोजित आरओ और एआरओ (समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 6072 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3401 ने परीक्षा में भाग ही नहीं लिया। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त किए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में आसपास की दुकानें तक बंद कराई गईं। इसी बीच उपाधि कॉलेज केंद्र पर तकनीकी गड़बड़ी के चलते सर्वर डाउन हो गया, जिससे बायोमेट्रिक सत्यापन पेपर शुरू होने के बाद कराया जा सका।

जिले में रविवार को समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की लिखित परीक्षा 14 केंद्रों पर कराई गई। इनमें स्प्रिंगडेल कॉलेज, ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी इंटर कॉलेज, एसएनइंटर कॉलेज, सेंट एलॉयसिस इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलिटेक्निक बिलगंवा, उपाधि महाविद्यालय, एसआरएम इंटर कॉलेज, लिटिल एंजिल्स स्कूल, लायंस बाल विद्या मंदिर, ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल और राजकीय पॉलिटेक्निक टांडा पूरनपुर शामिल रहा। 6072 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। परीक्षा की वजह से इन क्षेत्रों में दुकानें आदि बंद रही। सुबह 8 बजे से अभ्यर्थियों की भीड़ जुटना शुरू हो गई।

परीक्षा देने शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, पलिया आदि क्षेत्र के अभ्यर्थियों की संख्या अधिक रही। सुबह 9 बजे से परीक्षा केंद्र का गेट खोल दिया गया। पहले पुलिस के द्वारा उनकी चेकिंग की गई। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स आदि बाहर निकलवा दिए गए। इसके बाद आधार कार्ड और बॉयोमैट्रिक के साथ स्क्रीनिंग कर कक्ष में प्रवेश मिला। कक्ष में पहुंचने के बाद ठीक साढ़े नौ बजे परीक्षा शुरु कराई गई। इस बार 3401 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी, जबकि 2671 ने परीक्षा दी। जिसे लेकर जिम्मेदार भी हैरान दिखे। परीक्षा को लेकर कक्ष निरीक्षकों और वहां लगे पैरामेडिकल स्टाफ के मोबाइल जमा करा लिए गए थे। ठीक 12:30 बजे पेपर छूटा। स्टेटिक मजिस्ट्रेट और जोनल अफसर भ्रमण कर परीक्षा केंद्रों को देखते रहे।

इधर, परीक्षा शुरू होने से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को चेक करने के लिए डीएम ज्ञानेंद्र सिंह अकेले रामा कॉलेज और जीजीआईसी को चेक किया। वहां सीट प्लान, सुरक्षा व्यवस्था चेक किया। ताकि कोई चूक न होने पाए। पेपर छूटने के बाद सड़कों पर अभ्यर्थी पेपर को लेकर चर्चा करते दिखे। परीक्षा में स्क्रीनिंग और बॉयोमैट्रिक करने के निर्देश दिए गए थे। इसको लेकर 14 केंद्रों पर व्यवस्था की गई थी। मगर उपाधि महाविद्यालय में सुबह में सर्वर डाउन हो गया। सर्वर डाउन होने की वजह से परीक्षा का समय निकल रहा था। ऐसे में जिम्मेदारों ने परीक्षा शुरू कर दी। इसके बाद पेपर छूटने पर बॉयोमैट्रिक कराई। हालांकि अफसर इस बात को इन्कार करते रहे। फिलहाल अन्य किसी केंद्र पर कोई समस्या देखने को नहीं मिली।

परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यार्थी। ● अमृत विचार

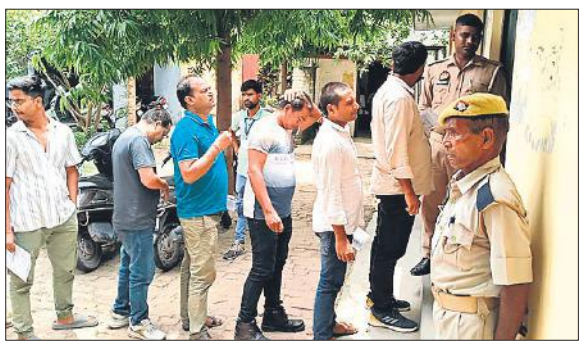
परीक्षा केंद्र के बाहर लाइन में लगे अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

परिवार तो कोई बच्चे के साथ पहुंचा परीक्षा देने

आरओ और एआरओ की परीक्षा को लेकर शाहजहांपुर, लखीमपुर के अलावा अन्य जनपदों से अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने के लिए आए थे। परीक्षा को लेकर कई अभ्यर्थी एक दिन पहले तो कोई तड़के सुबह ही परीक्षा केंद्र पर पहुंच गया। परीक्षा केंद्र पर कोई महिला अपने बच्चे के साथ तो कोई पिता या पति के साथ परीक्षा देने के लिए पहुंची। जहां उनके परिवार वाले उनका इंतजार करते दिखाई दिए।

परीक्षा देकर बच्चे के साथ जाती महिला।

परीक्षा को लेकर डिग्री कॉलेज चौराहा पर बैरियर लगाकर बंद किया गया रास्ता।

FUTURE UNIVERSITY
Learn · Assimilate · Transcend
India's 1st AI Enabled New Age Innovative University
Start Your Engineering Journey With Job- ready Skills
Diploma
ADMISSION CLOSING SOON
Polytechnic
Civil | Electrical
Computer Science
Mechanical - Automobile
Production
Polytechnic New Age
Civil | Electrical
Computer Science
Mechanical - Automobile
Production
Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur, Bareilly (U.P.) India
Call : 9105057520, 9105057515
www.futureuniversity.in
Scan this QR Code for apply instantly.

क्या बोले अभ्यार्थी

परीक्षा को लेकर काफी समय से तैयारी कर रहे थे। जीएस कठिन थी, लेकिन हिंदी सरल आई। थोड़ा बहुत रिजनिंग ने सिर घुमाया था। हालांकि ओवरऑल पेपर ठीक गया। अब देखते क्या परिणाम मिलता है। – **गौरव कुमार, अभ्यर्थी, लखीमपुर खीरी**

पेपर तो आसान आया था। यूपीपीएससी लेवल के ही प्रश्न पूछे गए थे। जीके के प्रश्न थोड़े कठिन पूछ लिए थे। निगेटिव मार्किंग के डर से जो समझ नहीं आए। वह छोड़ दिए। हिंदी आसान रही। पेपर तो ठीक रहा है। – **आलोक कुमार**, अभ्यर्थी, लखीमपुर खीरी

इससे पहले भी एग्जाम दे चुके है। यह दूसरी बार एग्जाम दिया है। पेपर पहले की तुलना कठिन रहा। मगर हिंदी को इस बार सरल कर दिया। जीएस में उलझने वाले सवाल रहे। हालांकि पिछली बार जो सवाल पूछे गए थे। उससे कहीं ज्यादा कठिन सवाल आए हैं।
– **नूर बी**, अभ्यर्थी, शाहजहांपुर

ड्रोन की अफवाह पर बहकावे में न आएं, पुलिस को कॉल करें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **ड्रोन के शोर को लेकर संजीदा हुए पुलिस अधिकारी**

अमृत विचार: ग्रामीण अंचलों में पिछले कुछ दिनों से चल रहे ड्रोन के शोर और उसके बाद ग्रामीणों के एकजुट होकर उग्र होने से जुड़ी घटनाएं सामने आने के बाद पुलिस विभाग संजीदा हुआ है। इसे लेकर एसपी की ओर ने इस तरह की अफवाहों या सूचना मिलने पर संबंधित थाना पुलिस और यूपी 112 पर कॉल कर सूचना देने की अपील की है। ये भी चेतावनी दी है कि इस दौरान कहीं कोई शांति व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

बता दें कि पिछले कुछ समय में ग्रामीण अंचलों में ड्रोन का शोर बढ़ा है। शहर से सटे ग्रामीण अंचलों के साथ ही दूर दराज के अन्य क्षेत्रों में कई ऐसी भी घटनाएं सामने आई। जिसमें ग्रामीणों के एकजुट होकर उग्र होने की जानकारी हुई। कई इलाकों में ग्रामीण खुद ही एकजुट होकर रात में जाग रहे है। बीते दिनों घुघचिहाई क्षेत्र में एक स्थान पर फायरिंग करने का भी शोर मचा। एसपी अभिषेक यादव ने कहा कि कुछ दिनों से ड्रोन को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। अगर कोई इस तरह की अफवाह फैलाता दिखे तो बहकावे में न आएं। इसकी सूचना पुलिस को दी जाए। उस पर तत्काल एक्शन लिया जाएगा।

खुले में न करें शौच, बढ़ सकती हैं संघर्ष की घटनाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ग्रामीण अंचलों में गांव-गांव सामुदायिक शौचालयों और घरों में व्यक्तिगत शौचालय बनवाए गए हैं। इसके बावजूद लोग खुले में शौच को जा रहे हैं। वहीं बाघ-तेंदुए भी जंगल से बाहर रिहायशी इलाकों के आसपास घूम रहे हैं।

ऐसे में मानव-वन्यजीव संघर्ष की प्रबल संभावना बनी हुई है। मामला संज्ञान में आने पर अब पंचायत विभाग गांव-गांव बैठकें आयोजित कर एवं डुगडुगी पिटवाकर ग्रामीणों को खुल में शौच न जाने के प्रति जागरूक करेगा। इस बाबत डीपीआरओ ने सभी सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया है।जनपद के न्यूरिया क्षेत्र में तीन ग्रामीणों को मारने वाली हमलावर बाघिन को पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद जंगल से सटे गांवों के आसपास बाघ-तेंदुओं समेत अन्य वन्यजीवों की चहलकदमी देखी जा रही है। पिछले दिनों हमलावर बाघिन को पकड़ने के लिए गांव-गांव मॉनिटरिंग की जा रही थी। इस दौरान वन महकमे ने पाया कि अब भी अधिकांश लोग खुले में ही शौच को जा रहे हैं। ऐसे में मानव-वन्यजीव संघर्ष की संभावना बनी हुई है। इसको लेकर वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया था। जिस पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था।

इधर, अब इसको लेकर पंचायत राज विभाग गांव-गांव बैठकें आयोजित कर एवं डुगडुगी पिटवाकर ग्रामीणों को खुले में शौच के लिए न जाने के प्रति जागरूक करेगा। इस बाबत डीपीआरओ रोहित भारती ने बाघ प्रभावित गांवों के पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को ग्रामीणों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जारी पत्र में कहा कि ग्रामीणों द्वारा गांवों में बने शौचालय का प्रयोग न करके खुले में शौच करने जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की प्रबल आशंका बनी रहती है।

डीपीआरओ ने सचिवों व प्रधानों को एक सप्ताह के अंदर ग्राम पंचायत में बैठक, रैली और डुगडुगी पिटवाकर ग्रामीणों को इसके प्रति जागरूक करें कि वह घरों में बने या सामुदायिक शौचालय का ही प्रयोग करें, ताकि गांव ओडीएफ प्लस मॉडल बने रहने के साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष की संभावना भी पैदा न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में बाहर खुले में शौच को लेकर कोई भी मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटना होती है तो संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- **ग्राम पंचायतों में पहुंचेगी टीम, ग्रामीणों को किया जागरूक, आगे होंगी बैठकें**
- **जिला पंचायत राज अधिकारी ने सभी पंचायत सचिवों व ग्राम प्रधान को जारी किए दिशा-निर्देश**

कारगिल विजय दिवसः एसएसबी जवानों ने निकाली साइकिल रैली

साइकिल रैली में शामिल एसएसबी जवान। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: कारगिल विजय दिवस के अवसर पर फिट इंडिया मिशन के तहत एसएसबी की अेर से साइकिल रैली निकाली गई। इसमें कमांडेंट (कार्यवाहक उपमहानिरीक्षक) राजेंद्र कुमार के निर्देशन में जवान शामिल हुए। बताया कि इस रैली का उद्देश्य न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था, बल्कि युवाओं में नशामुक्ति, सशक्तिकरण, सामाजिक जागरुकता जैसे संदेशों को मजबूती से फैलाना रहा। कहा कि यह पहल फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय परिवर्तन और सामूहिक स्वास्थ्य के प्रतीक के रुप में उभर रही है। साइकिल रैली छतरी चौराहा, स्टेशन रोड, रेलवे कॉलोनी समेत कई मार्गों से गुजरी।

डिलीवरी के लिए जमा की गई रकम को रिश्वत के तौर पर ले गए प्रधान सचिव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **बिना रुपये दिए आवास योजना का लाभ न मिलने की कही बात, धमकाया**
- **डीएम से पीड़िता ने की शिकायत, मरौरी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत रूपपुर सैजना का मामला**

अमृत विचार: गर्भवती पत्नी की डिलीवरी के लिए श्रमिक ने जैसे-तैसे तीस हजार रुपये जमा किए। आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची में नाम आने के बाद प्रधान सचिव ने रिश्वत के तौर पर ये रकम ऐंठ ली। मांगने पर आवास योजना से वंचित करने की धमकी दे डाली। पीड़िता ने इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

मरौरी ब्लॉक के ग्राम रुपपुर सैजना की रहने वाली ममता देवी पत्नी देवेंद्र कुमार ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि वह गरीब व भूमिहीन हैं। पति मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका कच्चा छप्परपोश घर है, जिसमें परिवार गुजर बसर करता है। ग्राम में प्रधानमंत्री आवास आए हुए हैं। उनका नाम भी पात्रता सूची में दर्ज है। घर को लेकर सर्वे भी हो चुका है।

24 जुलाई को पति मजदूरी करने बाहर गए थे। शाम करीब साढ़े सात बजे पंचायत सचिव, प्रधान का देवर आए और कहा कि 30 हजार रुपये दे दो। तभी प्रधानमंत्री आवास की रकम पंद्रह दिन के भीतर खाते में आ जाएगी। रुपये देने से मना किया तो धमकाया कि बिना रुपये दिए आवास योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर आरोपियों को तीस हजार रुपये दे दिए।

पति के घर आने पर उन्हें पूरी बात बताई। जब रुपये वापस मांगे गए तो साफ कह दिया कि बिना रकम के कुछ नहीं मिलेगा। रुपये वापस करने से भी इन्कार कर दिया है। ये भी बताया कि पीड़िता इन दिनों गर्भवती है। उसकी डिलीवरी के लिए पति ने तीस हजार रुपये जमा किए थे, जिसे आवास की खातिर रिश्वत के रुप में दिया गया। रुपये वापस दिलाकर योजना से लाभान्वित कराने की मांग की गई।

मां-बेटे से मारपीट कर बाइक नकदी और कुंडल लूटा

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचार: मायके से पुत्र के साथ वापस आ रही महिला को दो अज्ञात लोगों ने रोका और मारपीट की गई। इसके बाद नकदी, बाइक और कुंडल लूटकर भाग गए। पुलिस सूचना मिलने पर छानबीन में जुट गई है। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा।

थाना क्षेत्र के ग्राम खानपुर चुकटिहाई निवासी राजवीर कौर पत्नी बलजीत सिंह ने बताया कि रविवार को वह अपने पुत्र गुरुकरन सिंह के साथ बाइक पर सवार होकर दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव पुरैना से वापस अपने घर लौट रही थीं। देर शाम टूटा पुल के पास पहुंचते ही दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका और हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी बाइक, 1200 रुपये और कुंडल लूटकर भाग गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

देर शाम हुई लूट की सूचना मिलने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की।

घटना का शोर मचने पर काफी लोग जमा हो गए। बता दें कि टूटा पुल के पास पहले भी लूटपाट की घटनाएं हो चुकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़िता बलजीत कौर।

कानपुर प्राणि उद्यान की सुपुर्दगी में पहुंची पीलीभीत की दहशतगर्द बाघिन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: वन महकमे द्वारा रेस्क्यू की गई बाघिन को शनिवार रात टीम ने कानपुर वन्य प्राणि उद्यान की सुपुर्दगी में दे दिया गया। प्राणि उद्यान में बाघिन को पशु चिकित्सकों की निगरानी में चार माह तक अन्य वन्यजीवों से दूर रखा जाएगा। बाघिन को बीती 24 जुलाई को डंडिया गांव के नजदीक से रेस्क्यू किया गया था।

आतंक का पर्याय बनी बाघिन की उत्तराखंड बार्डर समेत न्यूरिया क्षेत्र के दर्जन भर से अधिक गांवों में खासी दहशत थी। इस बीच बाघिन ने न्यूरिया क्षेत्र में तीन ग्रामीणों को मारने के साथ दो लोगों को घायल कर दिया था। बाघिन के ताबड़तोड़ हमलों का मामला शासन के संज्ञान में आने पर बाघिन को जल्द रेस्क्यू करने के निर्देश दिए गए थे।

मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त की देखरेख में करीब 13 घंटे तक चले ऑपरेशन थर्ड आई के बाद बाघिन को गन्ने के खेत में ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया। इसके बाद बाघिन को पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय के सेफ हाउस में रखा गया, जहां पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार और कानपुर प्राणि उद्यान के डॉ. मोहम्मद नासिर द्वारा बाघिन को स्वास्थ्य परीक्षण किया था। शासन ने बाघिन को कानपुर वन्य प्राणि उद्यान भेजने के निर्देश दिए थे। शासन से आदेश मिलने के बाद शनिवार दोपहर 2.10 बजे वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मोम्मद नासिर, रेंजर विनीत प्रकाश सक्सेना, डिप्टी रेंजर दवेन्द्रऋषि सक्सेना, वन दरोगा दीपक कुमार बाघिन को लेकर कानपुर रवाना हुए थे। करीब 308 किमी को लंबा सफर तय करने के बाद टीम शनिवार रात करीब 9 बजे कानपुर वन्य प्राणि उद्यान पहुंच गई। वन अफसरों ने बाघिन को कानपुर वन्य प्राणि उद्यान के निदेशक डॉ. कन्हैया पटेल के सुपुर्द कर दिया। पशु चिकित्सकों के मुताबिक प्राणि उद्यान में बाघिन को चार माह तक अन्य वन्यजीवों से दूर निगरानी में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए रखा जाएगा।

कानपुर प्राणि उद्यान में बाघिन की सुपुर्दगी संबंधित औपचारिकताएं पूरी कराते डीएफओ भरत कुमार डीके। ● अमृत विचार

- **308 किमी लंबा सफर तय कर टीम शनिवार रात पहुंची कानपुर प्राणि उद्यान**

शासन के निर्देशानुसार रेस्क्यू की गई बाघिन को शुक्रवार रात कानपुर वन्य प्राणि उद्यान के सुपुर्द कर दिया गया है। पशु चिकित्सकों के अनुसार बाघिन को चार माह तक स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पशु चिकित्सकों की निगरानी में वन्यजीवों से अलग रखा जाएगा। – **भरत कुमार डीके**, डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग।

परेशानी परीक्षा के बाद सड़कों पर भीड़, रेलवे जंक्शन पर रहा अभ्यर्थियों का तांता

अभ्यर्थियों के लिए नाकाफी साबित हुई बसें, ट्रेन का करना पड़ा इंतजार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आरओ और एआरओ परीक्षा के बाद जिले की सड़कों पर भीड़ रही। शाहजहांपुर और लखीमपुर खीरी से आए अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों से निकलते ही रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड का रुख किया।

मगर, इंतजाम नाकाफी साबित हो गए। रोडवेज बसें मिल नहीं सकी और घंटों ट्रेनों का इंतजार करना पड़ा। रेलवे जंक्शन पर हर तरफ भीड़ रही। अधिकांश डग्गामार वाहनों के सहारे सफर करते रहे। बता दें कि जनपद में 14 परीक्षा केंद्रों पर आरओ और एआरओ की परीक्षा कराई गई। लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, पलिया समेत आसपास के जिलों के अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा देने के लिए कई अभ्यर्थी एक दिन पहले ही परीक्षा केंद्रों के आसपास बने होटलों में शरण ले चुके थे। कई तड़के सुबह परीक्षा वाले दिन पहुंचे। परीक्षा सकुशल संपन्न होने के बाद जब पेपर छूटा तो अभ्यर्थियों को अपने गतंव्य तक पहुंचने के लिए सवारी नहीं मिली।

पहले उन्हें परीक्षा केंद्र से डिग्री कॉलेज चौराहा तक पैदल सफर तय करना पड़ा। इसके बाद यहां जब वह रोडवेज पहुंचे तो वहां बसें नहीं मिली। वहां से जानकारी दी गई कि बसें नौगवां चौराहा पर मिलेगी। मगर, वहां भी अभ्यर्थियों को बसें नहीं मिली। सबसे अधिक संख्या में शाहजहांपुर और लखीमपुर के अभ्यर्थी देखने को मिले। दोनों ही रुट पर रोडवेज की बस सेवा बदतर मिली। ऐसे में रेलवे जंक्शन पर सर्वाधिक भीड़ देखने को मिली। टिकट काउंटर से लेकर परिसर तक अभ्यर्थियों की भीड़ रही। अभ्यर्थी पीलीभीत से शाहजहांपुर को जाने वाली शाहजहांपुर पैसेंजर ट्रेन का इंतजार करते मिले। इधर, कई अभ्यर्थी असम चौराहा पहुंचने के बाद डग्गामार वाहनों से अपने घरों को रवाना हुए। उन्हें डायवर्जन रूट का सामना करना पड़ा। कांवड़ यात्रा के चलते टाइगर तिराहा, नौगवां चौराहा आदि इलाकों से रूट डायवर्ट मिला। ऐसे में नए व्यक्तियों को परेशानियां उठानी पड़ रही हैं।

रेलवे जंक्शन पर उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में घायल बाइक सवार की मौत

बिलसंडा, अमृत विचार : गांव करेली मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप शनिवार शाम कार की टक्कर लगने से घायल हुए बाइक सवार ग्रामीण की उपचार के दौरान रविवार को मौत हो गई। इसके बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।बता दें कि गांव भितिया निवासी रामवीर अपने साथी के साथ बाइक से करेली की ओर जा रहे थे। बताते हैं कि करेली मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप मालिक अपने पेट्रोल पंप पर कार से जा रहे थे। पेट्रोल पंप मालिक की कार और बाइक की पेट्रोल पंप के पास टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार दोनों ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन पहुंच गए और दोनों को सीएचसी ले गए। वहां से हालत गंभीर बताते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रामवीर की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के दो पुत्र हैं। पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है। हादसे के बाद परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

अब बहुरेंगे मेस्टर्न लाइब्रेरी के दिन हेरिटेज के रूप में होगी विकसित

शासन से मिले 3.65 करोड़, दो रुपये किराये पर सालों तक चलती रही बेशकीमती संपत्ति

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : लंबे समय तक कब्जे में रही ऐतिहासिक धरोहर मेस्टर्न लाइब्रेरी को खाली कराने के बाद उसे संवारने की दिशा में पहल शुरू की गई है। 3.65 करोड़ रुपये के बजट से यह ऐतिहासिक भवन न केवल अपने पुराने गौरव को फिर से हासिल करेगा, बल्कि इसे हेरिटेज स्वरूप में विकसित कर आधुनिक सुविधाओं से भी लैस किया जाएगा। जीर्णोद्धार के अलावा यहां एक डिजिटल पुस्तकालय और स्मृतियों से भरा संग्रहालय (म्यूजियम) भी तैयार किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां न केवल ज्ञान से जुड़ेंगी, बल्कि पीलीभीत की सांस्कृतिक विरासत से भी परिचित हो सकेंगी। टेंडर होने के बाद यहां निर्माण कार्य शुरु करा दिया गया है।

बता दें कि नगर पालिका कार्यालय के सामने ब्रिटिश हुकूमत के समय साल 1914 में एक लाइब्रेरी स्थापित की गई थी। उसका नाम मेस्टर्न लाइब्रेरी रखा गया। लाइब्रेरी के साथ ही इस भवन में मनोरंजन की अन्य गतिविधियां भी संचालित होती थी। नगर पालिका ने वर्ष 1932 में इस जगह का आवंटन 30 साल के लिए किया था। उस समय भवन का किराया दो रुपये प्रतिवर्ष वसूला जाता था। वर्ष 1962 में इसकी समय सीमा समाप्त हो गई थी। मगर, इसके बाद भी उसे खाली नहीं कराया गया था। इस प्रोजेक्ट में मेस्टर्न लाइब्रेरी की मरम्मत कराकर पुराने भवन को संरक्षित करते हुए हेरिटेज के रूप में गेस्ट हाउस तैयार कराया जाना है। टेंडर होने के बाद निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। कार्य कराने की जिम्मेदारी सीएनडीएस संस्था को दी गई है। इसके अलावा भवन की मरम्मत के अलावा यहां नए निर्माण में डिजिटल पुस्तकालय और म्यूजियम बनाया जा रहा है। कार्यदायी संस्था की ओर से निर्माण कार्य शुरु कर दिया गया है।

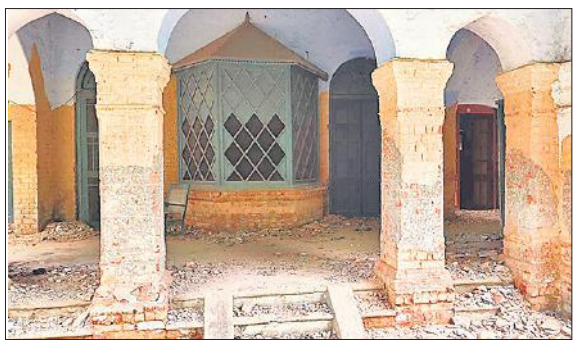

मेस्टर्न लाइब्रेरी के भवन में शुरू कराई गई मरम्मत।

मेस्टर्न लाइब्रेरी पर कब्जा चल रहा था, जिसे पूर्व में खाली कराया गया था। अब शासन की ओर से इस भवन को संजोने के लिए 3.65 करोड़ का बजट जारी किया है। इस भवन को संरक्षित करने के लिए इससे गेस्ट हाउस के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी और म्यूजियम भी बनाया जा रहा है। निर्माण कार्य शुरु हो चुका है।

– डॉ. आस्था अग्रवाल, अध्यक्ष, नगर पालिका, पीलीभीत

अमृत विचार ने उठाया था मुद्दा

अमृत विचार ने इस मुद्दे को प्रमुखता से 8 अक्टूबर 2021 के अंक में प्रकाशित किया था, जिसके बाद मामले की जांच कराई जा रही थी। 18 माह तक चली जांच के बाद डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने जगह को खाली कराने का आदेश जारी किया था, जिसके बाद तत्कालीन ईओ पूजा त्रिपाठी ने उसे 31 मार्च को खाली कराया था। खाली कराने के बाद नगरपालिका ने अपना कब्जा ले लिया था। इसके बाद अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने इस ऐतिहासिक धरोहर को संजोने के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यमंत्री के समक्ष रखा था। जिस पर शासन ने मुख्यमंत्री योजना के तहत इस भवन को संजोने के लिए 3.65 करोड़ का बजट जारी किया।

हमसफर ही बन बैठा जान का दुश्मन लगाई गुहार

बिलसंडा, अमृत विचार: परिजनों की रजामंदी के बगैर जिस प्रेमी से युवती ने विवाह किया। वही अब उसकी जान का दुश्मन बन बैठा है। प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने करेली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

करेली थाना क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने क्षेत्र के एक युवक से चार माह पूर्व प्रेम विवाह किया था। घरवालों की मर्जी के खिलाफ जब वह प्रेमी के साथ चली गई थी, तो मामला तूल पकड़ने पर उस वक्त पुलिस ने रिपोर्ट भी दर्ज की थी और कोर्ट में उसके ब्यान भी दर्ज कराए थे।

जिसमें उसने प्रेमी के साथ रहने की रजामंदी दी थी। आरोप है कि शादी के बाद से अपनी ससुराल में ही रह रही थी। आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से पति समेत अन्य ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं।

परेशान होकर युवती ने करेली थाने पहुंचकर ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती अपनी मां के साथ मायके रहने चली गई।

नौकर समेत दो संदिग्धों से पूछताछ में मिले सुराग

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: फार्मर के घर हुई लाखों की चोरी के मामले में पुराने नौकर समेत दो संदिग्धों से पूछताछ में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। एक अन्य युवक की तलाश के साथ ही पुलिस बरामदगी का प्रयास कर रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही घटना का खुलासा हो जाएगा।

कोतवाली क्षेत्र के गांव मुजफ्फरनगर के रनजीत सिंह परिवार समेत 25 जुलाई की रात छत पर बैठे थे। इसी दौरान उनके घर में दीवार फांदकर घुसे चोर पांच सोने की चेन, चार सोने के कंगन, सोने का कड़ा, छह सोने की अंगूठी और 26 हजार रुपये चोरी कर ले गए थे। घटना की जानकारी लगते ही परिवार के होश उड़ गए। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की।

परिवार ने बताया कि धर्मापुर गांव निवासी एक युवक जोकि उनके घर में पहले नौकरी कर चुका है। उसने अपने गुलड़िया भूप सिंह गांव के साथी संग अप्रैल माह में चोरी की थी। पकड़े जाने के बाद दोनों ने चोरी किया गया सामान वापस कर दिया था। उस वक्त कार्रवाई नहीं की गई थी। फार्मर रंजीत सिंह ने बताया कि 25 जुलाई की रात चोरी की घटना से पहले उक्त पुराना नौकर दो अज्ञात लोगों के साथ उनके घर के आसपास चक्कर लगा रहा था। उन्हें शक है कि दोबारा की गई चोरी की घटना को उसी ने दो अज्ञात साथियों संग अंजाम दिया है। पुलिस ने पुराने नौकर समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि पकड़े गए दोनों संदिग्धों से अभी तक चोरी का सामान बरामद नहीं हुआ है। इसके अलावा पुलिस को एक अन्य युवक की तलाश है। कोतवाल सतेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी के मामले में हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। माल बरामद होने के बाद शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

महिला पर किया डंडे से वार, धमकाया

पूरनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बंजरिया की रहने वाली राखी देवी पत्नी अनूप कुमार ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि गांव का सुजीत कुमार पुत्र सुधीर शुक्ला नशे की हालत में घर में घुस आया और गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर उसने राखी देवी के हाथ में डंडा मार दिया, जिससे उनका हाथ में फ्रैक्चर हो गया। उनकी बेटियों के शोर मचाने पर आरोपी सुजीत कुमार जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

नई ट्रेनों के संचालन को राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर, अमृत विचार: युवा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल पूरनपुर के अध्यक्ष नितिन वर्मा स्वर्णकार ने रविवार को पीलीभीत के एक होटल में हुए कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों के साथ राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार को ज्ञापन सौंपा। इसमें लखनऊ, मैलानी, पूरनपुर से बरेली तक ट्रेन संचालन की मांग की गई। कहा कि नई ट्रेनों के संचालन से व्यापारियों के साथ छात्र और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। राज्य मंत्री ने शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला,रवि जायसवाल, सोनू, परवेज खान, युवा इकाई के सुभाष गुप्ता, राहत शेरी, रिजवान सिद्दीकी, मोहम्मद हसन, रजवी सिद्दीकी,असलम अली ,हसमतुल्ला आदि व्यापारी मौजूद रहे।

सावन का सोमवार... अलर्ट, आज जलाभिषेक करेंगे कांवड़िया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सावन का तीसरा सोमवार आज है। बड़ी संख्या में कांवड़ियों के जत्थे भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। एक दिन पहले ही कांवड़ियों की वापसी होना शुरू हो गई। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी पुलिस प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है।

शहर के प्राचीन गौरीशंकर मंदिर, दूधिया नाथ मंदिर समेत अन्य शिवालयों में आज शिवभक्तों का सैलाव उमड़ेगा। एक दिन पहले ही मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई है। सुबह से ही भक्तों की भीड़ पहुंचना शुरू हो जाएगा। माना जा रहा है कि बीते दो सोमवार से अधिक कांवड़ शिवालयों में चढ़ेगी। रविवार को कई जत्थे कांवड़ यात्रा के लिए रवाना हुए। शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना की और फिर रवाना हुए। वहीं, बीते दिनों जल लाने के लिए रवाना हुए कांवड़ियों की वापसी भी शुरू हो गई। उनके रहने और खानपान की व्यवस्था मंडी समिति में हर बार की तरह की गई है। डीजे पर भोलेनाथ के भजनों पर थिरकते हुए कांवड़ियों का कई जगह स्वागत किया गया। रूट डायवर्जन प्लान सावन के पूर्व से ही लागू किया जा चुका है। इसी क्रम में सोमवार को भी ये लागू रहेगा। कांवड़ियों के जत्थों को शिवालय तक पहुंचाने के लिए पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। एक दिन पूर्व कांवड़ियों के रूट पर व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया जाता रहा।

कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

- एक दिन पहले ही बड़ी संख्या में कांवड़ियों की शुरू हुई कछला घाट से वापसी
- गौरीशंकर मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भी रहेंगे सख्त इंतजाम, रूट डायवर्जन भी लागू

इन रास्तों पर लागू रहेगा रूट डायवर्जन

कांवड़ यात्रा को देखते हुए आज कई मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू रहेगा। टाइगर तिराहा से एकता सरोवर, नौगवां चौराहा से ईदगाह क्रासिंग, नौगवां चौराहा से एकता सरोवर, खकरा चौकी से आयुर्वेदिक कॉलेज चौराहा की ओर बड़े वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। टनकपुर खटीमा की तरफ से बरेली जाने वाले वाहन मझोला से सितारगंज होते हुए जाएंगे। पूरनपुर से बरेली जाने वाले वाहन जेएमबी तिराहा से जहानाबाद की आरे से डायवर्ट किए जाएंगे। हालांकि एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं पर ये आदेश लागू नहीं होगा।

राज्यमंत्री ने कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा, अन्य इंतजाम भी परखे

मंडी समिति परिसर में बड़ी संख्या में कांवड़िया रविवार को पहुंच गए थे। शाम को राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार मंडी समिति पहुंचे और कांवड़ियों का स्वागत किया। इस दौरान डीएम ज्ञानेंद्र सिंह समेत कई अधिकारी भी पहुंचे। कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। राज्यमंत्री ने प्रशासन द्वारा कांवड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं को भी देखा। कांवड़ियों का हाल-चाल जाना। प्रसाद, फल आदि का वितरण किया गया। उन्होंने कावड़ यात्रियों के रुकने की व्यवस्था, पुलिस सहायता केंद्र एवं मेडिकल कैंप की व्यवस्थाओं को भी देखा। मंडी परिसर में व्यवस्थाएं ठीक मिली। इस मौके पर एडीएम वित्त ऋतु पूनिया, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, तहसीलदार अर्ची गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ट्रांस शारदा क्षेत्र में हुई बसपा की समीक्षा बैठक

पीलीभीत, अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष देव स्वरूप आर्य ने विधानसभा पूरनपुर के ट्रांस शारदा क्षेत्र में बैठक की। विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राजेंद्र पाल, विधानसभा क्षेत्र प्रभारी गणेश गौतम संग बूथ कमेटियों के गठन की समीक्षा की गई। सिद्धनगर सेक्टर के बूथ संख्या 132 अशोक नगर की बूथ कमेटी का गठन किया गया। इसमें रोहित कुमार को बूथ अध्यक्ष बनाया गया। मोहनलाल, परविंदर सिंह, प्रिंस बौद्ध, अर्जुन लाल भारती, गौरव भारती ,मुरली राजभर, नीरज कुमार, सुशीला, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष ने ग्राम श्रीनगर में शारदा नदी के कटान को भी देखा और मौके पर ही बाढ़ खंड के एक्सईएन को कॉल कर पीड़ितों की मदद के लिए कहा। इसके अलावा राणाप्रताप नगर, कबीरगंज, गौतम नगर, श्रीनगर, शांतिनगर, जनता फॉर्म, सिद्धनगर आदि गांवों का भ्रमण किया।

छलपूर्वक अधिवक्ता की पत्नी से लिए जेवर और रख दिए गिरवी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एक परिचित ने की घटना, एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: एक परिचित ने अधिवक्ता की पत्नी से छल करते हुए जेवरात ले लिए और फिर उन्हें एक व्यापारी के पास गिरवी डाल दिया। आरोपी ने एक माह में जेवर दोगुना करने का झांसा दिया था। इसके बाद जब अधिवक्ता ने जेवर रुपये देकर छुड़वा लिया तो उसमें भी सोने की चेन कम निकली। रकम और गायब चेन मांगने पर आरोपी ने अभद्रता कर धमकाया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

क्षेत्र के ग्राम जादमपुर नत्था निवासी एडवोकेट महेंद्र कुमार पटेल पुत्र गुलजारीलाल ने थाना बिलसंडा में दी तहरीर में बताया कि कस्बे के मोहल्ला शाखा मैदान निवासी रिषभ सक्सेना पुत्र वीरेंद्र कुमार सक्सेना का उनके घर आना जाना था। उसने पीड़ित की पत्नी सुनीता गंगवार को विश्वास में लेकर कहा कि एक माह में दोगुना जेवर करके दे देगा।

12 मार्च की दोपहर आरोपी ने घर जाकर छल करते हुए समस्त जेवरात ले लिया। जिसमें सोने का हार, कंगन, झाले, तीन अंगूठी, कुंडल चेन आदि थे। जब एक माह बाद जेवर वापस मांगे गए तो टालमटोल शुरू कर दी। कई बार कहने के बाद भी जेवर नहीं दिए। इसके बाद पत्नी ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद उनकी पुत्री अंशिक पटेल से कॉल कर आरोपी ने बताया कि उसने जेवर एक व्यापारी के पास गिरवी डाल दिया है, उसे जाकर छुड़वा लो।

बाद में रुपये व चेक दे देंगके। इस पर आठ जुलाई और दस जुलाई को आरोपी के कहने पर उन्होंने जेवर छुड़ा लिया लेकिन उसमें सोने की एक चेन अभी गायब है। न तो आरोपी ने रुपये दिए न ही चेन का पता चल सका है। 11 जुलाई को आरोपी के घर रुपये व चेन लेने गए तो उसने गाली गलौज कर मारने की धमकी दी। एसपी के आदेश पर बिलसंडा पुलिस ने आरोपी रिषभ सक्सेना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ड्रोन का वीडियो वायरल, छानबीन में जुटी पुलिस

बीसलपुर, अमृत विचार: चोरी और लूट की घटनाओं के बीच ग्रामीण अंचलों में ड्रोन का शोर मचा है। बताते हैं कि शनिवार रात करीब एक बजे ग्राम सादियां के ग्रमीणों ने लाल व हरे रंग की रोशनी देखी। इसके बाद बदमाशों द्वारा ड्रोन उड़ाने का शोर मच गया। मोहल्ला ग्यासपुर में एक युवक ने माइक से चोरों द्वारा ड्रोन उड़ाने का अनाउंसमेंट किया, जिस पर मोहल्ले के तमाम लोग जाग गए। वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इटगांव के ग्रामीणों ने भी रात्रि में दो ड्रोन उड़ते देखने का दावा किया गया। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए।

सीएचसी पर नाम की व्यवस्थाएं, प्रसव से ज्यादा रेफर हो रहीं गर्भवती

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत उजागर करती तस्वीर सीएचसी स्तर पर व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव से ज्यादा गर्भवती महिलाओं को रेफर किया जा रहा है। ऐसे में सवाल ये है कि यहां न तो पर्याप्त संसाधन हैं और न ही जरूरी चिकित्सकीय सुविधा। एक माह में 150 से अधिक महिलाओं को विभिन्न कारण बताते हुए उन्हें महिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि सीएचसी पर महिला डॉक्टरों की तैनाती का दावा किया जाता है। तमाम महिलाओं में एनीमिया और हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समस्या लगातार बढ़ रही है। ताजा आंकड़े चौंकाने वाले हैं। 898 महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं, जबकि 2629 महिलाओं को हाई रिस्क प्रेगनेंसी की श्रेणी में हैं। यह हालात न सिर्फ मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली दिखाते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों पर भी गंभीर सवाल उठाते हैं।

जनपद में नौ से अधिक सीएचसी और 21 पीएचसी संचालित हो रही है। यहां सीएचसी पर प्रसव कराने की सुविधा दी गई है। अधिकांश सीएचसी पर डॉक्टर, स्टाफ नर्स समेत विभिन्न स्टाफ भी कार्यरत है। मगर इसके बाद भी ग्रामीणों को सीएचसी पर सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। सीएचसी पर प्रसव के लिए पहुंचने वाली गर्भवती को बिना प्रसव के प्रयास किए ही उन्हें महिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। उनकी बीएसटी में विभिन्न कारण बताते हुए मरीज को एंबुलेंस से महिला अस्पताल भेज दिया जाता है। महिला अस्पताल से मिले एक माह के आंकड़े में जनपद की सीएचसी से 150 से अधिक गर्भवती को रेफर किया गया। इनमें 26 एनीमिया से ग्रसित मिली, जिनका हीमोग्लोबिन का स्तर बेहद कम मिला। अमूमन हीमोग्लोबिन का स्तर न्यूनतम 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर होना चाहिए, लेकिन जांच के दौरान गर्भवतियों में सात से पांच पाया जा रहा है, जो सिजेरियन में दिक्कत करता है। हाल में ही न्यूरिया क्षेत्र की रहने वाली गर्भवती की महिला अस्पताल में मौत हो गई थी। डॉक्टरों के अनुसार उसका हीमोग्लोबिन छह से कम था, जबकि वह सीएचसी दोपहर डेढ़ बजे भर्ती हुई थी। अगर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी थी, तो उसे शाम तक वहां क्यों रोके रखा गया था। तमाम केसों में सीएचसी पर कार्यरत डॉक्टर प्रसव को सीधे रेफर कर देते हैं। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार सीएचसी पर मूलभूत सुविधाएं होने का दावा करते हैं। इसके बाद यह हाल निकालकर सामने आ रहे हैं। पूरनपुर में महिला अस्पताल चालू होने के बाद भी पूरनपुर से केस रेफर होकर पीलीभीत मुख्यालय पर पहुंच रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार इस पहलू पर नहीं देख रहे हैं।

सीएचसी बरखेड़ा का भवन।

- मॉनिटरिंग के बाद भी महिलाओं में एनीमिया, हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समस्या

गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए हर माह की निर्धारित तिथि पर कैंप लगाया जाता है। वहां उनकी जांचें आदि की जाती है। अगर किसी महिला में हीमोग्लोबिन की कमी मिलती है, तो उसे आयरन की दवा के अलावा तमाम दवाएं मुहैया कराई जाती है। आशाओं की जिम्मेदारी है कि वह ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करें और उन्हें कैंप में लेकर पहुंचें। इसको लेकर उन्हें पुन : निर्देश दिए गए हैं। हालांकि बीते सालों की तुलना एनीमिया का ग्राफ काफी नीचे पहुंच गया है। निरंतर सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

– डॉ. आलोक कुमार, सीएमओ

तो क्यों न बढ़े एनीमिया पीड़ित की संख्या

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मातृ एवं शिशु मृत्युदर को कम करने के साथ ही गर्भवती की बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए हर माह की नौ तारीख को सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं की जांच होती है। प्रसव पूर्व जांच करके उन्हें समय पर उचित इलाज मुहैया कराने का प्रयास किया जाता है, जिससे प्रसव में समस्या न हो। यह जिम्मेदारी आशा और एएनएम की होती है। वह उन्हें संबधित स्वास्थ्य केंद्र तक लेकर जाए। इसके एवज में उन्हें मानदेय मिलता है, मगर इसके बाद भी जनपद में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी और एनीमिया मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से 20 जून तक 16874 गर्भवती महिलाएं चिह्नित की गई हैं। जांच के दौरान सामने आया कि 474 से अधिक गर्भवती एनीमिया से ग्रसित हैं। इनके अलावा 2629 हाई रिस्क श्रेणी में शामिल है। यह हाल तब है, जब शासन की ओर से महिलाओं को आयरन की गोली और टीकाकरण की सुविधा दी जा रही है, लेकिन अनदेखी के चलते यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। डॉ. हिना प्रकाश ने बताया कि गर्भवती महिलाओं में उचित खानपान से गर्भावस्था में खून की कमी दूर हो सकती है। विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाने के लिए अनार व संतरे का सेवन करें। आयरन के लिए खजूर, अंजीर, अखरोट, किशमिश और बादाम खाएं।

विदेश में बैठकर संगठन की पोस्ट पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर एक संगठन का प्रचार प्रसार करने पर दूसरे समुदाय को तीन युवकों ने भगवान श्रीराम और संगठन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। बताते हैं कि टिप्पणी करने वाला युवक वर्तमान में विदेश में है। टिप्पणी किए जाने से संगठन के कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। जिलाध्यक्ष ने माहौल खराब करने की आशंका जताते हुए टिप्पणी करने वाले पर कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि भारतीय बजरंग दल आगामी 4 अगस्त को बाइक जलाभिषेक यात्रा निकालने जा रहा है। इसको लेकर संगठन से जुड़े लोग सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों के प्रचार प्रसार करने की एक पोस्ट सोशल मीडिया पर की गई।

इस पर दूसरे समुदाय के तीन युवकों ने आपत्तिजनक टिप्पणी की। इससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गई। जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है, जिसमें युवकों पर यात्रा के दौरान माहौल खराब करने की आशंका जताई है। आरोपी शेरपुरकलां के रहने वाले हैं। बताया कि इसमें से दो युवक वर्तमान में बहरीन और सऊदी अरब में हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्रुखाबाद से जल लाकर करेंगे जलाभिषेक

घुंघचिहाई, अमृत विचार : घुंघचिहाई से रविवार को दो दर्जन से अधिक शिव भक्त फर्रुखाबाद के लिए रवाना हुए। इस मौके पर अंशु मिश्रा, विपिन, सचिन, बृजेश अवस्थी, नयन, शेखर वाजपई आदि मौजूद रहे। जल भरने के बाद वे सिरसा जंगल में स्थित बाबा इकोत्तर नाथ मंदिर पर पहुंचकर सोमवार को जलाभिषेक करेंगे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्केन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

सिटी ब्रीफ

अब सुबह 7 बजे से खुलेंगे कक्षा एक से 8 तक के विद्यालय

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : भीषण गर्मी को देखते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जिले के कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों का समय परिवर्तन किया है। अब सभी परिषदीय विद्यालय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा 08 तक संचालन का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 12 .30 बजे तक किया गया है। डीएम ने इस आदेश का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश बीएसए को दिए हैं।

कांवड़ियों के लिए विशेष भंडारे का आयोजन

भीरा। जलाभिषेक करने गोला गोकर्णनाथ जाने वाले कांवड़ियों के लिए मैलानी रोड पर विशाल विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। हलवा, पूड़ी, खीर के साथ जलेबी, छोले, चावल एवं मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया गया।

लिलौटी नाथ मंदिर में करेंगे जलाभिषेक

निघासन। रविवार को लिलौटीनाथ मंदिर के लिए रकेहटी से कांवड़ यात्रा रवाना हुई। कांवड़ियों ने ढखेरवा घाट में सरयू नदी से जल भरा। कांवड़ियों के दो जत्थे जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने रवाना हुए। कांवड़ यात्रा में मनमोहक झांकियां सजाई गई थीं। कांवड़ियों को विदा करने तमाम लोग दूर तक गए। हर हर बम बम और बोल बम जैसे भक्तिमय जयकारों से माहौल गूंजता रहा। कांवड़ियों का जगह-जगह फूल-मालाओं, तिलक व चंदन से स्वागत किया गया। कोतवाल महेश चंद्र समेत पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे।

बिसवां मेले में इस बार नहीं लगेंगे झूले

खीरी टाउन, अमृत विचार : कस्बे में लगने वाले ऐतिहासिक बिसवां मेले में इस बार झूले लगाने की अनुमति प्रशासन ने नहीं दी है। इससे दूर दराज से आए झूले वाले वापस लौट गए हैं। कस्बा खीरी में मोहर्रम के 20 दिन बाद नगर पंचायत परिसर में ऐतिहासिक बिसवां मेला लगता आया है। मेले में झूलों को लगाने की इस बार प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। इससे कस्बे के लोगों में काफी रोष है। वहीं कुछ लोगों का मानना है की अगर मेले में झूले लगने की अनुमति नहीं दी गई तो ऐसे ही धीरे-धीरे इस मेले का विलोपन हो जाएगा।

मोहम्मदी रोड पर शिविर लगाकर शर्बत देते शहरवासी। ● अमृत विचार

शिव मंदिर के पास नीलकंठ मैदान में एकत्र शिव भक्त। ● अमृत विचार

फर्रुखाबाद गंगा घाट से जल भरकर शिव मंदिर में चढ़ाने जाते कांवड़िया।

शिव भक्तों की सेवा को समर्पित छोटी काशी के वासी

शिविरों में विश्राम के साथ भोजन तो जगह-जगह शर्बत-पानी, सावन के तीसरे सोमवार को रविवार से ही उमड़ने लगे कांवड़िया

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी में स्थित पौराणिक शिव मंदिर में सावन के हर सोमवार का विशेष महत्व है। इस बार तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के लिए शनिवार की शाम से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। नगर में अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं। अनुमान है कि तीसरे सोमवार को 4 लाख से अधिक शिव भक्त जलाभिषेक करेंगे। एक ओर जहां शिव भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, वहीं दूसरी ओर सेवा भाव के कई दृश्य सामने आ रहे हैं। जगह-जगह भोजन भंडारे, जल और शरबत का वितरण कर भोले के भक्तों की सेवा में लोग तत्पर हैं।

फर्रुखाबाद गंगा तट से जल भरकर लाने वाले कांवड़ियों के विश्राम और 24 घंटे भोजन के लिए मोहम्मदी रोड पर नगर सीमा पर स्थित कंजा बाबा मंदिर में अटूट भंडारा किया जा रहा है। यह भंडारा स्वामी ज्ञानानंद शंकराचार्य भानपुरा पीठ के निर्देश पर सोनी गर्ग, गोपाल गुप्ता, ओमकार वर्मा समेत नगर के अनेक समाजसेवी लोगों के सहयोग से किया जा रहा है। कंजा बाबा मंदिर से आगे बढ़ने पर जगह-जगह पानी और शरबत के स्टाल लगाकर शिव भक्तों की सेवा की जा रही है। वहीं लखीमपुर रोड और अलीगंज रोड पर भी जगह-जगह शर्बत-पानी और भंडारे किए जा रहे हैं। शिव मंदिर के पास नीलकंठ मैदान में नगर पालिका परिषद द्वारा बनवाए गए विशाल शिविर में शिव भक्तों के विश्राम की व्यवस्था की गई है तो अग्रवाल सभा की ओर से हर रोज भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसमें संजय गर्ग, दौलत राम अग्रवाल, अनुपम शुक्ला, अतुल अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, संजोली, प्रिया, रचित समेत अनेक लोग शिव भक्तों को प्रसाद ग्रहण कराते हैं। इसके अलावा शिविर में अनेक लोग कांवड़ियों की सेवा में लगे रहते हैं। कहीं कोई शिव भक्तों के पैर दबाते नजर आता है तो कोई उनके लिए भोजन और पेयजल की व्यवस्था करता है। कांवड़ यात्रा अब केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि समाज के सहयोग और सामूहिक सेवा भावना का उत्सव बन गई है।

कंजा बाबा मंदिर के भंडारे में भोजन ग्रहण करते श्रद्धालु।

● नीलकंठ मैदान, कंजा बाबा मंदिर सहित हर सड़क पर दिखती सेवा

आकर्षण का केंद्र बनी शिवभोले की झांकियां

गोला गोकर्णनाथ। कोर्ट चौराहा सीतापुर से 19वीं बार इस साल एक हजार से अधिक कांवड़ियों का जत्था रविवार की शाम को छोटी काशी पहुंचा। जत्थे में महाकाल, बाबा बर्फानी, शिव पार्वती, भोलेनाथ, नंदी, बजरंग बली के विशाल रूप सहित नौ झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जत्थे में शामिल शिव भक्तों ने बताया कि वह पिछले 19 वर्षों से हर साल सावन में आकर्षक झांकियों के साथ कांवड़ यात्रा छोटी काशी ला रहे हैं।

सीतापुर से पहुंचे एक हजार से अधिक कांवड़ियों के जत्थे में झांकियों के साथ शामिल वाहन।

शिव भक्तों की सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर

शिवसेवक दिल्ली की शाखा छोटी काशी के कर्ताधर्ता अनिल जलोटा बताते हैं कि वह 24 घंटा शिव भक्तों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी जहां जरूरत होती है तत्काल पहुंच जाते हैं। बाबा अमरनाथ की यात्रा के बाद छोटी काशी में 18वां भंडारा तीन अगस्त को किया जाएगा।

शिव भक्तों की सेवा से मिलता है असीम सुख

कारोबारी अतुल अग्रवाल कहते हैं कि अग्रवाल सभा के दौलत राम अग्रवाल और संजय गर्ग समेत सभी लोगों के सहयोग से 8 वर्षों से शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भगवान भोले शंकर की कृपा से उन्हें कांवड़ियों की सेवा करके असीम सुख मिलता है।

रात्रि में ड्रोन उड़ने से क्षेत्र में फैली सनसनी

बिलहरी, अमृत विचार: हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांवों अजान, बगहा, कोरैया, सुहेला, देवापुर, कैमहरा, जड़ौरा, तेंदुआ, कपरहा, काजरकोरी, कैमहरी, हयातपुर सहित अन्य कई गांवों में ग्रामीणों ने बीती रात कई ड्रोन उड़ते हुए देखे। ग्रामीणों ने चोरों के भय से पूरी रात छत पर जाग कर काटी और पुलिस को सूचना दी।

ग्रामीणों का कहना है कि ड्रोन की उड़ान देखकर उन्हें चोरों के हमले का भय सताने लगा, जिससे वे पूरी रात सो नहीं पाए। ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उड़ते हुए ड्रोन देखे। पुलिस ने उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ग्रामीणों को शक है कि उड़ रहे ड्रोन चोरों द्वारा निगरानी के लिए इस्तेमाल किये जा रहे हैं। इसलिए घरों, खेतों और रास्तों पर नजर रखी जा रही है।

● ग्रामीणों ने छत पर जगाकर काटी रात

हैदराबाद थानाध्यक्ष सुनील मलिक ने बताया कि क्षेत्र में ड्रोन उड़ने की जानकारी मिली थी और उन्होंने मौके पर जाकर देखा कि आसमान में दो-चार प्लेन जैसी लाइटें जल रही थीं। उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों से भी बात की थी और बताया कि पूरे जनपद में इस तरह के ड्रोन उड़ने की जानकारी मिल रही है। फिलहाल, लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कफारा और लौखनियां में शावकों के साथ दिखाई दिया तेंदुआ

धौरहरा। वन रेंज धौरहरा के कफारा गांव के दक्षिण खेतों में और लुधौरी वन रेंज के लौखनियां गांव में शनिवार शाम तेंदुआ देखा गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी है। खेतों में पानी लगा रहे किसान सत्यप्रकाश ने बताया कि तेंदुआ कफारा लोहरीपुर गांव के बीच खेतों में तेंदुआ शावकों संग दिखाई दिया, जिसे देख उसकी सिट्टीपिट्टी गुम हो गई। वह इंजन खोल घर चला गया। वही लुधौरी वन रेंज के लौखनियां गांव में तेंदुआ नहर पटरी पर चहलकदमी करता देखा गया है। तेंदुए की आमद से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

दुधवा टाइगर रिजर्व की सभी रेंजों में शुरू हुई लॉन्ग पेट्रोलिंग

पेट्रोलिंग टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते वन्य जीव प्रतिपालक दुधवा।

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में 29 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व बाघ दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसको लेकर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। रविवार को डीटीआर उपनिदेशक जगदीश आर के निर्देश पर सभी रेंजों में 24 घंटे के लिए अभियान चलाकर लॉन्ग पेट्रोलिंग के निर्देश दिए हैं। दुधवा वार्डेन ने महावीर सिंह ने लॉन्ग पेट्रोलिंग टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शिव भक्ति से कम नहीं कांवड़ियों की सेवा

संवाददाता, बिझौली/केशवापुर

अमृत विचार: पीलीभीत-बस्ती मार्ग के करनपुर बजरंगबली के मंदिर पर जल भरकर पहुंचे कावड़ियों के लिए लगाए गए जलपान स्थल पर सेवाएं देना भी शिव भक्ति से कम नहीं है।

कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए जलपान, भंडारा स्थल करनपुर, रजागंज, केशवापुर पर शिव की पूजा-अर्चना के बाद कावड़ियों की सेवा करते हुए पुलिस कांस्टेबल अरविंद फौजी ने कहा कि सावन में शिव की कांवड़ यात्रा के महत्व के साथ ही यात्रा मार्ग में भंडारे और आश्रय की व्यवस्था शिव भक्ति से कम नहीं है। उन्होंने कहा हर साल सावन में कावड़ियों के लिए शुद्ध जल, कांवड़ियों के पैरों में पड़े छालों की दवाई की व्यवस्था करते हैं। कावड़ियों द्वारा तय की गई लंबी दूरी और भूख प्यास की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शिव भक्तों को 24 घंटे शुद्ध ठंडा जल, चाय, फल, भोजन के साथ-साथ पांवों की थकावट दूर करने के लिए गर्म पानी व प्राथमिक उपचार उपलब्ध है। ये सेवा कार्य पूरे सावन भर जारी रहेगी।

करनपुर में कांवड़ियों के पैर में मरहम लगाते अरविंद फौजी। ● अमृत विचार

● पांच साल से कांवड़ियों की सेवा कर रहे हैं अरविंद फौजी

खीरी डायरी

भंडारे का आयोजन

रजागंज। करनपुर चौराहे पर एक जलपान गृह पर दूरदराज से आए शिव भक्तों को प्रसाद वितरित किए गया। शिव की नगरी छोटी काशी गोला गोकरननाथ कांवड़ लेकर आने वाले कांवड़ियों को प्याऊ लगाकर शरबत, ठंडा पानी, पूड़ी सब्जी, बूंदी का प्रसाद दिया। भंडारे में भगवती प्रसाद कश्यप, रवी प्रकाश, शेखर सुमन, पवन शर्मा प्रधान, हरमेश सिंह, सरदार रोमिल वर्मा, आदित्य कुमार अमन वर्मा थे।

कांवड़ियों को भंडारे का प्रसाद वितरण करते पवन शर्मा, भगौती प्रसाद आदि।

कांवड़ियों को संबोधित करते पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन।

51 किलो की कावड़ के साथ छोटी काशी जाता जत्था।

डाक कावड़ नैमिष रवाना

सिंगाही। कस्बे व सिगहा कलां से रविवार को कांवड़ियों का जत्था नैमिषारण्य जल भरने के लिए रवाना हुआ। कमेटी के सरंक्षक सभासद राहूल गुप्ता व रामखेलावन वर्मा ने सभी कांवरियों अंग वस्त्र भेंट किया। पंडित उत्तम कुमार मिश्रा ने शिव मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए बम-बम भोले के जयकारे लगाए और डाक कांवड को रवाना किया। राहूल गुप्ता ने बताया कि शिव भक्त सोमवार को लौटकर सिद्ध बाबा मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान गुड्डू भंडारी, प्रमोद दिवाकर, विमल जायसवाल, मनीराम, बड़े भईया आदि थे।

151 किलो की कांवड़ लेकर छोटी काशी को किया कूच

खीरी टाउन। नगर के मोहल्ला अरनी खाना से 151 किलो की कांवड़ अपने कंधों पर उठाकर कांवड़ियों का एक जत्था छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए कूच कर गया। वह सोमवार को भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगा। इस जत्थे में करीब एक हजार कांवड़िया शामिल है। विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष लवकुश सिंह, दिलीप जोशी, विमलेश शर्मा (एडवोकेट), विक्की, अश्वनी शर्मा आदि ने ने राजापुर चौराहे तक पैदल साथ चलकर कांवड़ियों को विदा किया।

कन्या भोज के साथ भंडारे की शुरुआत

पलिया कलां। बजाज चीनी मिल ने कांवड़ियों के लिए मिल गेट पर भंडारे का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन चीनी मिल के यूनिट हेड ओपी चौहान ने किया। शुरुआत कन्या भोज के साथ कराई गई। कांवड़ियों के लिए पूड़ी सब्जी, चना हलवा एवं फल वितरण का आयोजन चीनी मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से किया गया।

बजाज चीनी मिल गेट पर भंडारे में प्रसाद ग्रहण करतीं कन्याएं व मौजूद मिल अधिकारी।

श्रीकृष्ण के मार्ग दर्शन में पांडवों ने की थी शिवलिंग की स्थापना

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : जिला मुख्यालय से महज आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थिति श्री लिलौटीनाथ शिव मंदिर अपने आप में अलौकिक और चमत्कारिक है। मान्यता है यह मंदिर महाभारत कालीन है। जिसे गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा आज भी पूजते हैं।

जिला मुख्यालय से आठ किलोमीटर दूर फूलबेहड़ क्षेत्र में एक ऐसा पौराणिक अलौकिक शिव मंदिर है जो आज भी रहस्यों से भरा है। मान्यता है कि यह शिव मंदिर महाभारत कालीन है, और इस मंदिर का निर्माण भगवान श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में अज्ञातवास के समय पांडवों ने किया था। प्राश्चित के लिए मंदिर में मौजूद इस शिव लिंग का पूजन सबसे पहले महाभारत के आखिरी कौरव सेनापति गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा जिन्हें अमरत्व प्राप्त है, वह प्रतिदिन मंदिर में सबसे पहले पूजा करते हैं। मंदिर के महंत पुजारी अमित गिरि बताते हैं, श्रृंगार आरती के बाद मंदिर में रात को ताला डाल दिया जाता है। जब मंदिर सुबह पूजन के लिए खुलता है तो शिवलिंग पूजित मिलता है। महाभारत कालीन मंदिर का जीर्णोद्धार महेवा स्टेट के राजाओं ने कराया था।

● मान्यता है गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा करते हैं प्रतिदिन पूजा

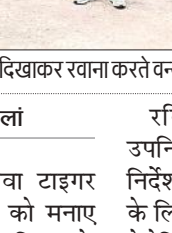

महंत अमित गिरि।

पौराणिक श्री लिलौटीनाथ मंदिर में शिवलिंग।

लिलौटी नाथ शिवलिंग में ही है पार्वती की उभरी आकृति

श्री लिलौटी नाथ धाम शिव मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इस शिवलिंग पर एक आकृति उभरी हुई है, जो माता पार्वती जी का स्वरूप माना जाता है। श्रद्धालु इस शिवलिंग का जलाभिषेक कर एक साथ गौरीशंकर का पूजन करते हैं। वैसे तो प्रति दिन शिव मंदिर में श्रद्धालु आते हैं पर सावन में यहां मेला लगता है मंदिर विशेष रूप से सजाया जाता है।

दिन में तीन रंग बदलता है शिवलिंग

कंडवा और जुनई नदी के उद्गम के बीच मौजूद श्री लिलौटी नाथ धाम मंदिर में मौजूद शिवलिंग दिन में तीन बार अपना रंग बदलता है, मंदिर के महंत अमित गिरि और अंकित गिरि के मुताबिक सुबह शिव लिंग काला, दोपहर भूरा और रात्रि में आंशिक सफेद दिखाई देता है। यह परिवर्तन समय चक्र कहलाता है जो इस शिवलिंग को अपने आप में विशेष बनाता है।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

आवश्यकता है
● नर्स (Male/Female) (ANM/GNM) ● OT टेक्निशियन
● आयुर्वेदिक परिचारिका ● कम्प्यूटर ऑपरेटर
● वार्ड ब्वॉय ● स्टोर इंचार्ज ● कैंटीन कुक
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

खीरी

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक
30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता
महिला या पुरूष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant
महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज
जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)

डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist
पुरुषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।
पुरुषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज
निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा
सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

7924 ने छोड़ी आरओ-एआरओ परीक्षा

डीएम-एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण, प्रशासन रहा मुस्तैद, जिले के 36 केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में रविवार को आरओ-एआरओ की परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हो गई। परीक्षा में 14849 अभ्यर्थियों में से 6925 अभ्यर्थी ही शामिल हुए। आधे से अधिक यानी 7924 अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए केंद्रों पर पहुंचे। डीएम और एसपी ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और सतर्क दृष्टि रखी।

जिले में आरओ-एआरओ की परीक्षा के लिए 36 केंद्र बनाए गए थे। इनमें 14849 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 6925 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 7924 अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा सम्पन्न हुई। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की कोई सूचना नहीं मिली।

कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों को देखतीं डीएम और एसपी। ● अमृत विचार

परीक्षा केंद्र के निरीक्षण को जातीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा।

हर केंद्र पर मजिस्ट्रेट तैनात, आयोग से भी निगरानी

परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने हेतु 36 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 36 स्टैटिक मजिस्ट्रेट प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर तैनात किए गए थे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से नामित समन्वयी पर्यवेक्षकों ने भी केंद्रों की सतत निगरानी की। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर परीक्षा केंद्र केन गोवर्स कॉलेज, पब्लिक इंटर कॉलेज, गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज आदि केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र के अधिकारियों को परीक्षा के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

परीक्षा के दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा स्वयं मॉनिटरिंग

● जीजीआईसी, डॉन बॉस्को स्कूल समेत कई केंद्रों पर पहुंचे डीएम-एसपी

मोड में रहे। दोनों अधिकारियों ने जीजीआईसी, डॉन बॉस्को स्कूल, अजमानी इंटरनेशनल स्कूल समेत कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

● केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेटों से ली व्यवस्थाओं की जानकारी

केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डीएम ने निर्देश दिए कि आयोग के दिशा-निर्देशों का हर हाल में अनुपालन हो। परीक्षार्थियों को शांत, सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण मिले। एसपी ने पुलिस बल को सतर्क और संवेदनशील रहने के निर्देश दिए।

झोलाछाप के क्लीनिकों पर चस्पा किया नोटिस

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचारः सीएचसी अधीक्षक की सख्ती से बिना डिग्री के क्लीनिक चला रहे चिकित्सकों में हड़कंप मच गया। ताबड़तोड़ छापे से घबराए झोलाछाप क्लीनिक छोड़कर गायब हो गए। टीम ने क्लीनिक पर नोटिस चस्पा कर तीन दिन के अंदर शैक्षिक योग्यता के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

सीएचसी अधीक्षक बांकेगंज अमित सिंह के निर्देश पर छह झोलाछापों के प्रतिष्ठानों पर सीएचसी की टीम पहुंची। टीम में डॉ. धनंजय यादव, फार्मासिस्ट अनूप पांडे, शादाब आलम, एनएमएस मोहम्मद अली तथा वार्डबाय अवधेश कुमार शामिल थे। टीम की छापेमारी से झोलाछापों में हड़कंप मच गया।

गांव खंजनपुर के झोलाछाप चिकित्सक धीरज यादव, भूपेंद्र यादव, अभिषेक यादव, ग्राम जटपुरा के राकेश कुमार, ग्राम सुनहरा भूड़ के मुस्तकीम अंसारी सोनू के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

बांकेगंज क्षेत्र में झोलाछाप के क्लीनिक पर नोटिस चस्पा करती सीएचसी की टीम।

तारों में स्पार्किंग से कई घंटे बाधित रही बिजली

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : शनिवार देर शाम शुरू हुई हल्की वर्षा के बीच नगर की मेन मार्केट में अचानक विद्युत तारों में स्पार्किंग शुरू हो गई। जिससे काफी देर तक तारों में फुलझड़ियां छुटतीं रहीं। इसके बाद बाधित हुई विद्युत आपूर्ति कई घंटे बाद सुचारू हो सकी।

पलिया नगर व क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था इन दिनों बेहद खराब चल रही है। कहीं ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं, तो कहीं तारों में स्पार्किंग होकर वे नीचे झूलते नजर आते हैं। इससे सड़ी गर्मी में उपभोक्ता बेहद परेशान हैं। स्थानीय विद्युत अधिकारियों पर उपभोक्ताओं के ज्ञापन एवं प्रदर्शन का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। शनिवार देर शाम करीब 9:30 बजे शुरू हुई रिमझिम बरसात के बीच नगर की मेला रोड पर स्थित श्याम क्लॉथ हाउस के निकट विद्युत तारों में तेजी से स्पार्किंग शुरू हो गई, जो देर तक दिवाली में फुलझड़ियों का नजारा पेश करती रही। इसके बाद यहां के विद्युत तार हवा में झूलने लगे और मेला रोड से लेकर भुर्जी चौक तक की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई।

स्पार्किंग के तारों से निकलती फुलझड़ियां। ● अमृत विचार

देखते ही देखते बाजार में घूम रहे लोग व निकट के दुकानदार ठिठक गए और वाहनों के पहिए जहां के तहां रुक गए। लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सूचना दी और इसके बाद इस मार्केट की बिजली काट दी गई। इससे यहां बाजार सहित निकटस्थ मोहल्लों के विद्युत उपभोक्ता घंटों परेशान हुए।

बाघ ने बकरी और छुट्टा पशु को बनाया निवाला

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचारः बीती रात मैलानी वन क्षेत्र की जटपुरा बीट के अंतर्गत राजनगर गांव में बाघ ने हमला कर एक बकरी और एक छुट्टा गाय को मार दिया। तीसरा हमला गांव के बाहर एक पड़िया पर किया परन्तु वह बच गई। उसके शरीर पर पंजे की खरोंच आई।

राजनगर गांव निवासी रामनरेश की बकरी घर के बहार बंधी थी। रात करीब 11 बजे बाघ ने बकरी पर हमला कर घर से गन्ने के खेत में खींच ले गया। सुबह गन्ने के खेत में उसका अधखाया शव मिला। गांव के बाहर दूसरा हमला छुट्टा गाय पर किया और उसे मार दिया। घटनाओं से ग्रामीण भयभीत है। वन विभाग द्वारा मैलानी वन क्षेत्र गोला में लगे कैमरे की जद तथा पिंजरे में न जाकर

राजनगर में ग्रामीणों से जानकारी करते वनकर्मी। ● अमृत विचार

बाघ आए दिन आसपास के क्षेत्र के अन्य गांवों मे पहुंचकर बराबर हमला कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों का खेतों से लेकर गांव तक जीना दुश्वार हो रहा है। बाघ को पकड़ने की वन विभाग की सारी योजनाएं फेल होती हुई नजर आ रही है।

हर घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों को वन विभाग के कर्मचारी अधिकारी समझा कर शांत कराते नजर आते हैं। ग्रामीणों को कुछ समझ में नहीं आ रहा कि वह खेती किसानी कैसे करें। वन दरोगा राजाराम तिवारी ने घटना की पुष्टि की है। मैलानी वन रेंज की महुरेना बीट के जोखेपुर गांव के पास भी खेत में बाघ के पदचिन्ह दिखाई दिए, जिससे ग्रामीण भयभीत हो गए।

मजदूरों ने देखे बाघ के पगचिह्न

बिझौली, अमृत विचार : रविवार को सुबह गोला कोतवाली व महेशपुर रेंज की बिलहरी बीट के गांव बिझौली के पास बाघ ने दस्तक दी। मजदूरों को खेत के आसपास बाघ के पगचिह्न मिले। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग का कोई भी अधिकारी व कर्मचारी मौके पर नही पहुंचा, जिससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीण चंदन सिंह, काजू, हरिबंश, रामकुमार सिंह ने बताया कि दो माह से बाघ गांव के आसपास देखा जा रहा है। उसके पगचिह्न भी दिख रहे हैं लेकिन वन विभाग कुम्भकरणी नींद सो रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि जब तक बाघ किसी को अपना शिकार न बना ले तब तक कोई भी वन विभाग का कर्मचारी मौके पर नही आएंगे।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

विधायक-पालिकाध्यक्ष ने सुनी मन की बात

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः मैलानी मंडल के शक्ति केंद्र लाल्हापुर में विधायक अमन गिरि ने मंडल के पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायी मन की बात सुनी। विधायक श्री गिरि ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल जनभावनाओं को जोड़ने वाला है, बल्कि देशहित में जनभागीदारी को भी सशक्त करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 124वें मन की बात नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अपने बूथ 206 पर कार्यकर्ताओं के साथ सुनी। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि शुभांशु के धरती पर सुरक्षित उतरते ही लोग खुशी से झूम उठे। हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया। देश में स्पेस स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज स्पेस सेक्टर में 200 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। देश हर साल सात अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाता है। इस साल राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के 10 साल पूरे हो रहे हैं।

भारत सरकार ने इस साल के बजट में ज्ञान भारतम मिशन नामक एक ऐतिहासिक पहल की घोषणा की है। इस मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान के पिछले 11 वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन एक जन आंदोलन बन गया है। लोग इसे अपना कर्तव्य मानते हैं और यही वास्तविक जनभागीदारी है। इस दौरान सुरजन लाल वर्मा, विनोद स्वर्णकार, धीरज बाजपेयी, विजय मिश्रा, विकास मिश्रा, प्रभात गुप्ता, मनोज बाथम, रवि प्रजापति, सोनू त्रिवेदी, प्रदीप खतौलिया आदि रहे।

लाल्हापुर शक्ति केंद्र पर प्रधानमंत्री के मन की बात सुनते विधायक अमन गिरि।

कांग्रेसियों ने कैंडिल जलाकर शहीदों को किया नमन

गो ला में वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर कैंडिल जलाते कांग्रसी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः कारगिल शहीद दिवस पर देर रात कांग्रेस पार्टी द्वारा वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश के सभी वीर शहीदों को नमन किया गया।

पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रह्लाद पटेल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने शहीद वीर अब्दुल हमीद को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वीर अब्दुल हमीद के बलिदान को हमेशा याद रखेगी। कार्यक्रम में प्रेम वर्मा, पप्पू बाजपेयी, रामकुमार वर्मा, सतीशचंद मिश्रा, अनिल शुक्ला, इकबाल अहमद, बहाव अंसारी, राहुल वर्मा, शकील अहमद, इमरान अहमद, पंकज पटेल, फकीर मोहम्मद आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

महाराजा अग्रसेन महिला समिति ने मनाई हरियाली तीज

फीकी हो रही सावन की उमंग, बच्चों में दिखा जोश

प्रतिभा दिखाने को तैयार महाराजा अग्रसेन महिला समिति की पदाधिकारी व सदस्य।

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचार : महाराजा अग्रसेन महिला समिति ने स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला सभागार में हरियाली तीज महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। झूला झूलकर कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें गायन, नृत्य फैंसी ड्रेस , क्वीज एवं तीज क्वीन प्रतियोगिताएं रहीं।

कार्यक्रम का आरंभ गोला गोकर्णनाथ नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने समिति अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के बाद सामूहिक सांग स्पेशल से हुई।

अग्रवाल समाज के पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी कई महिलाओं एवं बालिकाओं ने एक- एक कर तीज स्पेशल गीत एवं डांस प्रस्तुत कर मौजूद महिलाओं की प्रशंसा पाई और उन्हें ताली बजाने को विवश किया। संगीत, नृत्य ,खेल एवं श्रृंगार के हरियाली उत्सव में समिति की महामंत्री रीता गर्ग, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल सहित इंदिरा बंसल, पुष्पा सिंघल, रेखा गोयल, सविता गर्ग, अंजु गोयल, संजू गर्ग, प्रमिला अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल सोनी, मंजू जिंदल, सीमा गर्ग, मंटो गर्ग, निशा अग्रवाल, सविता गर्ग, मोनिका आदि ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महाराजा अग्रसेन युवक समिति पलिया के अध्यक्ष सतीश अग्रवाल इस मौके पर व्यवस्था में जुटे रहे।

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचारः तेज रफ्तार जिंदगी ने भले ही त्योहारों को केवल परंपराओं तक सीमित कर औपचारिक बना दिया है, लेकिन युवाओं व बच्चों में त्योहार का उल्लास दिखाई देता है।

सावन में हर ओर फैली हरियाली और रिमझिम बारिश जीवन में रंग भर देती है। कभी घर के आंगन में लगे नीम के पेड़ या बागों में आम की डाल पर पड़े झूले पर नव युवतियां पैंग बढ़ाते हुए अपनी उमंग की बुलंदियों को छूने की कोशिश करती थीं। उनके सावन गीतों में प्रकृति के प्रति प्रेम और लगाव झलकता था। समय के साथ आज सावन की उमंग फीकी हो रही है। सावन में नवविवाहिताएं मायके जाने के इंतजार में रहती थीं, जो सखी-सहेलियों के साथ झूले पर सुख-दुःख और अनुभव आपस में बांटती थीं। आज न तो गांव में झूले दिखते हैं न ही सावन के गीत सुनाई देते हैं। फिर भी गांवों में परंपरा अभी जिंदा है। क्षेत्र के गांव ताजपुर सहित कई जगहों पर झूले पड़े हैं, जिन पर युवा टोली और बच्चे पैंग बढ़ाकर त्योहार का आनंद ले रहे हैं।

ताजपुर गांव में झूला झूलते बच्चे।

परंपरागत ढंग से मनाई हरियाली तीज

मूड़ा सवारान। रविवार को हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने घर में पकवान बनाकर पूजा अर्चना की। वहीं सावन के गीतों के साथ झूला झूलकर भरपूर आनंद लिया। नव विवाहिताओं ने पकवान से गोरी माता की पूजा-अर्चना के साथ घर में बुजुर्ग महिलाओं को दीज का सामान देकर आशीष लिया। सुबह से बाजार में महिलाओं की भीड़ रही। सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों से महिलाओं ने श्रृंगार सामग्री खरीदी इसके अलावा साड़ी और ज्वैलरी व मिठाई की दुकानों पर भी भीड़ रही।

काउंसलरों ने छह दंपतियों का कराया समझौता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: परिवार परामर्श केंद्र पर रविवार को महिला थानाध्यक्ष श्रद्धा सिंह की मौजूदगी में पारिवारिक विवादों के 11 मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें से काउंसलरों ने दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह समझौता कराने के बाद छह परिवारों को टूटने से बचाया और सभी जोड़ों की हंसी खुशी के साथ उनकी विदाई कराई।

काउंसलर कुसुम गुप्ता, नीति गुप्ता, कय्यूम जरवानी व किरन अग्रवाल ने दहेज की मांग, घरेलू हिंसा उत्पीड़न, साझी गृहस्थी में निवास को लेकर उत्पन्न होने वाले विवादों के 11 मामलों की सुनवाई थी. इनमें से 06 जोड़े पति-पत्नी की विदाई कराई गई है। पांच मामलों में दंपती के बीच अत्यधिक मनमुटाव था। इसलिए उन्हें सोचने समझने के लिए दोनों पक्षों की सहमति से समय दिया गया है। इस दौरान महिला आरक्षी सारिका चौहान, बबली पवार भी मौजूद रहीं।

सिटी ब्रीफ

दो खोखों का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शनिवार की रात चोरों ने ओयल स्टेशन रोड पर कांशीराम आवास के पास रखे विक्रम सिंह समेत दो लोगों के खोखों का ताला तोड़ दिया और उसमें रखा हजारों का सामान चोरी कर लिया। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज पटेल राठी उस समय भड़क गए जब कुछ लोग निरीक्षण करते उनकी वीडियो बनानी शुरू कर दी। इस पर उन्होंने काफी भला-बुरा कहा। आरोप है कि चौकी इंचार्ज ने अपने हिसाब से मन माफिक तहरीर ली है। बताया जाता है कि इससे पहले भी इन खोखों में तीन बार चोरी हो चुकी है।

बाग में फंदे से लटका मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फरधान क्षेत्र के गांव कोरारा निवासी समलिया प्रसाद के पुत्र प्रहलाद (22) का शव गांव के बाहर स्थित बाग में फंदे से लटका बरामद हुआ है। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कैंप में 1.40 लाख रुपये की बकाया वसूली

मझगईं, अमृत विचार : कस्बा बम्हनपुर में बकाया बिल वसूली कैंप लगाया गया, जिसमें 1,40,000 की बकाया वसूली हुई। बिजली विभाग की ओर से पहले ही चेतावनी दी गई थी कि जिन उपभोक्ताओं का 5000 या उससे अधिक बकाया है, उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे। इस पर 60 उपभोक्ताओं में शिविर में पहुंचकर अपना बकाया जमा किया।

ट्राली से गिरकर कांवड़िए की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के जंगल के पास फर्रुखाबाद से जलभकर गोला गोकर्णनाथ आ रहे कांवरियों की ट्राली से गिरकर एक किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हरदोई जिले थाना शाहाबाद क्षेत्र के गांव रामपुर हृदय निवासी रामू का 16 वर्षीय बेटा आशुतोष फर्रुखाबाद से कांवड़ में जल भकर गोला गोकर्णनाथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने आ रहा था। बताते हैं मोहम्मदी जंगल के आगे शनिवार की देर रात वह अचानक ट्राली से गिर गया। हादसे में आशुतोष की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ट्रॉली से कुचलकर कांवड़िया की मौत, 3 घायल

रजागंज के पास हाईवे के किनारे आराम कर रहे थे सभी, गुल्ला टूटने से हुआ हादसा

संवाददाता, रजागंज

अमृत विचार: पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर शनिवार देर रात कांवड़ लेकर छोटी काशी जा रहे ट्रैक्टर में जुड़ी डबल ट्राली में पीछे की ट्रॉली का गुल्ला टूट गया। इससे अनियंत्रित होकर ट्रॉली रजागंज में हाईवे के किनारे आराम कर रहे कांवड़ियों के ऊपर चढ़ गई। हादसे में एक कांवड़िया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके भाई समेत तीन कांवड़िया घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक की हालत गंभीर बनी है।

अरुण शुक्ला।

घर पर रोती-बिलखती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

थाना पढुआ के गांव लखाही से कांवड़ लेकर छोटी काशी गोला जा रहे कांवड़िया शनिवार की रात 11 बजे गोला कोतवाली क्षेत्र के कस्बा रजागंज के निकट

● तीनों घायल अस्पताल में भर्ती, एक की हालत गंभीर

पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर नीरज पान भंडार के सामने आराम कर रहे थे। इस बीच पीछे से आ रहे दूसरे कांवड़ियों के ट्रैक्टर में डबल ट्रॉली जुड़ी थी, जिसमें पीछे की ट्रॉली का अचानक ही गुल्ला टूट गया। इससे ट्रॉली अनियंत्रित होकर आराम कर रहे कांवड़ियों के ऊपर चढ़ गई। हादसे में गांव लखाही निवासी कांवड़िया अरुण शुक्ला (23) पुत्र श्रीकांत शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई अनुज शुक्ला, आयुष मिश्रा पुत्र लक्ष्मीकांत मिश्रा और हिमांशु मिश्रा पुत्र रमाकांत मिश्रा घायल हो गए। हादसे से गुस्साए कांवड़ियों ने हाईवे जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से कांवड़ियों को समझाकर शांत कराया। करीब एक घंटे बाद जाम खुल सका। पुलिस ने घायल कांवड़ियों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां कांवड़िया आयुष मिश्रा की हालत गंभीर है।

कांवड़ियों की मौत से परिवार में मचा कोहराम

कांवड़िया अरुण शुक्ला की मौत की खबर जब उसके परिवार वालों को मिली तो परिजनों में कोहराम मच गया। अचानक चीख पुकार मचने पर आसपास के लोग मृतक के घर पहुंच गए। मौत की जानकारी जब गांव वालों को हुई तो लोग अवाक रह गए। परिजन और तमाम ग्रामीण रात में ही घटना स्थल पर पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद शाम को शव जब घर लाया गया तो परिजनों का करुण क्रंदन देख सभी की आंखें नम हो गईं। परिवार वालों ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा।

अंधेरे की वजह से हुआ हादसा

ग्रामीण राजकिशोर सिंह, सोभित मिश्रा, सुरेश कुमार आदि ने बताया कि रजागंज करनपुर क्षेत्र में कांवड़ियों का रात्रि में अधिक संख्या में विश्राम होता है। शनिवार की शाम बिजली लाइन खराब हो गई थी, जेई व लाइनमैन को ठीक करने के लिए कई बार फोन किया गया, लेकिन कोई बिजली कर्मी नहीं आया। न ही लाइन ठीक कराई गई। यदि उजाला होता तो शायद इस घटना में कांवड़िया की जान नहीं जाती। हादसे के बाद से ग्रामीणों में बिजली कर्मियों के प्रति रोष है। एसडीओ गोला अजय यादव ने बताया कि लाइनमैन समेत कर्मचारियों को मौके पर भेजकर लाइन ठीक करवा दी है। यदि जेई की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई की जाएगी।

कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, युवक घायल

खमरिया। थाना क्षेत्र के जेठरा गांव निवासी मोबीन ने पुलिस बताया कि उसका बेटा ई रिक्शा से खमरिया जा रहा था। तभी हाईवे पर मारुति कार चालक ने सामने से ई रिक्शा में टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा में सवार उनका बेटा दिलशाद (23) घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी खमरिया भेजा, जहां इलाज चल रहा है।

मैजिक चालकों के बीच चले लाठी-डंडे, कई घायल

संवाददाता, बेलरायां

● सवारियों को बैठाने को लेकर हुआ था विवाद

अमृत विचार: कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित गांव मुजहा में सवारियों को लेकर मैजिक चालकों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के कई लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर लाठी-डंडों के साथ लोहे की रॉडों से हमला कर दिया। इसमें कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने क्रास रिपोर्ट दर्ज कर सभी घायलों को अस्पताल भेजा है।

गांव इंदरनगर निवासी बिशनू ने बताया कि शनिवार शाम तीन बजे वह मैजिक में तिकुनिया बाजार से सवारियां बैठाकर खकरौला घाट जा रहा था। मुजहा गांव के पास गांव बरसोला कलां निवासी राम सिंह, राहुल, दाराबोझी निवासी लाडी, गोरा, सुथना बरसोला निवासी बबलू खान, सुशील, इंदरनगर निवासी सोनू निषाद, अतीक लाठी-डंडे और लोहे की रॉड लेकर आ गए और उसे घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए पिटाई कर दी। बीच बचाव करने आए गुरविंदर सिंह व काका को हमलावरों ने मारापीटा। उधर, सुथना बरसोला निवासी अतीक अहमद का कहना है कि वह तिकुनिया कस्बा निवासी अपने साथी रवि, सुशील व सोहेल तिकुनिया रेलवे स्टेशन पर सवारियां लेने गया था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले बिशनू उसका नंबर काटकर अपनी मैजिक में सवारिया भरकर चला गया। इसकी जानकारी होने पर उसका पीछा किया तो मुजहा गांव के बाहर आम की बगिया में पहले से घात लगाए बैठे बिशनू, गिन्दा, काका, सुरेन्द्र, भोला ने चार-पांच अन्य लोगों के साथ लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से जमकर मारापीटा। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने एक-दूसरे पक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया है।

कृषि वैज्ञानिकों ने गन्ने खेती करने की दी जानकारी

संवाददाता, धौरहरा

● मुख्यमंत्री गन्ना कृषक प्रशिक्षण एवं कृषक गोष्ठी आयोजित

अमृत विचार: गन्ना विकास परिषद ऐरा व गोविंद शुगर मिल के तत्वाधान में मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष निःशुल्क प्रशिक्षण एवं कृषक गोष्ठी आयोजित की गई। कृषि वैज्ञानिकों ने गन्ने की उन्नत खेती कम लागत में कैसे करें, इसकी जानकारी किसानों को दी।

मास्टर ट्रेनर अरुण कुमार चतुर्वेदी ने प्रतिभा कृषकों को मृदा शोध बीज शोधन तथा गन्ना फसल में आवश्यक उर्वरक व दवाइयां के बारे में बताया। कृषकों को ट्राइकोडर्मा का अधिक से अधिक प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ट्राइकोडर्मा मिट्टी जनित रोगों के नियंत्रण करने के साथ-साथ पौधों की वृद्धि को भी बढ़ावा देता है।

मास्टर ट्रेनर उदयभान ने कहा कि किसान गन्ना उपज व चीनी परता में बढ़ोत्तरी के लिए उन्नति किस्म के बीजों को शोधित कर खेतों में बुआई करें।

किसानों को सलाह दी कि वह को-0238 प्रजाति के गन्ना का विस्थापन ट्रेंच विधि से गन्ने का आगे वाला भाग सिंगल बट से बुवाई,आवश्यक पोषक तत्वों के साथ फसल सुरक्षा फसल चक्र अपनाते हुए कर सकते हैं। इसके अलावा फार्म मशीनरी बैंक, समिति के गोदाम पर उपलब्ध कृषि निवेशों के बारे में बताया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से अजय कुमार मिश्रा, बाबूराम ,राजेंद्र प्रसाद, विनोद आदि उपस्थित रहे।

अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण उपभोक्ता परेशान

रोशननगर, अमृत विचार: हैदराबाद फीडर से संबंद्ध रोशननगर क्षेत्र के दर्जनों गांव की बिजली कटौती धड़ल्ले की जाती है, जिससे उपभोक्ता परेशान हैं।

प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्र को 18 घंटे बिजली आपूर्ति करने का दावा कर रही है। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों की उदासीनता से दिन और रात में ट्रिपिंग की जाती है।

शाम को जब उपभोक्ताओं को खाना खाने का वक्त आता है तब अक्सर बिजली कटौती तीन चार घंटे की जाती है। अघोषित कटौती से बिजली उपकरण कूलर, पंखा, मोटर, फ्रिज आदि शो पीस बने हुए हैं। भीषण गर्मी से छोटे बच्चों से लेकर युवा, बुजुर्ग बिजली कटौती में गर्मी से बेहाल हैं। हैदराबाद जेई सतेंद्र कुमार बताया ने कि रोस्टिंग, लोकल फाल्ट में कटौती की जाती है

कब शुरू होगा छेदुईपतिया का राजकीय इंटर कॉलेज

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: निघासन विकास खंड की ग्राम पंचायत छेदुई पतिया में राजकीय इंटर कॉलेज का भवन बनकर करीब 10 महीने से तैयार है। इस साल प्रवेश प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन भवन के हैंडओवर न होने से कॉलेज का लाभ छात्र-छात्राओं को नहीं मिल पा रहा है।

ग्राम पंचायत छेदुई पतिया और आसपास कोई इंटर कॉलेज न होने से ग्रामीण अपने बच्चों को निघासन, पलिया आदि दूर दराज जगहों पर इंटर कॉलेज में पढ़ने के लिए भेजते थे। जिससे ग्रामीण क्षेत्र से पढ़ने वाले बच्चों का अक्सर देरी से कॉलेज पहुंचना व सुबह निकलना शाम को वापस आने में कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता था। वहीं छेदुई पतिया में राजकीय इंटर कॉलेज बनने से बच्चों को उम्मीद जगी कि अब उन्हें 10 से अधिक

गांव छेदुई पतिया में बनकर तैयार राजकीय इंटर कॉलेज का भवन। ● अमृत विचार

● भवन बनकर तैयार, लेकिन विभाग को नहीं हो सका हैंडओवर

किलोमीटर दूर पढ़ने नहीं जाना पढ़ेगा।

वही अभिभावकों को उम्मीद थी कि छेदुई पतिया में बनकर तैयार हुए राजकीय इंटर कॉलेज में इस वर्ष अपने बच्चों का एडमिशन कराएंगे, लेकिन उनके सपनों पर ग्रहण लग रहा है। कॉलेज की बिल्डिंग तो बनकर तैयार हो गई है, लेकिन इंटरमीडिएट में अभी तक एडमिशन की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है, जिससे अभी कॉलेज में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी।

जिससे क्षेत्र के हाई स्कूल उत्तीर्ण बच्चे अब भी गांव में बने राजकीय इंटर कॉलेज में एडमिशन नहीं करवा सके हैं। अगर एडमिशन शुरू हो जाते तो बच्चों को गांव में ही शिक्षा प्राप्त हो पाती, अब इंटर कॉलेज अगर शुरू न हुआ तो बच्चों को करीब 10 से 20 किलोमीटर की दूरी पर एडमिशन कराना पड़ेगा, जिससे आने-जाने में असुविधा होती है।

बिल्डिंग तो तैयार हो गई, लेकिन बच्चे यही रास्ता देख रहे हैं कि एडमिशन कब शुरू हों और शिक्षा प्राप्त की जा सके।

ग्रामीणों का कहना है अगर जो छेदुई पतिया में बने राजकीय इंटर कॉलेज में पढ़ाई शुरू हो जाती तो बच्चों को दूर जाना नहीं पड़ता। खासकर लड़कियों को काफी सहूलियत मिल जाती। जिससे अब ग्रामीणों को एक उम्मीद जगी थी कि गांव में इंटर कॉलेज होने से बच्चों को सुविधा मिलेगी, लेकिन अभी इंटरमीडिएट के एडमिशन की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रधानाचार्य सोनी ने बताया कि कॉलेज बनकर तैयार है। हैंडओवर न होने के कारण एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। डीआईओएस को पत्र लिखा गया है।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ रुद्र महायज्ञ

कलशयात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: पसगवां में राम-जानकी मंदिर अस्तल में श्रीरूद्र महायज्ञ एवं शिव पुराण का शुभारंभ कलश पूजन एवं कलश यात्रा के साथ हुआ। पूजन यज्ञाचार्य पंडित अतुल शुक्ला शास्त्री और पंडित आरटी शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया । कलश पूजन मुख्य यजमान अरविंद तिवारी के अलावा अतुल मिश्रा , मदन मोहन पाण्डेय, मनोज मिश्र, दुर्गेश शुक्ला, नरेंद्र तिवारी ने सपत्नीक किया। कलश यात्रा राम-जानकी मंदिर से शुरू हो कर शारदा नहर पुल तक गई। शारदा नहर में कलश भरकर यज्ञशाला में लाकर स्थापित किया। कलश यात्रा में सैकड़ों स्त्री पुरुष बच्चा श्रद्धालुओं ने देवी देवताओं के जयकारे लगाए। कलश यात्रा में संजू शुक्ला, सीमा पाण्डेय, नेहा तिवारी, रितु शुक्ला मोहित मिश्रा, अरविंद शुक्ला मुन्ना, धीरज, राजीव, राजमंगल गुप्ता, संजय खरे, सुरेश वैश्य आदि मौजूद रहे।

कांवड़ियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

केशवापुर, अमृत विचार: गोला नगर में लाखों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ियों का आने का सिलसिला लगातार जारी है तो दूसरी ओर प्रशासन की लचर व्यवस्था भी सामने आई है। गोला थाना क्षेत्र में पड़ने वाले लगभग पूरे क्षेत्र में एक भी पुलिस चौकी नहीं है न ही पुलिसकर्मियों द्वारा पर्याप्त गस्त की जाती है, जिस कारण लाखों लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लाखों कावड़ियों के आने व उनकी सुरक्षा व्यवस्था की योजनाओं पर जिले के आला अफसरों ने महीनों बैठकें की लेकिन कोई ठोस उपाय नहीं कर सके। रेलवे क्रासिंग से लेकर रजागंज तक कोई भी पुलिसकर्मी तैनात नही दिखा। दोपहर 12 बजे केशवापुर में थाना हैदराबाद पुलिस द्वारा बनाई गई चौकी पर एक होमगार्ड के साथ दो चौकीदार सुरक्षा में तैनात दिखे। नेशनल हाइवे पर कांवड़ियों की काफी भीड़ के बावजूद प्राइवेट भारी वाहन मार्ग से गुजरते दिखे। भारी भीड़ में बड़े वाहनों के आवागमन से कांवड़ियों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।

जिला बदर अपराधी ने पड़ोसी पर किया हमला

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: धौरहरा कोतवाली की पुलिस चौकी कफारा के गांव गुलरीपुरवा निवासी जिला बदर अपराधी ने दहशत फैलाने की मंशा से अपने साथियों के साथ पड़ोसी के घर घुस गया और वहां बैठे बुजुर्ग की डंडों से पिटाई कर सिर फोड़ दिया। बीच बचाव करने पहुंची घर की महिलाओं और बच्चों को भी जमकर मारापीटा। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है।

कफारा पुलिस चौकी क्षेत्र में अपराधी निरंकुश होते जा रहे हैं। गुलरीपुरवा गांव निवासी राम प्रसाद ने बताया कि उसके गांव का जिला बदर अपराधी धीरज यादव अपने भाई देशराज व राजेश व रामू के साथ शनिवार शाम उसके घर में घुस आए। आरोपियों के हाथों में बांका, गड़ासा, लाठी आदि थे। आरोपी गाली गलौज और मारपीट करने लगे। बीचबचाव करने भतीजा दिलेराम और घर की महिलाएं आईं तो उन्हें भी मारापीटा। आरोपियों ने सिर पर धारदार हथियार मार दिया, जिससे सिर फट गया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने बताया कि घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मेड़ तोड़ने के विरोध पर किसान को पीटा

धौरहरा। कोतवाली क्षेत्र के भटपुरवा गांव निवासी किसान बृजमोहन पुत्र गोकरन ने बताया कि एसडीएम के आदेश पर पुलिस बल की मौजूदगी में मेरे खेत की पैमाइश हुई थी। राजस्व और पुलिस टीम जब मेंड़बंदी कराने के बाद वापस चली गई तो आरोपी चुन्नू लाल, सुरेश कुमार, रमेश कुमार निवासी बिंजहा ने जबरन मेड़ तोड़ दी, जब विरोध किया तो मारापीटा, जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ठकुरनपुरवा में नकदी समेत एक लाख के जेवर चोरी

धौरहरा, अमृत विचार: गांव ठकुरनपुरवा मजरा देवीपुरवा निवासी सतनाम पुत्र मुन्नू लाल ने बताया कि उसके घर में बीती रात चोर घुस आए और बक्से में रखे 20 हजार रुपये और मंगलसूत्र, मटर माला, नथुनी, पायल और अंगूठी समेत करीब एक लाख रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह सोकर उठने पर हुई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। उधर लोगों ने चोरी की वारदातों पर अंकुश न लगने पर हाल में आठ से अधिक अधिक चोरियों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अगर पुलिस ने घटना में शामिल वास्तविक आरोपियों को गिरफ्तार किया है, तो इन वारदातों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। चोरियों का सिलसिला न रुकने से खुलासे पर सवाल उठना लाजिमी है।

ट्रक ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, तीन घायल

टक्कर के बाद खाई में पलटे दोनों वाहन।

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: लखनऊ दिल्ली नेशनल हाईवे पर पसगवां थाना क्षेत्र में जेबी गंज बाईपास के निकट पनई चौराहे पर ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन खाई में जा गिरे। दुर्घटना में ट्रक चालक नरेंद्र सिंह (57) पुत्र हेम सिंह निवासी हवारा कलां थाना खमारो जिला फतेहगढ़ साहिब पंजाब , ट्रैक्टर ट्राली पर सवार इंद्रजीत सिंह (30) व सुरजीत सिंह (19) निवासी चपरतला थाना मैगलगंज घायल हो गए।

तीनों घायलों को पुलिस ने सीएचसी पसगवां भेजा जहां से ट्रक चालक नरेंद्र सिंह और ट्रैक्टर ट्राली पर सवार इंद्रजीत सिंह को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। दोनों वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

जिंदा जलाने और गोली मारने की युवक दे रहा धमकी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर निवासी एक युवती ने बताया कि उसकी मोहल्ला बक्सा मार्केट निवासी दिलशाद पुत्र दिलदार से दोस्ती हो गई थी। आरोपी वर्तमान समय में बक्शी का तालाब लखनऊ में रह रहा है। वह अलग-अलग नंबरों से कॉल कर उसे लगातार परेशान कर रहा है। गालियां देकर मुझे और भाइयों को जान से मारने की धमकी दे रहा है।

युवती के दो भाई दिल्ली में रहते हैं। दिलशाद अलग-अलग फर्जी इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से उसकी अश्लील फोटो वायरल कर रहा है। जबरदस्ती शादी करने के लिए मजबूर कर रहा है। विरोध करती है तो दिलशाद की बहन साइबा फोन करके गालियां देती है और जान माल की धमकी देती है। दिलशाद भी उसके परिवार को धमकाता है। कहता है कि जिंदा जला देंगे या रोड पर निकलती है तो गोली मार देंगे।

युवती का आरोप है कि दो साल पहले मेरी पायल, अंगूठी, चेन और 5000 रुपये नकद दिलशाद ने अपने पिता के इलाज के लिए मांगे और अब तक वापस नहीं किए। अश्लील फोटो वायरल होने से उसकी और परिवार की समाज में बेज्जती हो रही है। जिस कारण घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। पीड़ित युवती ने आरोपी के खिलाफ सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। शहर कोतवाल हेमंत राय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बाल अपचारी ने भाई के साथ किसान से की लूट

धौरहरा,अमृत विचार: धौरहरा कस्बे के मोहल्ला शुक्ला वार्ड निवासी हनीफ मंगलवार को पशु बाजार से भैंसा बेचकर साइकिल से घर जा रहा था। तभी 14 वर्षीय बाल अपचारी ने अपने बड़े भाई प्रेम कुमार उर्फ पप्पू लोध निवासी खजुहा लौकाही थाना ईसानगर बाइक से पीछे लग गया। पीड़ित बसंतापुर रोड पर पेट्रोल पंप के कुछ दूर पहुंचा तो बाल अपचारी ने झपट्टा मारकर गमछे में बंधे रुपये 1 लाख 20 हजार छीने और फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों भाइयों को कोतवाली लाई। कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपियों ने जुर्म स्वीकार कर लिया। सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी बाल अपचारी के पास से लूट के 1 लाख 12 हजार रुपये व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। आरोपियों का चालान भेजा है।

दूसरे युवक से बातचीत करते देखने पर मंगेतर ने की थी युवती की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सदर कोतवाली पुलिस ने युवती की हत्या का खुलासा करते हुए उसके मंगेतर को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि मंगेतर ने युवती को किसी दूसरे युवक से बातचीत करते देख लिया था। इस पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव गाड़ी से थाना खीरी क्षेत्र में सरैंचा मार्ग पर नहर किनारे झाड़ियों में छुपा दिया है। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है।

सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी ने बताय कि कोतवाली मोहम्मदी के गांव मूड़ा निजामपुर निवासी मुरारी लाल की पुत्री नंदनी (20) करीब दो साल से शहर के सलेमपुर कोन में किराए के मकान में रह रही थी। कुछ महीने पहले ही पिता मुरारी ने नंदनी की शादी अपने बहनोई के बेटे शाहजहांपुर के थाना निगोही के गांव भूड़ी निवासी जितिन शर्मा के साथ तय की थी।.जितिन प्राइवेट टैक्सी चलाता था। गुरुवार को जितिन नोएडा से सवारी लेकर लखीमपुर आया था। दोनों एक ही कार से मंदिर गए, जहां पर दोनों के बीच काफी वाद-विवाद हुआ।

मंगेतर को शक था कि नन्दनी किसी और लड़के के संपर्क में है और उससे बात करती है। शुक्रवार को भी मंदिर जाने पर रास्ते में विवाद शुरू हुआ तो जितिन ने नंदनी की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके शव को झाड़ियों में फेंक कर वह वापस अपने घर निगोही चला गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है।

आधा सावन गुजर गया, नहीं बनी सड़क

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: सावन में रोज हजारों कांवड़ियों का छोटी काशी पहुंचना जारी है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के आश्वासन और सरकार के लाखों दावों के बावजूद कांवड़ यात्रा से पहले सड़क गड्ढामुक्त नहीं हो सकीं हैं। ऐसे में क्षतिग्रस्त सड़कों पर निकलना आसान नहीं है।

बस्तौला-अलीगंज मार्ग पर सावन में कांवड़ियों के जत्थे निरंतर निकल रहे हैं। इस मार्ग पर भोलेनाथ के भक्तों को कठिन परीक्षा देनी पड़ रही है। जिले में सैकड़ों शिव मंदिर हैं, परंतु लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों के पहुंचने वाला प्रमुख मंदिर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में स्थित है। जहां तक पहुंचने के लिए कांवड़ियों को जर्जर

बस्तौला अलीगंज मार्ग पर बिखरे पत्थर। ● अमृत विचार

● रोज हजारों की संख्या में निकलते हैं कांवड़िया

सड़क पर सफर तय करना पड़ रहा है। कुछ कांवड़ियां नंगे पैरों सफर करते हैं उन्हें अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा से पहले सड़कों की मरम्मत करने का वादा किया था जो आधा सावन गुजर जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। सड़क चौड़ीकरण के लिए सड़क के किनारे डाले गए पत्थर बिखर कर सड़क पर फैल गए हैं। शिव भक्तों को आवागमन के लिए मेन रास्ता होने के कारण कांवड़ियों को पथरीली सड़क से गुजरना चुनौती से कम नहीं है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

धर्मांतरण गिरोह का खुलासा, आठ गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अमृतसर से युवती का अपहरण कर कुशीनगर लाकर बदलवाया धर्म, किया निकाह

अमृत विचार : पुलिस ने कुशीनगर के पडरौना में भी धर्मांतरण गिरोह का खुलासा किया। दो महिलाओं समेत गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। गिरोह के सदस्यों ने अमृतसर से युवती का अपहरण कर पडरौना लाए, यहां धर्म परिवर्तन कराकर उसके पहचान पत्र भी बनवा दिए। युवती के पिता की तहरीर पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई।

एसपी कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मूलतः तुर्कपट्टी के महुअवा बुजुर्ग निवासी ने शनिवार को पडरौना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया कि उसकी बेटी को अमृतसर से कुशीनगर लाकर धर्मांतरण करा दिया गया। पुलिस ने टीमें बनाकर रविवार तड़के युवती को ढूंढ निकाला और आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सरगना जंगल जगदीशपुर विशुनपट्टी का तौफिक अंसारी, आशिक अंसारी, आशिक अंसारी का बेटा इम्तियाज, नोनिया पट्टी का मो. साहब, बड़हरागंज का जीशान कमर, साकिन नगरी का मजहर, नेबुआ नौरंगिया स्थित साकिन चखनी भोज की फातिमा और उसकी बेटी कैसर जहां शामिल हैं।

तीन वर्ष पहले फंसाया जाल में

गिरोह का मुख्य सदस्य आशिक अंसारी के बेटे इफ्तिखार अंसारी ने तीन वर्ष पूर्व युवती को जाल में फंसा लिया था। तब युवती की उम्र 16 वर्ष थी। उसे इस्लाम कुबूल कराने के बाद निकाह कर लिया। युवती की दर्जनों अश्लील वीडियो बनाई, साथ में निकाह की वीडियो वायरल करने की धमकी देकर तौफिक अंसारी ब्लैकमेल करता था। पुलिस को अभी इफ्तिखार की तलाश है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके निशाने पर हिंदू युवतियां व युवक रहते हैं। तुर्कपट्टी की युवती को बहला कर व लालच देकर प्रेमजाल में फंसाया गया। फिर धर्म परिवर्तन करा दिया गया। सरगना तौफिक उसकी अश्लील वीडियो व धर्म परिवर्तन की रिकार्डिंग दिखाकर परिजन को ब्लैकमेल करता था। कैसरजहां और फातिमा ने पीड़िता को इस्लामिक सामग्री दिखाकर ब्रेनवॉश किया। धर्मांतरण के बाद युवती का आधार कार्ड भी बनवा लिया था। आरोपियों के पास से युवती के हिंदू नाम और धर्म परिवर्तन के बाद परवीन खातून के नाम के दो आधार कार्ड मिले हैं। इसके अलावा 11 सिमकार्ड, 9 मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

छांगुर प्रकरण के बाद कोना-कोना टटोल रहीं एजेंसियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बरेली से लेकर कोलकाता तक यूपी के सुरक्षातंत्र ने उखाड़ दीं धर्मांतरण की जड़ें

अमृत विचार : जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा प्रकरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त हिदायत का असर दिख रहा है। राज्य और राज्य के बाहर कोने-कोने पर जांच एजेंसियों और इंटीलिजेंस की नजर है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाले छांगुर समेत अन्य खतरनाक गिरोहों की करतूतें उजागर हो रही हैं।

धर्मांतरण को लेकर बरेली से लेकर कोलकाता तक बड़ा खुलासा हुआ है। ये सारे खुलासे छांगुर मॉड्यूल पर चल रहे गिरोहों से संबधित हैं। जांच में पता चला है कि धर्मांतरण के जाल में फंसाने के बाद हिंदू लड़कियों को जिहाद में धकेलने की योजना थी। यह उसी तर्ज पर किया जा रहा था जैसा आईएआईएस करता है। धर्मांतरण गैंग के आगरा मॉड्यूल का कनेक्शन लश्कर-ए-तैयबा से होने की जांच बहुत तेजी से बढ़ रही है। दरअसल, छांगुर बाबा गिरोह नाम के इस नेटवर्क के खुलासे ने न केवल पुलिस प्रशासन को चौकन्ना कर दिया है, बल्कि पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। बरेली, लखनऊ, बलरामपुर, अलीगढ़ और कोलकाता समेत पूरे देश में फैले इस नेटवर्क में महिलाओं से लेकर धर्मगुरुओं तक की भूमिका सामने आई है।

प्रदेश में धर्मांतरण के मामले निरंतर सामने आ रहे हैं। पहले बलरामपुर, फिर आगरा और अब शाहजहांपुर में एक धर्मांतरण सिंडिकेट का राजफाश हुआ है। शाहजहांपुर में कुछ ट्रस्टों द्वारा इस मद में दी गई वित्तीय सहायता की पुष्टि होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। आशंका है कि इन लोगों को विदेशी पैसा मिला है। यह जांच एक हिंदू संगठन की शिकायत के आधार पर शुरू की गई। शिकायत में स्थानीय महिला किरण जोशुआ (37) का नाम आया है। आरोप है कि ये लोगों को गुमराह करके ईसाई धर्म अपनाने की सलाह देती थी।

इस बीच यूपी पुलिस ने आगरा के अलावा गोवा, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली और राजस्थान के 11 ठिकानों पर छापा मारकर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पूरे देश में चल रहे इस तरह के नेटवर्क में कम उम्र की लड़कियों को प्रलोभन, लव जिहाद और अन्य तरीकों से प्रभावित करके धर्मांतरण कराया जाता है। अवैध धर्मांतरण का यह आईएसआईएस का सिग्नेचर स्टाइल है। इस रैकेट को चलाने के लिए यूएई, कनाडा, लंदन और अमेरिका के जरिए फंडिंग आ रही थी। इस ग्रुप का संबंध पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से भी होने के संकेत मिले हैं।

न्यूज ब्रीफ

सपा सांसद ने केंद्र से की स्कूल मर्जर रद्द करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर उप्र. में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति की समीक्षा कर इसे रद्द करने की मांग की है। सांसद ने पत्र में कहा कि प्रदेश में वर्तमान समय में विद्यालयों का एकीकरण किया जा रहा है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट) की मूल भावना के प्रतिकूल है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को उसके निवास स्थान से एक किमी के भीतर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

मुसलमान क्यों नहीं बन जाते रामजीलाल सुमन : डॉ. निर्मल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के पूर्व चेयरमैन और विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि अगर उत्पीड़न के कारण दलित धर्मांतरण कर मुस्लिम या ईसाई बन रहा है तो दलितों का सबसे ज्यादा उत्पीड़न सपा सरकार में ही हुआ। उस समय दलित समाज के लोगों ने धर्मांतरण क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि खुद सपा सांसद रामजीलाल सुमन भी अपना उत्पीड़न होने और सम्मान न मिलने की बात कहते हैं तो, वह मुस्लिम क्यों नहीं हो जाते। निर्मल ने कहा कि आज विभिन्न योजनाओं के तहत दलितों का सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी में प्रस्तावित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) निरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को नवीन भवन, लखनऊ में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह (संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं मातृ-शिशु कल्याण विभाग) ने की। बैठक में सुनिश्चित किया गया कि मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी से संबंधित सभी निर्माण कार्य, संसाधनों की उपलब्धता, शैक्षणिक और चिकित्सकीय ढांचे की पूर्ति, तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताएं 20 अगस्त तक पूरी कर ली जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण के समय किसी भी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

छात्रों को अधिकार दिलाएगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी देवकी पटेल ने कहा कि कांग्रेस छात्रों को उनका अधिकार दिलाएगी। वह रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को छात्रों से जुड़े प्रत्येक मुद्दों को गंभीरता से लेने व उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया, साथ ही एनएसयूआई संगठन से युवाओं को जोड़ने व अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार के प्रदेश में पांच हजार सरकारी विद्यालयों को बंद करने संबंधी निर्णय से समाज के गरीब, अनुसूचित वर्ग व अन्य शोषित वर्ग के लोग अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है, प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

जनभावना के अनुरूप कराएं विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने झांसी और चित्रकूट मंडल के विधायकों से किया संवाद, विकास कार्य तेजी से शुरू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- झांसी मंडल से 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल से 3,875 करोड़ रुपये के प्रस्ताव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने झांसी मंडल के विधायकों से आए 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल के विधायकों से आए 3,875 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पर तेजी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। योगी ने विधायकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की सतत निगरानी करें और स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर रविवार को झांसी और चित्रकूट धाम मंडल के सांसदों-विधायकों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के दूरवर्ती क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी विकास कार्य प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए तथा समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विधायकों द्वारा दिये गए कुल प्रस्तावों के अनुसार, झांसी मंडल के तीन जनपदों (झांसी, जालौन और ललितपुर) से कुल 691 कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत 4,901 करोड़ रुपये है।

वहीं, चित्रकूट मंडल के चार जनपदों (बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा) से कुल 397 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन पर रुपये 3,875 करोड़ की लागत प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों मंडलों से कुल 1,088 कार्य प्रस्तावित हुए हैं, जिनकी कुल लागत 8,776 करोड़ है। इनमें से झांसी और बांदा जनपद क्रमशः 1,916 करोड़ और 1,825 करोड़ रुपये की लागत के साथ अपने-अपने मंडलों में शीर्ष पर हैं।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर चित्रकूट व झांसी मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

फसल बीमा योजना के लिए 86.30 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को सब्सिडी के रूप में मिलेंगे 85.47 करोड़ रुपये

अमृत विचार : राष्ट्रीय फसल बीमा योजना के लिए राज्य सरकार ने करीब 86.30 करोड़ की मंजूरी दी है। राज्यपाल ने इसमें किसानों को सब्सिडी के रूप में 85.47 करोड़ रुपये देने के लिए मुहर लगाई है। इसी के साथ शासन ने कृषि निदेशक को धनावंटन से लेकर पर्यवेक्षण का कार्य सौंपते हुए किसी भी अनियमितता पर सीधे जिम्मेदार होने की चेतावनी भी दी है।

कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, योगी सरकार के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 86 करोड़ 29 लाख 87 हजार रुपये की राज्यपाल से मंजूरी मिली है। इसमें 85 करोड़ 47 लाख 87 हजार किसानों को सब्सिडी के रूप दी जाएगी, जबकि शेष धनराशि से 8 लाख यात्रा व्यय, 10 लाख कार्यालय व्यय, 10 लाख लेखन सामग्री व फार्मों की छपाई, 8 फर्नीचर व उपकरण और 15 गाड़ियों में पेट्रोल व अनुरक्षण के लिए 10 लाख रुपये खर्च होगा। इसके अलावा प्रशिक्षण, हार्डवेयर-साफ्टवेयर, आईटी कार्य आदि में खर्च होगा। शासन ने कृषि निदेशक को धनराशि के नियमानुसार खर्च से लेकर पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी है। साथ ही किसी भी गड़बड़ी या अनियमित खर्च पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

लखनऊ के एपीसेन गर्ल्स कॉलेज में आरओ-एआरओ की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों की चेंकिग करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

नकल माफिया की गतिविधियों पर रही पैनी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा
- एआई, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक सत्यापन से हुई नकलमुक्त परीक्षा

अमृत विचार : राज्य सरकार की सीधी निगरानी के चलते रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा के दौरान राज्य में कहीं से भी किसी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार ने नकल माफिया और पुराने आरोपियों पर पैनी नजर रखी। एसटीएफ को संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था, जो पूरे दिन सक्रिय रही।

आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि सभी केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाएं सुरक्षित रूप से एकत्र की गईं और आगे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे प्रमुख जिलों में केंद्रों की अधिक संख्या के बावजूद व्यवस्था सुचारु रही।

परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी और वितरण में कड़े प्रबंध किए गए। इन्हें त्रिस्तरीय लॉक वाले गोपनीय ट्रंक बॉक्स में पांच स्तरीय टेम्पर्ड प्रूफ पैकिंग के साथ रखा गया था। ट्रेजरी से निकासी से लेकर उत्तर पुस्तिकाओं के डिस्पैच तक की प्रक्रिया में सशस्त्र गार्ड और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य रही।

लाइव सीसीटीवी स्ट्रीमिंग के जरिए केंद्र, जिला और आयोग स्तर पर निगरानी की गई। अभ्यर्थियों की पहचान के लिए प्रवेश द्वार पर बायोमेट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन तकनीक से पहचान सुनिश्चित की गई। डबल लेयर फ्रिस्किंग की जिम्मेदारी पुलिस बल और कार्यदायी संस्था ने साझा रूप से निभाई, जिससे कोई निषिद्ध सामग्री अंदर नहीं ले जाई जा सकी।

अभ्यर्थियों ने की व्यवस्था की सराहना

प्रयागराज में एक सेंटर से परीक्षा देकर बाहर निकले वाराणसी के नीरज चंद्रा और सचिन माथुर ने बताया कि उनके केंद्रों पर कई स्तरों पर गहन चेकिंग की गई, जो बेहद व्यवस्थित और निष्पक्ष थी। वहीं प्रतापगढ़ की पूजा ने कहा कि पिछली बार की तुलना में इस बार की व्यवस्था कहीं बेहतर थी, जिससे परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता बनी रही और उन्हें आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। अभ्यर्थियों ने क्यूआर कोड, आई स्कैन और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं की तारीफ की, जिसने परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत किया।

पुनर्जीवित हो रही तमसा नदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ व बलिया के लिए बनेगी वरदान

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पशक्ति से पूर्वांचल की जीवनरेखा कही जाने वाली पवित्र तमसा नदी को नया जीवन मिलने जा रहा है। ऋषि दुर्वासा, चन्द्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमि पर बहती तमसा नदी अब फिर से पूर्वांचल के किसानों के लिए संजीवनी बनेगी। तमसा नदी के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए 29 जुलाई को आजमगढ़ में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी जुटेंगे।

तमसा नदी अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया से होकर गुजरती है। इसके पुनरुद्धार से इन जिलों में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में तमसा नदी जनपद आजमगढ़ के अहरौला, मिर्जापुर, तहबरपुर, रानी की सराय, पल्हनी, बिलरियागंज और सठियांव विकासखंडों की 121 ग्राम पंचायतों से होते हुए मऊ जनपद में प्रवेश करती है। आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि तमसा नदी आजमगढ़ जिले में 89 किलोमीटर और कुल मिलाकर 264 किलोमीटर लंबी है। अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। लाखों किसानों को अब सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। डीएफओ आजमगढ़ पीके पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तमसा नदी के दोनों किनारों पर पौधारोपण भी कराया जा रहा है।

सपा प्रमुख ने बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था की दुर्दशा कर दी है। प्रदेश में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर उड़ गया है, मंत्री-अधिकारी के बीच के तार टूट गये हैं और त्रस्त जनता के बीच सरकार पर भरोसे के खंभे उखड़ गये हैं। जनाक्रोश का मीटर खटाखट बढ़ रहा है। उत्पादन का चक्का जाम है, संचार खंडित है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार की कमाई का वितरण चालू है। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में बिजली नहीं, केवल बिल आ रहा है और ये बेइंतहा बिल लोगों की जेबें खा रहा है।

प्रदेश में 66 पीसीएस अफसरों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदले
- इनमें मुरादाबाद, शाहजहांपुर और बरेली भी शामिल

अमृत विचार: राज्य सरकार ने रविवार को 66 पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिये। इनमें ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदल दिये गये हैं। आगरा की उप जिलाधिकारी श्रद्धा पांडेय को सहायक नगर आयुक्त आगरा बनाया गया है।

शाहजहांपुर के उप जिलाधिकारी जय प्रकाश यादव को सहायक नगर आयुक्त सहारनपुर बनाया गया है। चंदौली के उप जिलाधिकारी अजीत कुमार द्वितीय को विशेष कार्याधिकारी बरेली विकास प्राधिकरण, उपजिलाधिकारी राम शंकर द्वितीय को गाजियाबाद, उप जिलाधिकारी शाहजहांपुर पैगाम हैदर को हमीरपुर, उप जिलाधिकारी गोरखपुर निशा श्रीवास्तव को गोरखपुर में ही इस पद पर रखा गया है। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी मथुरा सौरभ यादव को सहायक नगर आयुक्त प्रयागराज, उप जिलाधिकारी कासगंज जितेंद्र कुमार सिंह को झांसी, उप जिलाधिकारी हाथरस चन्द्र प्रकाश सिंह को आजमगढ़, उप जिलाधिकारी इटावा मोहम्मद असलम को शाहजहांपुर व उप जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर अभिषेक शाही को इसी पद पर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में जिम्मेदारी दी गई है। उप जिलाधिकारी ललितपुर मदन मोहन गुप्ता को इसी जिले इस पद पर रखा गया है। उप जिलाधिकारी मिर्जापुर तरुण प्रताप सिंह तबादला हुआ है। को सहायक नगर आयुक्त शाहजहांपुर में तैनाती दी गई है। उप जिलाधिकारी यूपीडा लखनऊ स्निग्धा चतुर्वेदी को मुरादाबाद, उप जिलाधिकारी गोरखपुर रवि कुमार सिंह को सहायक नगर आयुक्त गोरखपुर बनाया गया है।

उप जिलाधिकारी नोयडा सीमा सिंह को सीतापुर, उप जिलाधिकारी शामली मृदला दुबे को मेरठ व उप जिलाधिकारी कुशीनगर आकांक्षा मिश्रा को इसी जिले में रखा गया है। उप जिलाधिकारी बलरामपुर सत्यपाल प्रजापति कानपुर नगर, उप जिलाधिकारी गोरखपुर ज्ञान प्रताप सिंह को अयोध्या व उप जिलाधिकारी मैनपुरी विशाल सिंह यादव को उप जिलाधिकारी सहायक नगर आयुक्त मुरादाबाद बनाया गया है। इनके अलावा भी अन्य जिलों के पीसीएस अफसरों का

सियासत | केंद्रीय नेतृत्व को प्रतीक भूषण की ताजपोशी के लिए तैयार कर चुके हैं पूर्व सांसद

विधायक बेटे को मंत्री बनाना चाहते हैं बृजभूषण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी से मिलने के पीछे सहमति लेने का था प्रयोजन, दोनों बेटे भी मुख्यमंत्री से मिले

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करके गोंडा के दबंग नेता पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने विधायक बेटे को मंत्री बनाने में जुटे हैं। हाल में करीब तीन साल के लंबे अंतराल पर योगी से उनकी मुलाकात का प्रयोजन अब छनकर बाहर आने लगा है।

गोंडा के राजनीतिक अखाड़े में बड़े-बड़ों को पटखनी देने वाले बृजभूषण शरण सिंह अगले विधानसभा चुनाव तक 60 साल पार कर जाएंगे। 5 बार भाजपा और एक बार सपा से सांसद रहने के साथ वे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 2023 में एक नाबालिग सहित सात भारतीय महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की एफआईआर में गवाही देने के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद उन्होंने पिछले चुनाव में अपनी सांसद की सीट से छोटे बेटे करन भूषण सिंह को विजय दिलाई। जबकि बड़ा बेटा प्रतीक भूषण सिंह

विधायक है। बृजभूषण अब पहलवानों के आरोपों के मामले में बेदाग साबित हो चुके हैं। हालांकि उनका राजनीतिक जीवन पहले भी कई विवादों से घिरा रहा है। उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में गिरफ्तार किया गया था और दाऊद इब्राहिम गिरोह के शूटरों को शरण देने के लिए आतंकवाद विरोधी कानून टाडा के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें दोनों मामलों में बरी कर दिया गया। अब बृजभूषण चाहते हैं कि दशकों के राजनीतिक जीवन में दूसरी पीढ़ी से कोई मंत्री बने। सूत्र बताते हैं कि उन्हें केंद्रीय नेतृत्व के कई नेताओं से इस बात पर सहमति मिल चुकी है कि विधायक बेटे को योगी सरकार में मंत्री पद दिया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए सबसे बड़ी अड़चन मुख्यमंत्री योगी न बनें, इसके लिए उन्हें साधने का मंत्र दिया गया। इसी के बाद बृजभूषण के बोल बदलने लगे और हाल ही में वे योगी से मिलकर गुणगान करते दिखे। शनिवार को उनके दोनों बेटे विधायक प्रतीक भूषण और सांसद करन भूषण सिंह भी मुख्यमंत्री से मिले।

अपने विभागों को लेकर मंत्री सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर दे रहे आमजन को संतुष्ट करने वाले संदेश

अमृत विचार : उप्र. विधान सभा चुनाव से पहले मंत्री अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर और सख्त नजर आ रहे हैं। सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर वे आमजन को निरंतर संतुष्ट करने वाले संदेश दे रहे हैं।

हाल ही में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ के शक्ति भवन में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस दौरान वो बिजली विभाग के अधिकारियों पर जमकर बरसे। मंत्री ने अधिकारियों से दो टूक कहा- मैं बकवास सुनने नहीं आया हूं, आप लोग अंधे-बहरे बनकर बैठे हो, और जनता मुझे कोस रही है।

बीते दिनों ऐसे ही उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की थी। उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मिशन के निष्क्रिय कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। भ्रष्टाचार के मामलों में एफआईआर कराई जाए।

वहीं राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कुछ दिन पहले केजीएमयू, लखनऊ पहुंचे। ब्रजेश पाठक वहां आईसीयू में भर्ती भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को देखने पहुंचे थे। इस दौरान गांधी वार्ड में कई एसी काम नहीं कर रहे थे। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए केजीएमयू प्रशासन को इंजीनियरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी।

अभी देवरिया जिले से वायरल एक वीडियो चर्चा में रहा। इसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही वहां निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन हाल में सड़ी लकड़ी से बनाकर लगाए जंगले को देखकर अचानक से भड़क गए। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यह सड़ा हुआ जंगला (खिड़की) कल तक हट जाना चाहिए। नहीं तो जान ले लूंगा, इसके बाद मंत्री जी भोजपुरी में बोलते हैं कि दो साल में घुन लग जाई घर चल जईबा पैसा लेके।

न्यूज ब्रीफ

लोकमान्य तिलक मुंबई एक्सप्रेस ने एक साल में कमाए साढ़े सात करोड़

बरेली, अमृत विचार : रेलवे की लोकप्रिय लंबी दूरी की ट्रेन 14314 बरेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई एक्सप्रेस ने बीते वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन करते हुए साढ़े सात करोड़ से अधिक की कमाई की है। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच इस ट्रेन से कुल 97,529 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 7,46,56,425 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उत्तर भारत और पश्चिम भारत को जोड़ने वाली यह ट्रेन बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, कोटा, वड़ोदरा होते हुए मुंबई तक जाती है।

रक्षा बंधन से पहले 91 महिला परिचालक रोडवेज को मिलेंगी

बरेली, अमृत विचार : रक्षा बंधन से पहले रोडवेज को 91 महिला परिचालक मिलेंगी। अफसरों के अनुसार परिवहन निगम की यह पहल रक्षा बंधन पर बहनों को भाइयों के प्रति प्यार और सम्मान का प्रतीक देने के साथ एक नई पहचान भी देगी। पुराने रोडवेज बस अड्डे पर 18 जुलाई को महिला संविदा रोजगार भर्ती मेला का आयोजन हुआ था। जिसमें कुल 245 महिलाओं ने परिचालक बनने के लिए आवेदन किए थे। जांच 90 आवेदन मानकों पर खरे उतरे। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि जल्द चयनित सभी 91 महिला परिचालक को प्रशिक्षण के लिए लोकल रूट की बसों पर भेजा जाएगा, ताकि रक्षा बंधन से इनकी गृह जनपद में ड्यूटी दी जा सके।

नौकरी लगवाने के नाम पर 1.70 लाख ठगे

बरेली, अमृत विचार : रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से एक लाख 70 हजार रुपये ठग लिए। युवक की शिकायत पर थाना प्रेमनगर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भूड़ मोहल्ले के रहने वाले तरुण जौहरी ने बताया कि प्रेमनगर क्षेत्र के ही रहने वाले अनूप सक्सेना का उसके घर पर आना जाना था। आरोप है कि अनूप ने रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर एक लाख 70 हजार रुपए ले लिए। ट्रेनिंग के बहाने उसे जाटवपुरा निवासी विनीत कानपुर ले गया। कानपुर में उसने तीन चार दिन एक होटल में रोका। उसके बाद उसे घुमाते रहे और फिर रेलवे का एक आईकार्ड दे दिया जो बाद में पता चला कि फर्जी है। इसके बाद युवक को अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ। पीड़ित की तहरीर पर प्रेमनगर पुलिस ने आरोपी अनूप सक्सेना, विनीत, रोहित, सुमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन कल से

बरेली, अमृत विचार : आनंद विहार टर्मिनल से बापूधाम मोतिहारी के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन 29 जुलाई से होगा। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के अधिकारियों के अनुसार ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी और इसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त नॉन-एसी चेयरकार कोच होंगे, जो होंगे। ट्रेन में जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, बायो-वैक्यूम टॉयलेट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइटिंग और स्वचालित दरवाजे जैसी सुविधाएं दी गई हैं। बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से गुजरती हुई यह ट्रेन बिहार और उत्तर प्रदेश के यात्रियों को दिल्ली से जोड़ेगी।

मनसा देवी भगदड़ में रामपुर के 3 श्रद्धालुओं की मौत

स्वार, बिलासपुर के थे दो युवक, एक युवक काशीपुर का निवासी था, जो कई सालों से अपने मामा के यहां रहता था

कार्यालय संवाददाता,रामपुर/ बिलासपुर/ स्वार

विपिन।

विक्की।

विशाल।

- हादसे की खबर मिलने के बाद परिवार के लोग हरिद्वार रवाना

स्वार के गांव धनौरी में रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी में हुए भगदड़ में जिले के तीन युवकों की भी जान चली गई। इनमें दो युवक विलासपुर और स्वार क्षेत्र के रहने वाले थो जबकि एक युवक मूल रूप से काशीपुर का रहने वाला था और कई सालों से अजीमनगर क्षेत्र के गांव में अपने मामा के घर पर रहा रहा था।

बिलासपुर में नगरिया कलां का मझरा गांव निवासी टीकाराम सैनी का 20 वर्षीय पुत्र विक्की सैनी कुआखेड़ा गांव स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब राजकीय महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह अपने तहेरे भाई सचिन पुत्र गोविंद राम सैनी के साथ शनिवार की रात आठ बजे बाइक से डाक कांवड़ लेने के लिए बाइक से निकला था। विक्की के रिश्तेदार उत्तराखंड के काशीपुर के गांव वसुवाखेरी निवासी रघुवीर सिंह का 20 वर्षीय बेटा विपिन सैनी भी उनके साथ गया था। वह अपने मामा के यहां काफी सालों से अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव बहादुर गंज में रह रहा था।

रविवार तड़के हरिद्वार पहुंचने के बाद वे नहाए। इसके बाद मनसा देवी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के लिए चले गए। वहां भगदड़ मच गई। भगदड़ में विक्की और विपिन गंभीर घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

स्वार कोतवाली के गांव धनौरी निवासी ग्रामीण शनिवार रात बस से हरिद्वार गए थे। गांव का ही नंदन मौर्य का 21 वर्षीय बेटा विशाल मौर्य भी गया था। रविवार को सभी लोग मनसा देवी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। भगदड़ में विशाल की भी दबकर मौत हो गई। मृतक के पिता की 11 वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में शहर के तीन श्रद्धालु घायल: मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तराखंड के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार को दर्शन के दौरान अचानक मची भगदड़ में काफी श्रद्धालु घायल हो गए। जबकि कुछ श्रद्धालुओं की मौत भी हो गई। घायलों में मुरादाबाद निवासी तीन लोग अर्जुन, काजल और अनुज भी शामिल हैं। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आरुष की मौत के बाद गांव में गम का माहौल, पिता हरिद्वार पहुंचे

बरेली, अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में शाही के गांव सहोड़ा सर्राफ प्रवेश कुमार उर्फ पंकज यदुवंशी के 12 साल के बेटे आरुष की भी मौत हो गई। हादसे में आरुष की मां निर्मला और छह साल की बहन सौम्या भी घायल हुई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद गांव में गम का माहौल है। आरुष के पिता हरिद्वार गए हैं। प्रवेश कुमार की पत्नी निर्मला अपने बेटे आरुष और बेटी सौम्या को लेकर 25 जुलाई को अपने मायके रामपुर के थाना कैमरी के गांव पदपुरी गई थीं। मायके से वह अपने भाई राजीव और बच्चों के साथ हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर दर्शन करने गई थीं। रविवार सुबह सभी लोग दर्शन के लिए पैदल रास्ते से जा रहे थे।

उद्यमिता की नई लहर, युवाओं में बढ़ा उद्यमी बनने का जोश

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी सीएम उद्यमी विकास योजना, युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा दे रही है। इस योजना के तहत बिना ब्याज ऋण लेकर युवा अपना उद्योग स्थापित करने में लग गए हैं। युवा अब रोजगार की तलाश करने वाले नहीं रोजगार देने वाले बन रहे हैं। अभी तक 710 युवाओं ने इस योजना का लाभ लेकर अपना कारोबार भी शुरू कर लिया है। वह धीरे-धीरे तरक्की की ओर बढ़ने लगे हैं। लक्ष्य के सापेक्ष विभाग को आवेदन अधिक मिले हैं।

उद्योग विभाग के अनुसार आवेदन आने के बाद सत्यापन आदि का कोरम पूरा करने के बाद पत्रावलियों को विभिन्न बैंकों को भेजा रहा है। बैंक में कोई अड़चन न आए इसको लेकर अधिकारी स्वयं नियमित रूप से समीक्षा कर रहे हैं। उपायुक्त उद्योग विकास यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

एक्सईएन की पत्नी ने जेई से बताया जान को खतरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के जेई देवदत्त पचौरी संगठन का पदाधिकारी है। आरोप है कि जेई ने 21 जुलाई को दमखोदा में निरीक्षण करने जा रहे एई राकेश कुमार से फोन कर अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन ने जेई का स्थानांतरण दूसरे जिले में करने को लेकर दो दिन पहले प्रमुख अभियंता को पत्र भेजा था। अब निर्माण खंड भवन के एक्सईएन शशांक भार्गव की पत्नी कविता ने जेई पर आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। कविता रामपुर में पीडब्लूडी में एई हैं। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे वह पीडब्ल्यूडी कैंपस स्थित आवास पहुंची तो गेट पर खड़े एक व्यक्ति ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। किसी तरह वह घर के अंदर गईं और पुलिस को यूपी 112 नंबर पर सूचना देने के साथ ही पति को फोन पर वीडियो भेजकर घटनाक्रम से अवगत कराया। कविता के मुताबिक वीडियो देख पति ने बताया कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति जेई देवदत्त पचौरी है। वह उनके घर अभद्रता करने आया था लेकिन वह घर पर नहीं थे। कविता के मुताबिक पुलिस में शिकायत करने पर जेई ने परिवार को नुकसान पहुंचाने की मंशा से मोबाइल से बनाई दो वीडियो कुछ लोगों को भेजी हैं। जेई से खुद की और परिवार की जान की सुरक्षा का खतरा बताते हुए मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

स्टांप शुल्क चोरी में 16.70 लाख का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भूमि खरीद के दौरान बैनामों में स्टांप शुल्क कम दिखाकर शुल्क चोरी करने के मामलों में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कोर्ट ने सुनवाई कर खरीदारों पर मोटा जुर्माना लगाया है। पांच मामलों में 16.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने 7 जुलाई को आदेश सुनाया कि सुरेश सिंह पुत्र ब्रजपाल सिंह निवासी ग्राम सिठौरा, रविन्द्र कुमार सक्सेना उर्फ रवि सक्सेना पुत्र रमेश चंद्र सक्सेना निवासी सुभाषनगर बरेली के पक्ष में 12 दिसंबर 2024 को पंजीकृत किया था। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण से स्पष्ट है कि स्टाम्प शुल्क कम दिखाया गया। 1,01,540 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 14,520 रुपये निबंधन शुल्क, 5 हजार रुपये अर्थदंड 1,36,060 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने शिकायतकर्ता डा अनुज कुमार गंगवार निवासी माया भवन मोहल्ला आजाद नगर, पीलीभीत बाईपास की शिकायत पर सुनवाई करते हुए लेखपत्र में उप निबंधक फरीदपुर की आख्या 29 अप्रैल के अनुसार 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क एवं 1,36,920 रुपये का निबंधन शुल्क कम अदा किया। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर आदेश दिया। 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क,1,36,920 रुपये निबंधन शुल्क व 20,000 रुपये अर्थदंड 8,41,520 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। साथ ही सरकार बनाम राजेश खन्ना आदि के केस में तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर 53,250 रुपये का स्टाम्प शुल्क, 5,000 रुपये अर्थदंड लगाया। वहीं, अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व ने सरकार बनाम नक्शे अली आदि केस में तथ्यों के आलोक में तहसीलदार सदर की आख्या 9 अप्रैल 2024 तथ्यहीन होने के कारण निरस्त की और विलेख 13494/2021 पर स्टाम्प अधिनियम की धारा 33/38 व मूल्यांकन नियमावली के नियम के अंतर्गत कार्रवाई कर 2,92,370 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 41,790 रुपये निबंधन शुल्क 50 हजार रुपये अर्थदंड 3,84,160 रुपये की धनराशि अधिरोपित की। 2,92,370 रुपये पर विलेख निष्पादन 22 सितंबर 2021 से वसूली दिनांक तक 1.5 प्रतिशत मासिक ब्याज भी लगाया है।

फंदे से लटका मिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी का शव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कन्नौज में थे तैनात, तीन दिन बाद होने वाले थे सेवानिवृत्ति
- चांदमारी क्षेत्र में पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

अमृत विचार : मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले जिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। लोगों की सूचना पर सिविल लाइन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के अनुसार वह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे।

सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चित्रांश नगर निवासी राजेंद्र कुमार जिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी थे। वह कन्नौज में तैनात थे। तीन दिन के बाद वह सेवानिवृत्त होने वाले थे। रोज की तरह वह रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे, लेकिन कुछ देर के बाद मोहल्ले के पास चांदमारी में पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका मिला। पास से गुजरे लोगों ने उनके परिजन और पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पेड़ से नीचे उतारा। परिजनों उनकी मौत पर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

हवालात से लंगड़ाते निकला बच्ची से छेड़छाड़ का आरोपी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

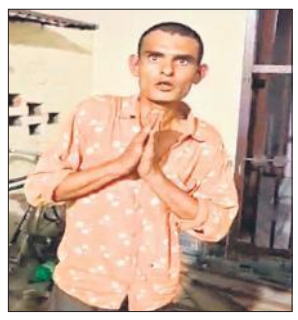
मौके ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला ने बताया कि शनिवार उसका गैस चूल्हा खराब हो गया था। उसने गैस चूल्हा सही करने वाले को बुलाया था। इस दौरान वह किसी काम से बाहर चली गई। आमिर नाम का युवक घर में चूल्हा ठीक करने का काम कर रहा था। आरोप है कि उसकी गैर मौजदूगी में आरोपी ने घर में मौजूद उसकी 8 साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर छेड़खानी की। जब वह घर लौटी तो बेटी ने उसे घटना की जानकारी दी। उसके बाद महिला ने प्रेमनगर थाने जाकर आरोपी आमिर पुत्र शाहिद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

महिला ने बताया कि युवक ने चूल्हा ठीक करने के नाम पर घर में घुसकर यह घिनौनी हरकत की है। बच्ची इस घटना से सहमी हुई है। प्रेमनगर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गिरफ्तार होने के बाद रविवार को प्रेमनगर थाने ही हवालात से लंगड़ाता हुआ बाहर निकला।

खुद को एसटीओ बताकर उधार ले लिए तीन लाख रुपये के जेवर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एक महिला ने खुद को एसटीओ बताकर महिला सर्राफ से तीन लाख रुपये से अधिक के जेवर उधार ले लिए। महिला ने गारंटी के तौर पर दो लाख 90 हजार रुपये का चेक दे दिया। जब सर्राफ ने महिला से पैसे मांगे तो वह टालमटोल करने लगी और फोन भी उठाना बंद कर दिया। आरोप है कि शनिवार को जब वह अपने पैसे वापस लेने गईं तो महिला ने कुछ लोगों की मदद से उसे और उसके पति को कार से कुचलने की कोशिश की। जिसमें दोनों पति-पत्नी घायल हो गए। महिला की तहरीर पर थाना इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ख्वाजा कुतुब की रहने वाली लता रस्तोगी ने बताया कि उसका कोहाड़ापीर फैयाज बिल्डिंग के सामने सर्राफा शोरूम है। करीब एक साल पहले खुद को एसटीओ बताकर उसकी दुकान पर सीबीगंज निवासी स्वाति चौधरी उर्फ स्वाति डागर तीन लाख 20 हजार रुपये के जेवर अपने भाई की शादी के नाम पर उधार लेकर गई। स्वाति वर्तमान में इज्जतनगर की आधार शिला कॉलोनी नंबर एक, मुंशीनगर में रहती है। उसने गारंटी के तौर पर दो लाख 90 हजार रुपये का चेक दिया था। उसके बाद वह और उसके पति जेवर के पैसे मांगते रहे, लेकिन महिला ने फोन उठाना ही बंद कर दिया। शनिवार को वह अपने पति और परिचित शीतल के साथ स्वाति चौधरी के घर आधार शिला कॉलोनी में पैसे लेने के लिए पहुंचे। जब दरवाजा खटखटाया तो स्वाति गालीगलौज करने ली। उसके बाद स्वाति ने अपने दो तीन परिचित लोगों को बुला लिया और उन्हें कार से कुचलने की कोशिश की। जिसमें वह और पति घायल हो गए। महिला सर्राफ की तहरीर पर स्वाति चौधरी उर्फ स्वाति डागर समेत दो तीन अज्ञात पर इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193-ए सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाबा सर्वेश्वर नाथ मंदिर पता पीलीभीत बाईपास रोड सिल्वर एस्टेट महानगर उपडाकघर, तहसील सदर, जिला बरेली के अध्यक्ष की हैसियत से पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाईन पंजीकरण शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है :-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्रीमती शशि पाराशर पत्नी श्री भवेश चन्द्र पारासर	अध्यक्ष
2.	श्रीमती उषा श्रोत्रिय पत्नी श्री अजय कुमार श्रोत्रिय	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती कुसुम सिंह पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	सचिव
4.	श्रीमती कमलेश जोशी पत्नी श्री हरीश चन्द्र जोशी	कोषाध्यक्ष
5.	श्रीमती रागिनी गुप्ता पत्नी श्री गोविन्द कुमार गुप्ता	सदस्य
6.	श्रीमती जयश्री कोटनाला पत्नी श्री प्रभात कोटनाला	सदस्य
7.	श्रीमती अंजू भारद्वाज पत्नी श्री एल.एम. भारद्वाज	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

कार्यालय
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी
शाहजहाँपुर।

संख्याः- 862/शास्त्रोक्त औषधि/2025-26 दिनांक- 23-07-2025

ई-निविदा-सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर में शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक औषधि (निर्मित औषधि) को वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के परिशिष्ट-19 एवं राज्य सरकार द्वारा उ0प्र0 प्रोक्योरमेन्ट मैनुअल, 2016 में ई-निविदा से सम्बन्धित सामान्य सिद्धान्त में निहित निर्देश के अनुसार रू0-30,00,000-00 (रूपया-तीस लाख मात्र) के अन्तर्गत दर अनुबन्ध के आधार पर आपूर्ति करने हेतु ऐसे अनुभवी एवं GMP धारक प्रतिष्ठित व्यापारियों (औषधि निर्माता) से ऑनलाइन निविदायें आमन्त्रित की जाती है। जो निविदा दाता के पास विगत तीन वर्षों में समान प्रकृति की सामग्री आपूर्ति के कार्य का अनुभव होना चाहिये तथा केन्द्रीय जॉच ब्यूरो तथा किसी विभाग द्वारा बैन (प्रतिबन्धित) Black Listed (काली सूची) में शामिल नहीं होनी चाहिये। ऐसे निविदा दाता फर्म का गत तीन वर्षों से वाणिज्य कर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण होना आवश्यक है। फर्म का औसत टर्न ओवर विगत तीन वर्षों में निविदा लागत का न्यूनतम 30% या उससे अधिक होना चाहिये। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र में दी गयी शर्तो एवं नियमों को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। शास्त्रोक्त निर्मित आयुर्वेदिक औषधियों की मात्रा अनुमानित रखी गयी है जो वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के सापेक्ष परिवर्तनीय हो सकती है।

1. निविदा प्रपत्र https://e-tender.up.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2. ऑनलाइन निविदा प्रकाशन की तिथि :-29-07-2025
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि व समय :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
4. ऑनलाइन निविदा भरने की प्रारम्भिक तिथि :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
5. ऑनलाइन निविदा भरने की अन्तिम तिथि व समय :-18-08-2025 सायं 5.00 बजे तक।
6. तकनीकी निविदा ऑनलाइन खोलने की तिथि व समय :-19-08-2025 अपरान्ह 03.00 बजे।
7. निविदा मूल्य जो वापस न होगा रू0-5,400.00 (रू0-पांच हजार चार सौ मात्र) (समस्त कर सहित) का डिमांड ड्राफ्ट जो निविदा भरने से पूर्व कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मोहल्ला बंगश, निकट जनता इन्टर कालेज, शाहजहाँपुर के पदनाम से जमा कराकर कार्यालय में दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक जमा कर रसीद प्राप्त करना आवश्यक है। अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
8. धरोहर धनराशि रू0-60,000-00 (रू0-साठ हजार मात्र) राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ0डी0आर0 के रूप में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के पदनाम से बन्धक कराकर निविदा के साथ अपलोड करना होगा, तथा अर्नेस्ट मनी के रूप में एफ0डी0आर0 एवं निविदा फार्म शुल्क के रूप में बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में दिनांक दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शाहजहाँपुर में (व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर) उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उक्त एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट की मूलप्रति समयान्तर्गत प्राप्त न कराये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। विलम्ब की दशा में विभाग का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।
9. आपूर्ति स्थानः-एफ0ओ0आर0 कार्यालय-क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मो0 बंगश निकट जनता इण्टर कालेज, शाहजहाँपुर। औषधियों की आपूर्ति जी0एम0पी0 मानक के अन्तर्गत स्वीकार की जायेगी। किसी भी दशा में पॉलीथीन की पैकिंग में आपूर्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।
10. निविदा की वैधताः-31-03-2026 तक मान्य होगी।
11. निविदा में उल्लिखित आईटमों की आपूर्ति के समय अनुमोदित लैब से लैब परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा जिसका व्यय सम्बन्धित फर्म द्वारा ही वहन किया जायेगा।

समस्त निविदायें क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के कार्यालय में निश्चित तिथि एवं समय पर उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को किसी एक या सम्पूर्ण निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। इस सम्बन्ध में कोई वाद स्वीकार नहीं होगा।

जिन फर्मो के सभी तकनीकी अभिलेख निविदा शर्तो के अनुसार सही व पूर्ण पाये जायेंगे उन्ही फर्मो के वित्तीय भाव पत्रों पर विचार किया जायेगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

UP - 236348 दिनांकः 25/07/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 सिराज अहमद अन्सारी)
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी
शाहजहाँपुर।

सुविधा ऑडिटोरियम की बुकिंग शुरू, मनोरंजन और खरीदारी का लुत्फ उठाने को करना होगा इंतजार

अर्बन हाट में बनेगा मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अर्बन हाट में लगा झूला। ● अमृत विचार

- फर्म ने अर्बन हाट में बदलाव करने की मांगी अनुमति
- प्रजेंटेशन पेपर जमा किए, जल्द अधिकारी लेंगे फैसला

अमृत विचार : स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से बना अर्बन हाट को शुरू करने की कवायद तेज कर दी गई है। हर्बन हाट को संचालित करने की जिम्मेदारी संभालने वाली फर्म ने स्मार्ट सिटी लिमिटेड को प्रजेंटेशन प्रपत्र जमा कर दिया है। अब इसमें मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल भी बनेगा, जबकि ऑडिटोरियम की बुकिंग शुरू कर गई दी है। लोगों को खरीदारी और मनोरंजन का लुत्फ उठाने के लिए अगस्त माह तक इंतजार करना होगा।

अर्बन हाट के संचालन के लिए बेंगलुरू की एक फर्म को जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसी के कर्ता-धर्ताओं ने अर्बन हाट को शुरू करने के लिए इसके डिजाइन में कुछ बदलाव करते हुए स्मार्ट लिमिटेड को प्रजेंटेशन प्रपत्र जमा किया है। इसमें बताया है कि अर्बन हाट में मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल का निर्माण किया जाएगा। ताकि लोगों को एक जगह पर ही खरीदारी के साथ ही मनोरंजन की भी सुविधा मुहैया कराई जा सके। इसकी मंजूरी इसी सप्ताह मिलने की उम्मीद है। इसके बाद अर्बन हाट को शुरू करने के लिए काम तेज कर दिया जाएगा। फर्म ने अर्बन हाट संचालित करने के लिए टेंडर मिलने के बाद इसे शुरू करने के लिए छह माह का समय मांगा था, जो अगस्त माह में पूरा हो जाएगा। अनुबंध के अनुसार फर्म को स्मार्ट सिटी लिमिटेड को सितंबर माह से किराया देना पड़ेगा, जो कि हर साल 6.03 करोड़ रुपये है। यह 30 साल तक का अनुबंध है। उधर, फर्म ने ऑडिटोरियम को शुरू कर दिया है, ताकि इसका जरूरतमंद फायदा उठा सकें। सीईओ स्मार्ट सिटी लिमिटेड संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि अर्बन हाट शुरू कराने के लिए फर्म तेजी से काम कर रही है। शहरवासियों की सुविधाओं का ख्याल करते हुए, इसे बनाया गया है। इसका प्रजेंटेशन भी फर्म ने जमा कर दिया है। एजेंसी छह माह का समय ली थी, जो अगले माह पूरा हो जाएगा।

कई सुविधाओं से लैस है अर्बन हाट

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से बने करीब 157.67 करोड़ की लागत से अर्बन हाट में स्थानीय जरी-जरदोजी और हस्तशिल्प कारीगरों को सुविधाएं देने लिए जगह दी जाएगी। परिसर में बाजार के साथ मनोरंजन का भी इंतजाम किया गया है ताकि लोगों को आकर्षित किया जा सके। अर्बन हाट में झूलों के साथ ही मल्टीपर्पज हॉल और एग्जीबिशन हॉल, जो विभिन्न प्रदर्शनियों और कार्यक्रमों के लिए होंगे। यहां आने वाले लोगों के लिए 450 गाड़ियों की क्षमता वाली पार्किंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही होटल और डारमेट्री होगी। फूड कोर्ट में तरह तरह के व्यंजन का लोग लुत्फ उठा सकेंगे। इसके अलावा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया गया है।

बरेली कॉलेज में आज से सीटें होंगी लॉक

बरेली, अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सोमवार से सीट लॉक होनी शुरू हो जाएगी। कॉलेज की ओर से 250 विद्यार्थियों को ईमेल और मेसेज भेजकर सीट लॉक कराने आने के लिए कॉलेज में बुलाया है। इसी तरह से रोजाना 250 विद्यार्थियों को बुलाया जाएगा। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई तक महाविद्यालयों को सीट लॉक करने का समय दिया है।

बरेली कॉलेज ने सीट लॉक करने के लिए स्थान निर्धारित किए हैं, जिसमें बीए के छात्रों की एमएड विभाग, छात्राओं की पुस्तकालय, बीएससी जीव विज्ञान के बायोटेक्नोलॉजी विभाग, बीएसी गणित के वनस्पति विज्ञान विभाग, बीकॉम के वाणिज्य विभाग, बीबीबी, बीसीए और बीकॉम ऑनर्स के संबंधित विभाग में ही सीट लॉक होंगी।

वहीं रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने स्नातक अंतिम वर्ष के अधिकांश परिणाम जारी कर दिए हैं। अब परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। परास्नातक में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जुलाई निर्धारित की है। इसके बाद महाविद्यालयों को मेरिट जारी कर सीट लॉक करने की तिथि निर्धारित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने बीए, बीएससी, बीकॉम और बीबीए के परिणाम जारी कर दिए हैं। कुछ पाठ्यक्रमों के परिणाम आने शेष हैं, जल्द ये भी जारी किए जाएंगे।

अमृत विचार

सोमवार, 28 जुलाई 2025

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

भीड़ प्रबंधन की जरूरत

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने से हुई जानलेवा भगदड़ ने एक बार फिर देश में भीड़ प्रबंधन क्षमता की खामियों को उजागर करने के साथ इस सवाल का उत्तर खोजने के लिए विवश कर दिया है कि आखिरकार हमारे धार्मिक स्थलों में इस तरह की भगदड़ क्यों मचती है। ऐसे हादसों में होने वाली मौतों का जिम्मेदार किसे माना जाए? कमी तैयारी और निगरानी में रह जाती है या समूची व्यवस्था ही लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है? प्रशासन पिछली घटनाओं से सबक क्यों नहीं लेता? देश के मंदिरों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में भगदड़ होना अगर कोई नई बात नहीं है, तो यह भी सही है कि हर हादसा, चाहे वह किसी पर्व या उत्सव के दौरान हुआ हो या अचानक लोगों का हुजूम उमड़ने का नतीजा रहा हो, भीड़ प्रबंधन की नाकाम रणनीति और सरकारी तंत्र की कमजोरी या विफलता ही उजागर करता रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के भीड़ प्रबंधन से जुड़े दिशा-निर्देशों को छोड़ दें, तो किसी भी राज्य या शहर में भीड़ प्रबंधन का एक जैसा प्रोटोकॉल नहीं है। कोई ऐसा कानून भी नहीं है, जो बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों को सफलता से क्रियान्वित और प्रबंधित करने की प्रणाली को अनिवार्य बनाता हो। सच तो यह भी है कि राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन टीमें प्राकृतिक आपदाओं में बढ़िया काम दिखाने के बावजूद भगदड़ जैसे हादसों से निपटने में शायद उतनी कुशल और दक्ष नहीं हैं। इसकी वजह यह भी है कि भगदड़ अचानक कुछ सेकेंड में मचती है और हालात बेकाबू होकर हाथ से निकल जाते हैं।

देश में आमतौर पर किसी भी आयोजन में भीड़ प्रबंधन का काम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के कंधों पर ही रहता है, लेकिन इनमें से तमाम अधिकारियों के पास भगदड़ नियंत्रण का पर्याप्त प्रशिक्षण और कुशलता नहीं होती है। बेंगलूरू में बीती चार जून को आईपीएल विजेता टीम की विक्ट्री परेड में हुई भगदड़ का सबक नाकाफी योजना ही था, जिसके कारण बड़ी मानवीय कीमत चुकानी पड़ी थी। इससे पहले इसी साल तिरुपति मंदिर, गोवा के श्रीलैराई देवी मंदिर, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ घटनाएं हमारी व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को झकझोर चुकी हैं। हाथरस में तो पिछले साल हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से साफ है कि हमें भीड़ को नियंत्रित करने का तौर-तरीका बदलना होगा। पुलिस बलों को तेजी से बदलते हालात के मुताबिक त्वरित प्रबंधन प्रतिक्रिया करना सीखना होगा। भगदड़ की स्थिति में सबसे आगे खड़े पुलिस कर्मी को रियल टाइम में सही फैसला लेने की क्षमता से लैस करना होगा, जिसकी समझ लगातार मॉक ड्रिल और अभ्यास से ही आती है। पुलिस बलों की कार्यशैली में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में दक्षता का स्तर बढ़ाना होगा। तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसकी मदद से ड्रोन और रियल-टाइम एनालिटिक्स समेत संचार और निगरानी की आधुनिक तकनीक भीड़ का गुब्बारा फटने से पहले आगाह कर सकती है

प्रसंगवश

आंखें खोलने वाला फैसला

देश भर के शैक्षिक संस्थानों और कोचिंग केंद्रों में छात्र-छात्राओं की बढ़ती आत्महत्या की घटनाएं रोकने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। शीर्ष कोर्ट ने इस संबंध में मौजूदा स्थिति को व्यवस्थागत विफलता ठहराते हुए कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए 15 बिंदुओं की गाइड लाइन जारी की है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, काउंसलिंग, शिकायत निवारण और संस्थागत जवाबदेही जैसे अहम उपायों को शामिल किया है। इसमें दो राय नहीं है कि पढ़ाई के बोझ, सामाजिक तानों, मानसिक तनाव और संस्थानों की बेरुखी जैसे कारणों से अगर छात्र-छात्राएं अपनी जान दे रहे हैं, तो बात साफ है कि समूची प्रणाली सवालों के घेरे में है। ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे देश की शिक्षा प्रणाली में एक अनकही बेचैनी और अविश्वास की बेल गहराई में जड़ जमा चुकी है। यही वजह है कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा की मूल आत्मा ही विकृत हो गई है। छात्रों को एक दूसरे से आगे निकलने की अंधाधुंध दौड़ में धकेला जा रहा है। इसके लिए उन पर लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव डाला जाता है। लेकिन यह नहीं सिखाया जाता है कि असफलता, निराशा या अनिश्चितता से कैसे निपटना है। सारी पढ़ाई छात्रों को सिर्फ परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सिमट गई है।

अमित नारायन

कानपुर

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट इसी गंभीरता को बयान करती है, जिसके मुताबिक देश में साल 2022 में 13 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की थी, जबकि दो दशक पहले साल 2001 में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या का आंकड़ा 5,425 ही था। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा है कि 2,248 छात्र-छात्राओं ने सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि वे परीक्षा में फेल हो गए थे। यह स्थिति देश के बीमार हो चुके शैक्षिक परिस्थितिकी तंत्र में न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य करती है। ऐसे में शीर्ष कोर्ट का यह कहना गलत नहीं है कि जिस किसी संस्थान की लापरवाही से कोई छात्र या छात्रा आत्महत्या करती है, तो उस संस्थान को कानूनी व प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के लिए ही शीर्ष कोर्ट ने सभी राज्यों को 60 दिनों के भीतर सुरक्षा मानदंड, काउंसिलिंग तथा शिकायत निवारण तंत्र बनाने वाले नियम-कानून अधिसूचित करने का आदेश दिया है। बात साफ है कि छात्र-छात्राओं के लिए एक ऐसी सहायता प्रणाली या व्यवस्था बनानी होगी जो उन्हें संभाल सके और मौजूदा हालात से बचाने वाला सुरक्षा कवच प्रदान कर सके। यह काम देश में एक जिम्मेदार नियामक ढांचा बनाकर ही किया जा सकता है, तभी पढ़ाई के बोझ, मनोवैज्ञानिक तनाव, उत्पीड़न, सामाजिक कलंक, संस्थागत असंवेदनशीलता जैसे कारणों से होने वाली युवाओं की असमय मौतों की रोकथाम का रास्ता सुनिश्चित हो सकेगा।

इस आम धारणा के विपरीत कि अधिकतर छात्र-छात्राएं खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण अपनी जान देते हैं, आत्महत्या की घटनाओं में कई बार अन्य कारक भी शामिल रहते हैं, जैसे रिश्ता टूटना, आत्म सम्मान को ठेस, सामाजिक अलगाव तथा पारिवारिक एवं मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं। वैसे जहां तक शैक्षिक संस्थानों में परामर्शदाताओं, मनोचिकित्सकों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की बात है, तो हालात पहले की तुलना में अब काफी कुछ बेहतर हुए हैं, और यह भी सही है कि शीर्ष शैक्षिक संस्थानों में घटित होने वाली आत्महत्याओं के मुकाबले कहीं अधिक विद्यार्थियों को आत्महत्या करने से रोकने में सफलता भी मिली है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस मामले में हमें अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी।

संबंध सुधारने की नई नीति का संकेत है मोदी का मालदीव दौरा

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे काम किए हैं जो इससे पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किए। इनमें से एक चारो ओर समुद्र से घिरे छोटे से पड़ोसी देश मालदीव का हालिया दौरा है जहां वह स्वाधीनता दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में गए। वह पहले ऐसे प्रमुख विदेशी नेता भी हैं जिनकी अगवानी पौने दो साल पहले सत्ता में आए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने की। महत्वपूर्ण यह है कि कट्टर चीन समर्थक मोहम्मद मोइज्जू ने अपने चुनाव अभियान में 'इंडिया आउट' यानि भारत को अपने देश से बाहर करने का नारा दिया था। इस दौरे को विदेश नीति में एक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है जिसके चलते भारत खुद अपने निकटतम पड़ोसी देशों से संबंध सुधारने की पहल कर रहा है।

पहलगाम की आतंकी कार्रवाई के बाद बीती मई के पहले सप्ताह में भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए जिनके बीच में अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का दावा कर दिया। मोदी के प्रतिवाद के बावजूद ट्रंप की ओर से भारत की संप्रभुता की तौहीन करने वाले इस तरह के दावे अब तक जारी हैं। इस सैन्य झड़प के समय भारत के परंपरागत मित्रों ने अपना समर्थन जताने में परहेज किया। इसके बाद दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर गया लेकिन सरकार उसकी मुलाकात राष्ट्राध्यक्षों या विश्व राजनीति के प्रभावशाली लोगों से करा पाने में विफल रही। इस दौरान पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं से बड़ी वित्तीय सहायता मिली और संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद मामलों के पैनल में उपाध्यक्ष पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि को नियुक्ति भी मिल गई। इन घटनाक्रमों से सीधा नतीजा निकाला गया कि भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ता जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के चीन दौरे के बाद प्रधानमंत्री के पहली बार मालदीव जाने को सबसे पहले पड़ोसियों से संबंध सुधारने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

यह मालदीव दौरा भी पुराने विवादों से अछूता नहीं रहा। इसी समय मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के नजदीकी रिश्तेदार और धार्मिक संगठन सलफ जमीयत के अध्यक्ष अब्दुल्लाह बिन मोहम्मद इब्राहिम ने ट्विटर पर कथित तौर पर मोदी को मुस्लिम विरोधी बताते हुए एक टिप्पणी की और बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि हमने पहले भी इस तरह की टिप्पणियों की परवाह नहीं की है और भारत-मालदीव संबंधों का भविष्य अच्छा है। मालदीव के पिछले चुनाव में मोइज्जू की भारी जीत में इस तरह के बयानों ने अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें वहां के किसी भी पूर्व राष्ट्रपति की तुलना में अधिक चीन समर्थक माना जाता है।

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी कर रखी है कि 2050 तक मालदीव का अस्सी प्रतिशत भाग समुद्र में डूब जाएगा। तब वह अपने निवासियों की जान बचाने के लिए निकटम पड़ोसी भारत के अलावा किससे और सहायता मांगेगा जिसकी दूरी 70 नॉटिकल मील है। भारत मान कर चल रहा था कि भूगोल ही दोनों देशों का भाग्य है जिससे बचा नहीं जा सकता। मालदीव हर मामले में भारत पर निर्भर रहा है। भारतीय स्टेट बैंक अब भी इस द्वीप का सबसे बड़ा बैंक है जिसने यहां पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में सबसे बड़ा योगदान दिया है।

मालदीव पर आए अब तक के तीन बड़े संकटों में भारत ही पहला मददगार रहा है। ये संकट थे 1988 का सैन्य तख्ता पलट, 2004 की सुनामी और 2014 का पेयजल संकट। वहां की स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा का ढांचा भारतीय डाक्टरों और शिक्षकों का खड़ा किया हुआ है। अब भी दूर-दराज के द्वीपों तक में वही काम कर रहे हैं। व्यापार और पर्यटन के मामले में भारत सबसे बड़ा साझेदार है। चावल, आटा, आलू, चीनी, अंडे समेत बालू और भवन निर्माण सामग्रियों की सप्लाई भारत से ही होती है। दिक्कत भारत की सत्ताधारी पार्टी की मुसलमानों से संबंधित नीति से शुरू होनी शुरू हुई जो पिछले वर्षों में मुसलमानों पर भीड़ के द्वारा किए जाने वाले हमलों और हिंदुत्ववादी नेताओं के बयानों के चलते अब काफी जटिल हो चुकी है। मालदीव एक धार्मिक रंगत वाला देश है। वहां के संविधान के मुताबिक सिर्फ सुन्नी मुसलमान ही वहां के नागरिक हो सकते हैं। मुसलमानों के अन्य फिरकों को भी वहां बसने की इजाजत नहीं है।

भारत की मुश्किल यह है समुद्र के रास्ते आतंकवाद, मालवाहक पोतों पर डकैती, नशीले पदार्थों के कारोबार और समुद्र में होने वाले अन्य अपराधों पर रोकथाम के लिए मालदीव की रणनीतिक स्थिति एक चेकपोस्ट की तरह है जिस पर चीन का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन के शासन के दौरान चीन समर्थक नीति अपनाई गई जिसके बाद से कर्जों का जाल बढ़ता गया है। पर्यटन से आय के कारण यह एशिया में प्रति व्यक्ति सबसे अधिक आमदनी वाला देश है इसलिए चीनी कर्जों का दुष्प्रभाव अभी नहीं दिखाई दे रहा है। भारत और मालदीव के पुराने आपसी एतिहासिक-राजनीतिक संबंधों का आधार परस्पर निर्भरता हुआ करती थी लेकिन चीन के साथ संबंधों की बुनियाद में पैसा या अर्थव्यवस्था है।

आमने

भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, "भारतीय गठबंधन, खासकर कांग्रेस, की मानसिकता इतनी गिर गई है कि उन्होंने चुनाव आयोग को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। जहां वे चुनाव जीतते हैं, वहां चुनाव आयोग और वोटिंग मशीनें ठीक हैं, लेकिन जहां वे हारते हैं, वहां वे संदेह पैदा करते हैं।

सामने

कांग्रेस नेता आशुतोष चटर्जी ने कहा, यह भाजपा के नेतृत्व में चुनाव आयोग द्वारा की गई धांधली है। 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस ने इसका विरोध किया। इसलिए, दक्षिण कलकत्ता जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर मॉडल लागू करने की साजिश कर रहे हैं।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच तनाव

राजेश जैन

कोटा

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए।

दक्षिण-पूर्व एशिया एक बार फिर अशांत है। कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है-प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।

वैसे भी 817 किलोमीटर लंबी थाई-कंबोडिया सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल के नक्शों में हैं। 1907 में बने नक्शों को थाईलैंड अब भी विवादित मानता है। कंबोडिया का कहना है कि प्रीह विहेयर और ता मुएन थोम जैसे ऐतिहासिक मंदिर उसके क्षेत्र में आते हैं, वहीं थाईलैंड इन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत मानता है।

2008 से 2011 के बीच इसी विवाद पर हुई झड़पों में 34 लोगों की मौत हो गई थी। 2025 की चिंगारी तब भड़की जब एक कंबोडियाई सैनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 जुलाई को हालात और बिगड़ गए जब ता मुएन थोम मंदिर के पास भारी गोलीबारी और हवाई हमले हुए।

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए। फिलहाल थाईलैंड ने सीमाएं सील कर दी हैं और कंबोडिया ने भी थाईलैंड से आने वाले आयात-जैसे फल, सब्ज़ियां, गैस और फिल्मों-पर रोक लगा दी है।

कंबोडिया पहले से ही चीन के प्रभाव में है। पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन और वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट दोनों को चीन का भरोसेमंद साथी माना जाता है। यही वजह है कि चीन इस पूरे घटनाक्रम में शांत तो है, पर उसकी मौजूदगी हर स्तर पर महसूस की जा सकती है।

दक्षिण कंबोडिया में चीन द्वारा विकसित किया गया रीम नौसैनिक अड्डा अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। माना जाता है कि ऐसे ठिकाने दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक चीन की सामरिक पहुंच बढ़ा सकते हैं। थाईलैंड लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है और कोबरा गोल्ड जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में अमेरिका के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। लेकिन बीते वर्षों में चीन से उसके आर्थिक और सैन्य रिश्ते भी गहरे हुए हैं। अगर चीन इस टकराव में मध्यस्थ बनता है, तो वह अमेरिका के प्रभाव को तो काफी हद तक कम कर ही सकता है, साथ ही दोनों देशों के साथ व्यापार और निवेश को भी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा सकता है।

भारत की चिंताएं और कूटनीतिक चुनौती-भारत के लिए यह संघर्ष कई वजहों से चिंता का कारण है। थाईलैंड 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मुख्य प्रवेश द्वार है, जबकि कंबोडिया 'मेकोंग-गंगा सहयोग' में एक अहम साझेदार। भारत ने दोनों देशों में डिजिटल कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक परियोजनाओं और रणनीतिक संवादों पर काम किया है। लेकिन अगर दोनों देशों के बीच यह तनाव लंबा चलता है, तो भारत की कूटनीतिक स्थिति अस्थिर हो सकती है। भारत को संतुलन साधना होगा-दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होगी। भारत को चाहिए कि वह आसियान के साथ संवाद और सहयोग को और मजबूत करे। मेकोंग-गंगा सहयोग के तहत थाईलैंड और कंबोडिया दोनों में सांस्कृतिक और विकास परियोजनाओं को गति दे। क्षेत्रीय मंचों का उपयोग करके सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था पर संवाद बढ़ाना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही भारत को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि क्षेत्रीय स्थिरता में उसका सीधा हित है और वह किसी भी बाहरी दबाव के खिलाफ अपने साझेदारों के साथ खड़ा रहेगा।

कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आपात बैठक की मांग की है और मामला फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार को नकारते हुए सिर्फ द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। इसके लिए उसने पहले युद्धविराम की शर्त रखी है। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

सामयिकी

सर्वोच्च न्यायाधीश है प्रकृति

सभ्य समाज को बांधकर रखने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व न्याय है। न्याय व्यवस्था पर हमारे विश्वास ने ही सामाजिक व्यवस्था की गतिशीलता और क्रियाशीलता को बनाए रखा हुआ है। हालांकि रोजमर्रा के दैनिक जीवन में अनेक ऐसे अवसर आते हैं जब बाह्य न्याय व्यवस्था पर हमारा विश्वास खंडित होने लगता है। उस स्थिति में हताश और बेबस व्यक्ति के मन से बस एक ही वाक्य निकलता है कि अब ईश्वर/प्रकृति न्याय करेगी और यह सत्य भी है कि बाह्य न्याय व्यवस्था की तमाम खामियों के बावजूद प्रकृति की न्याय व्यवस्था सटीक, वस्तुनिष्ठ और परिशुद्ध है।

बीना नयाल

दिल्ली

बाह्य न्याय व्यवस्था की ही भांति प्रकृति का न्याय भी कई बार त्वरित और कई बार देरी से होता है परंतु होता अवश्य है। बाह्य न्याय व्यवस्था आपके दोष सिद्ध होने पर आपको केवल शारीरिक और मानसिक कष्ट पहुंचाती है परंतु प्रकृति की न्याय व्यवस्था तो कई बार मौन कुल्हाड़ी की भांति आपकी आत्मा को ही लहूलुहान कर देती है।

मेरे दिवंगत पिताजी यह कहानी सुनाया करते थे कि उनके एक जानकार पेंशन विभाग में कार्यरत उच्च अधिकारी थे। रोज दफ्तर में पेंशन बनवाने के कार्य से अनेकों परेशान वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर आते थे जिनकी लाचारी का फायदा उठाकर वे मनमानी वसूली किया करते थे। वसूली करते हुए उन्होंने आय के अतिरिक्त काफी धन संपत्ति एकत्रित कर ली थी। उनका एक विकलांग बेटा था। देखने में सुदर्शन, पढ़ने में औसत के साथ वाणी व सुनने में सीमित शक्ति। अधिकारी की इच्छा थी कि उनके पद पर रहते बालक कहीं सरकारी सेवा में नियुक्त हो जाए। विकलांग कोटा तो था ही। लेकिन जब विकलांग कोटा में भी पेपर पास नहीं हुआ तो नौकरी के लिए मोटी रकम रिश्वत में दी और लगे हाथ धूमधाम से बेटे का विवाह किया लेकिन बेटे की विकलांगता के कारण साल भर में ही बेटे का विवाह विच्छेद हो गया।

अधिकारी भी सेवानिवृत हो गए। अपने जीवन भर की उपरी कमाई का नफा नुकसान लगाया तो वह लगभग उतना ही था जितना बेटे की नौकरी में रिश्वत और विवाह में खर्च हुआ। कुल मिलकर परेशान और असहाय वृद्ध लोगों की बददुआओं ने उनके पुत्र रूपी आत्मा पर आघात किया। वहीं एक मेरे भी एक परिचित है जिन्होंने जीवन भर नौकरी में ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को पूरा किया और सरल, सदव्यवहार के कारण कई बार सहकर्मियों ने काम के मामले में उनका शोषण भी किया परंतु मित्र अपने सदाचार से डिगे नहीं। प्रकृति ने उनको सुयोग्य व सफल संतान के रूप में पुरस्कृत किया। आज बेटा मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर आसीन है और बेटी राज्य प्रशासनिक अधिकारी है। दोनों ही उद्धरणों में प्रकृति न्यायाधीश की भूमिका में है। आप अपने गलत कर्मों को सबसे छुपा सकते हैं लेकिन अपनी अंतरात्मा और प्रकृति से नहीं।

प्रकृति के पांचो तत्व पंचों की भांति आपके कर्मों को अवलोकन कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न कसौटियों पर परख रहे हैं और कर्म रूपी वृक्ष के पुष्पित फलित होने पर फल जब परिपक्व होकर जब आपकी गोद में गिरता है तो उसकी तीक्ष्णता और मृदुलता की तीव्रता आपके द्वारा रोपित बीजों पर निर्भर है। शिशुपाल वध के लिए भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र का प्रयोग करके के दौरान उंगली कटने पर द्रौपदी ने अविलंब आंचल का जो चीर बांधा, ईश्वर ने वही चीर वस्त्र हरण के समय कई गुना कर द्रौपदी की लाज बचाने हेतु लौटाया। कर्मों का खेल भूल भुलैया की भांति ना समझने वाले के लिए जटिल और क्लिष्ट है तो अर्जुन की भांति भक्त के लिए अत्यंत सरल और बोधगम्य है।

सोशल फोरम

राजनीति भी सरकारी नौकरियों की तरह

देश में ट्रक बनाने वाली दो प्रमुख कंपनियां टाटा और अशोक लेलैंड हैं। वी एफ जे में काम करने के दौरान अशोक लेलैंड के कुछ सीनियर अफसरों से मिलने पर पता चलता था कि वे अशोक लेलैंड में आने के पहले 20-30 साल टाटा में काम कर चुके थे। बाद में उन्नति के लिए उन्होंने कंपनी बदली। प्राइवेट संस्थानों में उन्नति के लिए कुछ साल बाद कंपनी बदलने का चलन आम बात है। नौकरी वहां 'कांट्रैक्ट मैरिज' टाइप होती है। सरकारी नौकरियां हिंदुस्तानी विवाह की तरह होती हैं। नौकरी करने वाला इंसान हिंदुस्तानी बहुओं की तरह होता है। जिस घर मे डोली आई वहीं से अर्थी निकलने की तर्ज पर जहां ज्वाइन करता है वहीं से रिटायर मेंट लेता है। पहले की राजनीति भी आमतौर पर सरकारी नौकरियों की तरह करते थे लोग। जिस दल, विचार धारा से शुरू करते थे, आमतौर पर उसी से जुड़े रहते थे। इधर सरकारी नौकरियां तेजी से कम हुई हैं। काम चलाने के लिए कांट्रैक्ट वर्कर का चलन बढा है। ठिकाना नहीं कि कब निकाल दिए जाएं। राजनिति में भी प्राइवेटाइजेशन बढ़ा है। लोग मौका देखकर धुर विरोधी पार्टी में शामिल होने में गुरेज नहीं करते। बल्कि मौके पर पार्टी और स्टैंड बदल लेना सबसे बड़ी समझदारी मानी जाती है। जिसको गरियाते हुए सत्ता में पाई बाद में उसी के साथ सरकार बनाना सफल और समझदार राजनीतिज्ञ की निशानी है।

अनूप शुक्ल

कानपुर

देश के राजनीतिज्ञ समझदार होते जा रहे हैं। वे ठेके पर काम करने वाले मजदूरों की तरह काम करने लगे हैं। जो ठेकदार रोजी-रोटी देगा उसी के जुड़कर जनता की सेवा करने पर मजबूर है। आज राजनीति का सबसे बड़ा ठेकेदार बाजार है। क्या पक्ष क्या विपक्ष सब बाजार के इशारे पर उठते-बैठते, हिलते-डुलते हैं। बाजार के इशारे पर पक्ष-विपक्ष आपस में ग्लेडियेटर की तरह लड़ने का नाटक करते हैं। बाजार दोनों में से किसी को मरने नहीं देता। जिंदा रखता है दोनों को। आखिर दोनों को बनाने में उसका ही पैसा लगता है। जनता बेचारी इन्हीं लोगों से अपनी सेवा कराने को मजबूर है। जिसको वह अपनी सेवा के लिए चुनती है वह अगर बाजार को पसंद नहीं आता तो वह उसे बदल देता है। आखिर सेवक चुनने में पैसा तो उसी का लगता है। इसलिए जनता का सेवक चुनने का हक भी उसी को है। जनता को तो बस सेवा से मतलब होना चाहिए। सेवक कौन होगा यह तय करना बाजार का काम है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आज की युवा पीढ़ी न केवल स्टाइलिश लुक चाहती है, बल्कि दमदार परफॉर्मेंस और माइलेज का भी ख्याल रखती है। यही कारण है कि मोटरसाइकिल कंपनियां युवाओं के लिए लगातार नए-नए फीचर से लैस बाइक मॉडल ला रही हैं। भारत में 150 सीसी से लेकर 350 सीसी सेगमेंट की बाइकों की मांग सबसे ज्यादा है। आइए जानते हैं आज के युवाओं की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइकों के बारे में

युवाओं की पहली पसंद बनीं स्टाइलिश व दमदार बाइकें

रॉयल एनफील्ड हंटर 350

- रॉयल एनफील्ड का नाम ही रॉयल है और इसकी हंटर 350 बाइक आज युवाओं की पहली पसंद बन चुकी है। कंपनी की सबसे किफायती बाइक्स में शामिल यह मॉडल अगस्त 2022 में लांच हुआ था। आज यह न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमा चुकी है। हंटर 350 में 350 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन है, जो 27 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसका वजन 181 किलोग्राम है। यह दो वेरिएंट्स – रेट्रो (स्पोक रिम, ट्यूब टायर) और मेट्रो (एलॉय व्हील) में आती है। यह बाइक आठ आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। 35–40 किमी/लीटर का माइलेज, दमदार परफॉर्मेंस और स्टाइलिश डिजाइन के चलते यह भारत ही नहीं, विदेशों में भी धूम मचा रही है। हंटर 350 को रॉयल एनफील्ड की अब तक की सबसे फुर्तीली और ट्रेंडी बाइक माना जा रहा है।

कीमत
1.50
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
35-40
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
स्टाइलिश लुक, रेट्रो डिज़ाइन, रॉयल एनफील्ड ब्रांड की विरासत

बजाज पल्सर एन160

बजाज पल्सर एन160 नई पीढ़ी की एक स्टाइलिश और मस्क्युलर बाइक है। जो परफॉर्मेंस, सेफ्टी और डिज़ाइन का बेहतरीन मेल पेश करती है। इसमें 165सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन दिया गया है, जो शानदार पावर और स्मूथ राइडिंग का अनुभव देता है। यह बाइक डुअल चैनल एबीएस के साथ आती है, जो ब्रेकिंग के दौरान बेहतर कंट्रोल और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसका ऑल–ब्लैक लुक, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, स्लीक टेललाइट और स्पोर्टी बॉडी इसे युवाओं के बीच और भी आकर्षक बनाते हैं। इसकी बेहतर ग्राउंड क्लियरेंस और सस्पेंशन सेटअप खराब रास्तों पर भी आरामदायक राइड देते हैं। हालांकि इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी या स्मार्ट जोनेक्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स नहीं हैं। लेकिन इसकी ताकतवर परफॉर्मेंस, दमदार लुक और बजट फ्रेंडली प्रकृति इसे एक भरोसेमंद मिड–साइज बाइक बनाती है।

कीमत
1.30
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
40-45
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
डुअल चैनल एबीएस, दमदार ब्रेकिंग, नया इंजन ट्यून

केटीएम ड्यूक 200

- केटीएम ड्यूक 200 एक प्रीमियम स्पोर्ट्स नेकेड बाइक है। जो युवाओं के बीच अपनी रफ्तार, स्टाइल और एग्रेसिव डिज़ाइन के लिए जानी जाती है। इसका 199 .5 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, सिंगल–सिलेंडर इंजन जबरदस्त पावर और तेज़ पिक–अप देता है, जो शहर की सड़कों से लेकर हाईवे तक शानदार प्रदर्शन करता है। हल्का ट्रेलिस फ्रेम और बेहतर वज़न संतुलन इसे स्टंट और ट्रैफिक दोनों के लिए उपयुक्त बनाता है। इसमें मिलने वाली शानदार रोड ग्रिप, डब्ल्यूपी सस्पेंशन, एलईडी लाइट्स और डिजिटल डिस्प्ले इसे और भी प्रीमियम फील देते हैं। बाइक का आक्रामक लुक और ऑरेंज–सिग्नेचर थीम इसे यूथ आइकन बना देती है। हालांकि, इसका माइलेज थोड़ा कम है और मेंटेनेंस कॉस्ट अपेक्षाकृत ज्यादा हो सकता है। फिर भी, स्पीड और स्पोर्टी एक्सपीरियंस चाहने वालों के लिए यह बाइक एक बेहतरीन विकल्प है।

कीमत
1.96
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
33–35
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
रेसिंग डीएनए, अडवेंचरस लुक, टॉर्की इंजन

टीबीएस अपाचे आरटीआर-160 4वी

टीबीएस अपाचे आरटीआर–160 4वी एक स्पोर्टी, किफायती और फीचर–लोडेड बाइक है। जो खासकर युवा राइडर्स के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 159 .7 सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन बेहतरीन पावर और माइलेज का संतुलित अनुभव देता है। जिससे यह शहर और हाईवे दोनों पर दमदार प्रदर्शन करती है। बाइक में स्मार्ट जोनेक्ट तकनीक के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गियर शिफ्ट इंडिकेटर, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और तीन राइडिंग मोड्स जैसे मॉडर्न फीचर्स मिलते हैं। इसका मस्कुलर टैंक और एग्रेसिव ग्राफिक्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स लुक देते हैं। टीवीएस की विश्वसनीयता, कम मेंटेनेंस कॉस्ट और किफायती सर्विस इसे कॉलेज स्टूडेंट्स और डेली कम्यूटर के लिए परफेक्ट चॉइस बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो स्टाइल, परफॉर्मेंस और बजट – तीनों को एक साथ पाना चाहते हैं।

कीमत
1.25
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
40-45
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, सस्पेंशन और बैलेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन

यामाहा आर-15 वी-4

- यामाहा आर–15 वी–4 एक स्पोर्टी और स्टाइलिश बाइक है। जो खास तौर पर युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 155 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, 4–स्ट्रोक वीवीए इंजन शानदार पिक–अप और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। यह न सिर्फ तेज़ रफ्तार में बेहतरीन स्थिरता देता है, बल्कि माइलेज के मामले में भी अच्छा विकल्प माना जाता है। इसमें मिलने वाले ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, डुअल चैनल एबीएस, स्लिपर क्लच और एलईडी हेडलाइट्स जैसे एडवांस फीचर्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक बनाते हैं। बाइक का डिज़ाइन पूरी तरह से रेसिंग इंस्पायर्ड है, जिसमें एग्रेसिव फ्रंट, एयरोडायनामिक बॉडी और स्टाइलिश ग्राफिक्स दिए गए हैं। इसका डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे स्मार्ट फीचर्स भी युवाओं को खूब लुभाते हैं।

कीमत	माइलेज	क्यों खास
1.82 लाख रुपये से शुरू	40–45 किमी प्रति लीटर	डुअल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, एलईडी हेडलाइट्स

* बाइकों के प्राइस सभी प्रदेशों में अलग हो सकते हैं।

बाजार दिखा बड़ा लेकिन खरीदार है छोटा

टिक पाएगी टेस्ला इंडिया में!

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है। टेस्ला की Model Y भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से 70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत 11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरुआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या यह टिक पाएगी?

टेस्ला को बनानी होगी जगह

- भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ–साथ भारतीय ग्राहक "वैल्यू फॉर मनी" भी चाहता है। भारत में आज भी SUV सेक्टर में 20–30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज–बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5% थी। यानी 100 में से सिर्फ एक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

भारत की ईवी नीति और इंपोर्ट टैक्स बड़ी चुनौती

भारत की EV नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70% से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई EV नीति के तहत 4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं। अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7–12% है, जबकि अमेरिका में यह 40% के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है "ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं।" उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा "चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!" यह सिर्फ एक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में EV गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एक बड़ी चुनौती

- अब सवाल यह भी है कि क्या भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर टेस्ला जैसे ब्रांड को सपोर्ट करने के लिए तैयार है? फिलहाल नहीं। टेस्ला ने भले ही मुंबई और दिल्ली मेंसुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बनाई हो, लेकिन पूरे देश में नेटवर्क बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। और जब तक यह नेटवर्क तैयार नहीं होता, तब तक टेस्ला का बाजार केवल दिखावे तक सीमित रहेगा। टेस्ला का भविष्य इस पर भी निर्भर करेगा कि वह भारतीय ग्राहकों के लिए क्या पेशकश करती है। अगर टेस्ला भविष्य में 40–45 लाख की रेंज में कोई मॉडल लाती है, तो वह मिड प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है। ये वही ग्राहक हैं जो 30 लाख की गाड़ी खरीदने की हैसियत रखते हैं और ब्रांड वैल्यू के लिए थोड़ा और खर्च करने को तैयार रहते हैं। लेकिन जब सामने टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे भरोसेमंद ब्रांड हों, तो टेस्ला को केवल ब्रांड इमेज के सहारे सफलता नहीं मिलेगी। इतिहास भी यही कहता है। हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों ने भी भारत में धमाकेदार एंट्री की थी, लेकिन कुछ वर्षों बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। वजह साफ थी भारतीय बाजार को समझने में चूक। सिर्फ नाम और टेक्नोलॉजी से भारत में गाड़ी नहीं बिकती, यहां लोगों की जरूरत, खर्च की सीमा और सेवा नेटवर्क की अहम भूमिका होती है।
- भारत में EV का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन अभी शुरुआती दौर में है। 2025 तक कुल गाड़ियों की बिक्री में EV की हिस्सेदारी केवल 4% रहने का अनुमान है। ऐसे में टेस्ला को जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति से काम लेना होगा। उसे भारत के लिए खास मॉडल, कीमत और सर्विस नीति बनानी होगी। टेस्ला की भारत में एंट्री एक नई शुरुआत है, लेकिन इसका भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि क्या एलन मस्क भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक साझेदार मानते हैं। अगर वह भारत में उत्पादन, रोजगार और तकनीक साझा करते हैं, तो उन्हें भारत का दिल भी मिलेगा और बाजार भी। वरना यह एंट्री भी एक शानदार लेकिन अल्पकालिक तमाशा बनकर रह जाएगी।

ऑटो टिप्स

बारिश में क्यों फटते हैं गाड़ी के टायर

टायर फटना यानी खतरे का संकेत। अचानक होने वाली घटना होती है टायर फटना, खासकर जब आप कहीं जा रहे हो। टायर फटने की वजह से कई बार बड़े हादसे होते हैं जिनकी वजह से लोगों की जान तक चली जाती है। अक्सर देखने में आता है कि लोग गाड़ी का ध्यान तो खूब रखते हैं लेकिन टायर्स की देखभाल नहीं करते और बाद में उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। बारिश में टायर फटना आम बात है। बारिश के गड्ढों में ईंट या गिट्टी की कचक से भी टायर कई बार फट जाते हैं जब गड्ढे में गाड़ी हिचकोले खाते हुए अंदर से बाहर सड़क पर आती है। अगर टायर में हवा जरूरत से ज्यादा है तो टायर फट सकता हैं। कम हवा होने पर टायर ज्यादा गर्म होता है और दीवारें झुकती हैं, जिससे ब्लोआउट का खतरा बढ़ता है।

ओवरलोडिंग

- गुरुनानक आटोमोबाइल्स के आनर्स राजू बताते हैं कि जब गाड़ी की क्षमता से ज्यादा लोड डाला जाता है, तो टायरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और तेज रफ्तार पर टायर ब्लास्ट हो सकता है। वे बताते हैं कि पंक्चर, कील, तेज पत्थर या कोई नुकीली वस्तु टायर की सतह को डैमेज कर देती है। हाईवे पर तेज रफ्तार में गड्ढे में लगने से टायर का साइडवॉल फट सकता है।

पुराने या घिसे हुए टायर

- कंपनी डीलर्स के मुताबिक टायर की उम्र 5–6 साल होती है या अधिकतम 40,000–50,000 किमी तक। घिसे हुए टायरों की ग्रिप कम होती है और रबर सख्त होकर क्रैक करने लगता है, जिससे ब्लोआउट हो सकता है। टायर फटने का एक कारण यह भी माना जाता है कि अगर टायर सही ढंग से फिट नहीं किया गया है या रिम खराब है, तो टायर संतुलन खो सकता है और फट सकता है।

परिवारों में तेजी से बढ़ रही है शिक्षित मेड की मांग

मुंबई। दोहरी आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या और दैनिक काम के लिए बाहरी सहायता पर बढ़ती निर्भरता के कारण शिक्षित घरेलू सहायक-सहायिकाओं (मेड) की मांग कई गुना बढ़ गई है। भर्ती मंच वर्कइंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, विभिन्न शिक्षा स्तर वाले घरेलू सहायकों की भूमिकाओं में 2024 में सालाना आधार पर तेज वृद्धि हुई। इस दौरान 10वीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त लोगों की मांग में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एक्सपो में 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित भारत मंडपम में आयोजित तीन दिन के गिफ्ट वर्ल्ड एक्सपो-2025 में 650 प्रदर्शकों ने 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन किया। आयोजक मेक्स एक्जीबिशन्स प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि 24 से 26 जुलाई तक आयोजित इस अंतरव्यापारिक (बी2बी) प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने हिस्सा लिया। इसमें भारत के कोने-कोने से आए कॉरपोरेट खरीदार, सोर्सिंग प्रमुख, खुदरा विक्रेता, संस्थागत खरीदार और उद्यमी शामिल हुए। आयोजक ने बताया कि 650 से अधिक प्रदर्शकों, 4,000 से अधिक ब्रांड और 30,000 से अधिक उत्पादों के प्रदर्शन के साथ, इस प्रदर्शनी ने व्यक्तिगत, कॉरपोरेट, उत्सव और लक्जरी गिफ्टिंग खंड के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग केंद्र के रूप में अपना योगदान दिया।

12,000 कर्मियों की छंटनी करेगी टीसीएस

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है, जिनमें से ज्यादातर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के होंगे। टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की। टीसीएस ने एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

सेंसेक्स की 6 कंपनियों का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.22 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। बसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 294.64 अंक या 0.36 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,22,193.17 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर

आरबीआई की एमपीसी के सदस्य नागेश ने कहा- 6.5 % की दर से आगे बढ़ने में कोई चुनौती नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही।

कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, वास्तव में, एक-तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं, औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं। कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा, और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7.5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है।

यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा। अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी। केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति अगस्त में अपनी अगली द्विमासिक नीति की घोषणा करने वाली है। कुमार ने कहा, इसलिए, एमपीसी न केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों, बल्कि अन्य सभी वृहद मापदंडों के रुझान पर भी गौर करेगी। इन्हीं के आधार पर एमपीसी को किसी निष्कर्ष पर पहुंचना होगा। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है।

अमेरिका से समझौता हुआ तो हमारे लिए विशाल बाजार के रास्ते खुलेंगे

अमेरिका के साथ भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक सवाल के जवाब में, कुमार ने कहा, अगर हम इस समझौते को पूरा कर पाते हैं, तो हमें श्रम-प्रधान क्षेत्र में अमेरिका के विशाल बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी, जहां भारत को अपने प्रचुर श्रम संसाधनों के कारण प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त है। उन्होंने बताया कि भारत को अपने कृषि क्षेत्र, डेयरी क्षेत्र और कुछ अन्य क्षेत्रों को खोलने को लेकर कुछ चिंताएं हैं। यह देखते हुए कि व्यापार वार्ताएं लेन-देन पर आधारित होती हैं। उन्होंने कहा, कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए, हम बाजार खोलने पर सहमत होते हैं, लेकिन एक कोटा निर्धारित किया जा सकता है। इससे भागीदार देश को सीमित मात्रा में शुल्क लाभ सीमित अवधि के लिए मिलेगा। एफडीआई पर एक सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि जहां तक कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का संबंध है तो यह 71 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 81 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, तो अच्छी वृद्धि है।

सोने ने पहली छमाही में दिया 27% रिटर्न, नए निवेश से बचें: विशेषज्ञ

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ सोने की कीमतों में कमी आ सकती

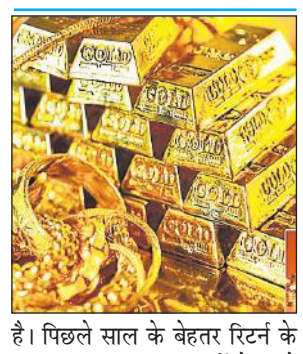

सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी मजबूती बनाए हुए है और 2025 की पहली छमाही में इस बहुमूल्य धातु ने निवेशकों को लगभग 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की जरूरत है। उनका कहना है कि सोने में मौजूदा तेजी लंबी खिंचती दिख रही है। ऐसे में कीमतें फिर से बढ़ने से पहले कुछ समय के लिए थम सकती हैं और इसमें कुछ गिरावट आ सकती है।

मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी पारंपरिक मजबूती बनाये हुए है। एमसीएक्स में सोना इस साल की पहली छमाही में करीब 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम से जून, 2025 के अंत में 96,075 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। और अगर हम चालू वित्त वर्ष की शुरुआत अप्रैल, 2025 से बात करें, तो सोने ने निवेशकों को लगभग 33 प्रतिशत का उल्लेखनीय रिटर्न दिया है। पिछले साल के बेहतर रिटर्न के साथ यह सभी परिसंपत्ति वर्गों में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले निवेश उत्पादों में से एक बन गया है। मौजूदा हालात में सोने में निवेश के बारे में पूछे जाने पर कलंत्री ने कहा, 2025 की पहली छमाही निश्चित रूप से सोने के लिए अनुकूल थी, लेकिन अब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ, सोने की कीमतों में कमी आ सकती है। ऐसे में हमारी निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की सलाह है। अल्पकाल के लिए निवेश करने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा चांदी में लगाने पर विचार कर सकते हैं।

समयबद्ध सेवाएं देने के लिए मंत्रालयों के लिए बने कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

- देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी हो शामिल : सीआईआई

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को केंद्रीय मंत्रालयों के व्यवसायों को समयबद्ध सेवाएं देने की गारंटी के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की अपील की। सीआईआई ने यह भी कहा कि इसमें देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी शामिल होना चाहिए।

भारतीय उद्योग परिसंघ ने तर्क दिया कि यह सुधार नियामकीय निश्चितता को मजबूत करने, पूर्वानुमान को बढ़ाने और भारत में समग्र रूप से कारोबारी सुगमता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। उद्योग मंडल ने कहा कि एक प्रमुख चुनौती मंजूरी की समयसीमा को लेकर अनिश्चितता के बारे में है, जिससे देरी और लागत में वृद्धि होती है। सीआईआई ने कहा कि इस मुद्दे का समाधान करने से भरोसा मजबूत होगा और समय पर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर

मुंबई। आरबीआई अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, इस समय कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से निचले स्तर पर हैं। अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

एफटीए: उद्योगों की जागरूकता के लिए होंगी 1,000 बैठकें

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन होंगे कार्यक्रम

सरकार भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन में देशभर में हितधारक बैठकों, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और रायशुमारी सत्रों सहित कुल 1,000 संपर्क कार्यक्रम आयोजित करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

इस कवायद का मकसद 24 जुलाई को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना और इसके लाभ को अधिकतम करना है। संबंधित मंत्रालय भी समझौते पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे। केंद्रीय दल इस व्यापार समझौते के फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा भी करेंगे। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यहां व्यापार समझौते पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ बैठक करेंगे।

इसके साथ ही कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क भी कम हो जाएगा। गोयल ने 26 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पहले ही विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों से बात करने का निर्देश दिया है, जो इस समझौते के लागू होने के बाद अब अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। संसद सत्र चलने तक मैं हर क्षेत्र के साथ क्षेत्रीय बैठकें करूंगा और उसके बाद सभी राज्यों का दौरा करूंगा। भागलपुर सिल्क (बिहार), पश्मीना शॉल (जम्मू और कश्मीर), कोल्हापुरी चप्पल (महाराष्ट्र) और तंजावुर गुड़िया (तमिलनाडु) अब ब्रिटेन भर के मॉल और दुकानों में प्रमुखता से दिखाई देगी।

ब्रिटेन को शुल्क में राहत की पेशकश

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन, सौंदर्य प्रसाधन और माइक्रोवेव ओवन सहित कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क में रियायतें दी हैं, जबकि घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा है। पिछले बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) केक, प्रोटीन कॉन्संट्रेट, पशुओं के भोजन, साबुन, शेविंग क्रीम, डिटर्जेंट, और एयर कंडीशनर (एसी) व वाशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

राष्ट्रीय

ऑपरेशन सिंदूर से साबित हुआ आतंकियों व भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा - सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में आत्मविश्वास पैदा किया

गंगईकोंडा चोलपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल प्रधानमंत्री मोदी को तस्वीर भेंट करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है।

यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कहा, दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो वह कैसे जवाब देता है। उन्होंने कहाजब मैं हेलीपैड से यहां आया, तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई, और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए। मोदी ने कहा कि सम्राट राजराज चोल व उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। मोदी ने कहा कि लोकतंत्र पर टिप्पणी करते हुए कई लोग ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा का जिक्र करते हैं, जबकि चोल कालीन 'कुडवोलाई प्रणाली' उससे भी पुरानी है।

लगाई जाएंगी चोल सम्राट व उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में रविवार को प्रतिष्ठित चोल सम्राट राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आदि तिरुवथिरई महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं भारत की ऐतिहासिक चेतना के आधुनिक स्तंभ को प्रतिबिंबित करेंगी।

निर्वाचन आयोग एसआईआर पर करे पुनर्विचार : सिंघवी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संस्थागत अहंकार नहीं रखना चाहिए और बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को रोकना चाहिए।

भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता नीलोत्पल बसु के साथ यहां आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही कवायद एक नागरिकता परीक्षा बन गई है और उन्होंने इसकी वैधता पर सवाल उठाया।

ग्लास ब्रिज

रत्नागिरी : महाराष्ट्र में साहसिक और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रोमांचक नया अध्याय शुरू हो गया है। सिंधुदुर्ग जिले में वैभववाड़ी के पास नपने झरने पर बने पहले नवनिर्मित कांच के पुल का रविवार को उदघाटन किया गया। ● एजेंसी

डामर संयंत्र में टैंकर में विस्फोट, तीन की मौत

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा के पास एक संयंत्र में रविवार शाम डामर गर्म करने के दौरान एक टैंकर में विस्फोट हो गया, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। भद्रवा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना वडोदरा जिले के सावली तालुका के मोक्षी गांव में हुई।

अधिकारी ने बताया कि वाहन से चिपके हुए डामर को बैरल में डालने के लिए एक टैंकर को गर्म किया जा रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया और समीप खड़े तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में वाहन का चालक और खलासी के साथ-साथ एक मजदूर भी शामिल है।

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात कर उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास 'शिवतीर्थ' से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे।

उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया। राज ने उद्धव को लाल गुलाब का एक बड़ा गुलदस्ता भेंट किया। राज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बड़े भाई, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर, मैं अपनी शुभकामनाएं देने के लिए दिवंगत माननीय बालासाहेब ठाकरे के निवास मातोश्री गया। मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें पृष्ठभूमि में उनके चाचा और उद्धव के पिता बाल ठाकरे की तस्वीर लगी हुई दिखाई दे रही है।

शिक्षा ऐसी हो जो अपने दम पर जीवित रहने में मदद करे: भागवत

कोच्चि। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। यह भी कहा कि भारतीय शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज़ किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है। भागवत ने यह बात यहां आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कही। कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है, इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली-समृद्ध बनना होगा।

हंगामे की भेंट चढ़े पहले सप्ताह के बाद पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर पर छिड़ेगी तीखी बहस

- राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद सोमवार से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के 'मजबूत' रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह लगभग व्यर्थ चला गया था।

राहुल पाकिस्तान के विमर्श को दोहरा रहे : भाजपा

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा ने रविवार को राहुल गांधी पर पाकिस्तान का विमर्श आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सभ्य दुनिया भारत के साथ खड़ी थी। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी ने पूछा: 'किसने समर्थन किया हमें?' वे लगातार पाकिस्तान की घिसी-पिटी रट दोहराते रहते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। आइए इस झूठ को पूरी तरह उजागर करें।

निर्धारित चर्चा पर कांग्रेस बोली- देर आए दुरुस्त आए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में होने वाली चर्चा को लेकर रविवार को कहा कि यह चर्चा बहुत समय से लंबित थी लेकिन देर आए दुरुस्त आए। कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रुकवाने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के दावों समेत संसद में सोमवार को होने वाली इस चर्चा की पृष्ठभूमि से जुड़ी घटनाओं पर प्रकाश डाला। पार्टी नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लोकसभा में कल से पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की बहस शुरू होगी और राज्यसभा में यह बहस परसों होगी।

शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू कुलपति से सफाई मांगी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित से एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में उनकी अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह पाया गया कि पंडित बिना औपचारिक अनुमति के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल नहीं हुईं। इस मुद्दे पर जेएनयू की कुलपति की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सूत्र ने कहा, पंडित की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया गया है। ऐसी परिस्थितियों में कुलपतियों को पूर्वानुमति लेनी होती है। कुलपतियों के सम्मेलन के साथ ही जेएनयू में एक सम्मेलन आयोजित किया जाना था। लेकिन यह ध्यान में रखा जाना चाहिए था कि इस सम्मेलन के लिए निमंत्रण बहुत पहले ही दे दिया गया था। शिक्षा मंत्रालय ने 10-11 जुलाई को गुजरात के केवडिया में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर में छड़ी स्थापना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के तहत रविवार सुबह श्रीनगर के श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह का आयोजन किया गया। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में साधुओं के एक समूह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दो घंटे से अधिक समय तक चले इस अनुष्ठान को संपन्न कराया। इस मौके पर गिरि ने कहा कि छड़ी मुबारक (पवित्र गदा) को चार अगस्त को तीर्थयात्रा के मुख्य मार्ग पर रवाना होने तक श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा भवन स्थित मंदिर में दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसमें एक भगवान शिव और दूसरी देवी पार्वती की है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर जानलेवा हमला

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कुछ किशोरों ने भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से क्रूरता के साथ हमला कर दिया जिससे उसे कई चोट पहुंची हैं और उसका हाथ भी लगभग कट गया है। पुलिस के अनुसार, सौरभ आनंद 19 जुलाई को मेलबर्न के अल्टोना मीडोज में सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के एक दवाखाने से दवाइयां लेने के बाद घर जा रहे थे, तभी किशोरों ने पीछे से उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने आनंद पर हमला करने से पहले उसे जमीन पर गिरा दिया। पुलिस ने तीन किशोरों को गिरफ्तार किया है।

रूस में विस्फोट से सात लोगों की मौत

मास्को। रूस के सारातोव क्षेत्र की एक इमारत में हुए गैस विस्फोट के बाद बचावकर्मियों ने मलबे से सातवें पीड़ित का शव बरामद किया है। क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के मुताबिक 16 लोगों ने चिकित्सा सहायता की मांग की है तथा एक बच्चे सहित चार अन्य लोगों की जानकारी प्राप्त नहीं है। शुक्रवार को एक दस मंजिला इमारत में गैस विस्फोट हुआ जिससे सातवीं से दसवीं मंजिल तक का प्रवेश द्वार नष्ट हो गया। अधिकारियों के अनुसार पता चला है कि इस विस्फोट का प्रारंभिक कारण गैस रिसाव है।

नायडू का सिंगापुर में तेलुगु पढ़ाने का आह्वान

सिंगापुर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाए जाने का आह्वान किया। नायडू ने यहां प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वह आंध्र प्रदेश को एक निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। मुख्यमंत्री ने दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के तेलुगु मूल के सीईओ की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सीएक्सओ क्लब का भी उद्घाटन किया।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा खाई में गिरी महिला की कार

मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई में अपने गंतव्य तक जाने के लिए 'गूगल मैप्स' की मदद ले रही एक महिला की कार गलत मोड़ लेने के कारण खाई में गिर गई। पुलिस ने महिला को बचा लिया है।

पुलिस ने बताया कि महिला को बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे महाराष्ट्र में नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में हुई। बेलापुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला 'बे ब्रिज' जाने के बजाय 'गूगल मैप्स' के निर्देश पर गलत मोड़ लेकर ध्रुवतारा जेट्टी पहुंच गई और उसकी कार खाई में गिर गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने समुद्री सुरक्षा दल, उसकी नौका और स्थानीय प्राधिकारियों की मदद से महिला को बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय नवी मुंबई के खारघर इलाके में सैलून का व्यवसाय करने वाली महिला अपनी कार से बेलापुर से उल्वे स्थित अपने घर जा रही थी। गूगल मैप्स की वजह से इससे पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

● गलत मोड़ लेने के कारण दुर्घटना हुई, पुलिस ने महिला को बचाया

भारत में तेजी से बढ़ रहा है गिग नौकरियों का बाजार

गिग नौकरियों का अर्थ रोजगार के वह लचीला लेकिन अनौपचारिक रूप है, जिसमें काम करने वाले लोग यानी गिग वर्कर किसी संगठन से स्थाई रूप से नहीं जुड़ने के बजाय अस्थाई या प्रोजेक्ट आधारित काम करते हैं। स्थाई रोजगार की कमी से उपजा गिग नौकरियों का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है और आज की बदलती अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन चुका है। नीति आयोग का अनुमान है कि अगले पांच साल में गिग नौकरियों की तादाद में तीन गुना से भी ज्यादा वृद्धि हो सकती है। इस तरह गिग नौकरियां 21वीं सदी के कार्य ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। यह युवाओं और अस्थाई रूप से बेरोजगार लोगों के लिए एक अवसर है लेकिन इससे जुड़ी सामाजिक सुरक्षा नीतियां पूरी तरह लागू होने तक इसे स्थाई और सुरक्षित रोजगार का विकल्प नहीं कहा जा सकता।

क्या हैं गिग नौकरियां

गिग नौकरियों में व्यक्ति एक निश्चित समय या कार्य के लिए काम करता है, जैसे- कैब ड्राइवर, फ्रीलांसर कंटेंट राइटर या ग्राफिक डिजाइनर, फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, ऑनलाइन ट्यूटर या डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री जैसे कार्य करने वाले फ्रीलांस वर्कर।

कितनी तरह की ये नौकरियां

- बड़ी संख्या प्लेटफॉर्म आधारित गिग नौकरियां हैं। इनमें टैक्सी सेवाएं या फूड डिलीवरी जैसे काम शामिल हैं।
- फ्रीलांस पेशेवर भी इसी श्रेणी में आते हैं। इनमें लेखक, डिजाइनर, वीडियो एडिटर, अनुवादक जैसे वर्कर होते है।
- डेटा एंट्री ऑपरेटर, ऑनलाइन सर्वे और ट्रांस्क्रिप्शन करने वाले लोग माइक्रो गिग वर्कर की श्रेणी में आते हैं।
- तकनीकी, वित्तीय या कानूनी सलाह की सेवाएं देने वाले पेशेवर को कंसल्टिंग गिग वर्कर कहा जाता है।
- शिल्प या हस्तशिल्प आधारित गिग वर्कर भी होते हैं जिन्हें कई अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम मिलता है।

वृद्धि के कारण

- डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का प्रसार और कोविड-19 के बाद नौकरियों में लचीलापन चाहने की प्रवृत्ति।
- कंपनियों का लागत कम करना, स्थाई कर्मचारियों के बजाय गिग वर्कर्स हायर करना सस्ता होता है।
- बेरोजगारी और नौकरियों की कमी की वजह से भी युवाओं को यह विकल्प चुनना पड़ रहा है।
- स्टार्टअप संस्कृति का विकास भी एक कारण है। क्योंकि स्टार्टअप्स गिग इकोनॉमी पर निर्भर होते हैं।
- गिग इकॉनमी की वृद्धि में बेरोजगारी एक बड़ा कारक है। युवा स्थाई नौकरी का विकल्प इसमें देखते हैं।

देश में कितने गिग वर्कर

- नीति आयोग की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर हैं।
- इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है और यह संख्या 2029-30 तक 2.35 करोड़ तक पहुंच सकती है।
- भारत में गिग वर्कर्स का हिस्सा कुल कार्यबल का 1.5% है जो कुछ वर्षों में 4.1% हो सकता है।

सरकारी नीतियां

- सरकार ने कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी लागू किया है जिसमें गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है।
- ई श्रम पोर्टल पर देश भर के असंगठित श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाया गया है जिसमें गिग वर्कर भी शामिल हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

सकारात्मक : रिपोर्ट्स कहती हैं कि गिग इकॉनमी भारत में रोजगार का बड़ा स्रोत बन सकती है। यह महिलाओं और दिव्यांगों के लिए भी अवसर खोलती है।

चिंताएं : आईएलओ और कुछ अर्थशास्त्री कहते हैं कि गिग जॉब्स में शोषण की संभावना अधिक होती है। इनके लिए कोई नियम-कायदे और लाभ तय नहीं हैं।

गाजा के तीन क्षेत्रों में रोज 10 घंटे लड़ाई रोकने पर माना इजराइल

अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बाद मानवीय मदद पहुंचाने को सुरक्षित मार्ग बनाने की घोषणा

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल की सेना ने रविवार को गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत की। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजराइल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है।

इजराइली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी और पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाई है, जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजराइल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजराइल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं।

उत्तरी गाजा में रविवार को इजराइल की बमबारी के बाद उठते धुएं के गुबार। ● एजेंसी

मिस्र-फ्रांस के राष्ट्रपति ने युद्धविराम पर की चर्चा

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अलसीसी ने शनिवार को अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत कर गाजा पट्टी में युद्धविराम के लिए मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने गाजा के लोगों को पर्याप्त मानवीय सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के अनुसार फिलिस्तीन मुद्दे का न्यायसंगत समाधान निकालने की जरूरत पर भी बल दिया। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान फिलिस्तीन को मान्यता देने के मैक्रों की घोषणा का स्वागत करते हुए सिसी ने कहा कि यह निर्णय दोराष्ट्र समाधान को लागू करने के लिए फ्रांस के प्रयासों का हिस्सा है। सिसी ने फिलिस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करने के उद्देश्य से फ्रांस-सऊदी पहल को मिस्र का समर्थन देने की भी पुष्टि की।

जहाज रोका, पत्रकारों सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

तेल अवीव। इजराइली सेना ने फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी तोड़ गाजा जा रहे एक राहत सहायता जहाज को रोक लिया तथा 21 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को हिरासत में ले लिया। फलस्तीन समर्थक समूह 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन' ने बताया कि इजराइली सेना ने जहाज पर लदे शिशु उपयोग के लिए दूध, खाद्य सामग्री और दवा सहित सभी माल जब्त कर लिए। समूह ने कहा कि इजराइली सेना ने शनिवार आधी रात गाजा से 40 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जहाज को रोककर उसके संचार नेटवर्क को काट दिया। जहाज पर पूरा माल गैरसैन्य उपयोग के लिए था तथा यह इजराइल की अवैध नाकेबंदी के कारण भुखमरी और चिकित्सा संकट से जूझ रही आबादी को सीधे वितरित करने के लिए था।

नांगरानी उत्सव

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के वहल गांव में शनिवार को नांगरानी उत्सव के दौरान पारंपरिक बैल दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेता एक किसान। यह उत्सव किसानों की एकजुटता, परंपरा और खेती से गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है। एजेंसी

महिला का अपहरण कर चलती कार में दुष्कर्म

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे जिले के लोनावाला पहाड़ी कस्बे में 23 वर्षीय एक महिला का अपहरण कर चलती कार में बलात्कार कर उसे सड़क किनारे फेंक दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को मुंबई से करीब 80 किमी दूर लोनावला के मावल इलाके के तुंगरली में हुई जो एक पर्यटन स्थल है। इस मामले में तुंगरली निवासी 35 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। महिला के अनुसार, वह उसी इलाके में रहती है और शुक्रवार रात को घर जा रही थी। एक कार उसके पास रुकी और एक आदमी ने उसे जबरन अंदर खींच लिया।

कश्मीर को सद्भाव के पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत

श्रीनगर, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। न्यायमूर्ति गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे।

उन्होंने कहा, न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा। न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

● राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के क्षेत्रीय सम्मेलन में बोले सीजेआई
● कहा- ज्ञान के बगैर किसी भी काम के नहीं होते अधिकार

सुदूर क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति को मिले न्याय

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना काम जारी रखना चाहिए कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले। उन्होंने कहा, देश के संविधान के जरिए हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों ने चर्च पर हमला कर 34 लोगों की हत्या की

किंशासा, एजेंसी

इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोहियों द्वारा पूर्वी कांगो में चर्च परिसर पर किए गए हमले में रविवार को कम से कम 34 लोग मारे गए।

यह हमला पूर्वी कांगो के कोमांडा में एक कैथोलिक चर्च परिसर में रात लगभग एक बजे एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) के सदस्यों द्वारा किया गया। हमले में कई मकानों और दुकानों को भी जला दिया गया। कोमांडा में नागरिक संस्था समन्वयक, डियूडोने डुरानथाबो ने कहा, 34 से अधिक लोगों को गोली मार दी गई और हमें कम से कम तीन जले हुए शवों तथा कई मकानों के जल जाने की सूचना मिली है। तलाश अभियान जारी है।

● गोली मारकर ली जान, कई मकान और दुकानों को आग लगाई

कोमांडा में स्थित इतुरी प्रांत में कांगो सेना के एक प्रवक्ता ने 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। इतुरी में डीआरसी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जूल्स एनगोंगो ने कहा, सुबह पता चला कि कोमांडा से कुछ ही दूरी पर एक चर्च में हथियारबंद लोगों ने घुसपैठ की, जहां लगभग 10 लोगों की हत्या कर दी गई और कुछ दुकानों में आग लगा दी गई।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष विराम पर वार्ता को तैयार

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड और कंबोडिया के नेता संघर्ष समाप्त करने के लिए मलेशिया में बैठक करेंगे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों के बीच सीमा पर हो रहे संघर्ष को चार दिन हो गए हैं, जिसमें अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है तथा 1.68 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसाप ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के क्षेत्र में शांति प्रयासों पर चर्चा करने संबंधी निमंत्रण पर सोमवार को आयोजित होने वाली वार्ता में शामिल होंगे। जिरायु ने कहा कि फुमथाम के कंबोडियाई समकक्ष हुन मानेट भी वार्ता में शामिल होंगे, हालांकि कंबोडियाई अधिकारियों ने इसकी तत्काल पुष्टि नहीं की है। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर एक सुरंग में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया था।

कंबोडिया में प्रभावित लोगों को बांटी जा रही है राहत।

● मलेशिया में आज होगी बैठक, चार दिन से चल रहे संघर्ष में जा चुकी है 34 लोगों की जान

ट्रंप के प्रयासों के बाद वार्ता के लिए सहमत हुए दोनों देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्ता कराए जाने के प्रयासों के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने संकेत दिया था कि वे सीमा विवाद को खत्म करने के वास्ते बातचीत करने के लिए तैयार हैं। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने रविवार को कहा कि उनका देश "तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम" पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की फुमथाम के साथ बातचीत के बाद थाईलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है। कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, दोनों देशों की विवादित सीमा के कुछ हिस्सों में रविवार को भी संघर्ष जारी रहा। दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तथा पुनः गोलाबारी व सैन्य गतिविधियों के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 जुलाई, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 11.24 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

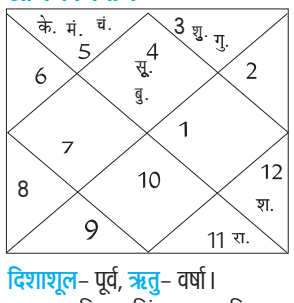

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 17.35 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष आज कानूनी मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। वैवाहिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ायेंगे। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं।

वृष आज कारोबार में आपको थोड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। किसी मित्र और रिश्तेदार से आपको लाभ मिलने वाला है। लोग आपकी बातों को महत्व नहीं देंगे। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को बॉस का डर रहेगा। महिलाओं के लिये दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन आज परिजनों और स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी और पिकनिक में जाने से बचें। मित्रों के साथ आप बड़े गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे। आज व्यर्थ के झगड़ों का निपटारा कर सकते हैं। कारोबार में बिक्री बढ़ने से मन में प्रसन्नता होगी।

कर्क आज व्यापारी अपने बचे हुए माल को सेल में बेंच सकते हैं। व्यवसाय को लेकर यात्रा कर सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ायेगा। राजनीति में असमंजस की स्थिति दूर होगी।

सिंह आज प्रशासन से जुड़े लोग बौद्धिक निर्णयों के लिये ख्याति प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आवश्यक कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे। बच्चे पढ़ाई में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। तकनीकी क्षेत्र में अध्ययन कर रहे लोगों के लिये समय बहुत ही अच्छा है।

कन्या आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बच्चों की चिंता सता सकती है। मन में आप प्रसन्नता महसूस करेंगे। अपने प्रेमी से कोई भी बात न छिपायें। शोध कार्यों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक निर्णयों में चूक हो सकती है।

तुला आज प्रिय जनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। एक साथ कई सारे काम न करें। कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। घर वालों के कारण आपको कुछ अनावश्यक खर्च करने पड़ सकते हैं। विदेश यात्रा होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक आज आय के नए स्रोत विकसित होंगे। नजदीकी लोगों से आपको शुभ समाचार मिलेंगे। भौतिक सुख-साधनों का आनंद उठायेंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। आप आलस्य त्यागकर अपने लक्ष्यों के प्रति काफी गंभीरता से आगे बढ़ेंगे।

धनु आज विद्यार्थियों को शिक्षा में ध्यान देना चाहिए। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखनी होगी। नकारात्मक लोगों की संगत आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग की सलाह से आपको लाभ होगा।

मकर आज कार्यक्षेत्र को लेकर समस्या दूर होगी। उच्चाधिकारियों से ज्यादा बहस न करें। अधिक सोचने के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा। तकनीकी परेशानियों का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। किसी नए काम की योजना बना सकते हैं। अपेक्षित कार्य के समय से पूरे न होने से थोड़े उदास हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में धन खर्च होगा। साथियों के बीच आपसी तनाव हो सकता है।

मीन आज सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। सन्तान के भविष्य की चिंता दूर होगी। दवा व्यापारियों को बड़ा धन लाभ हो सकता है। ससुराल पक्ष से आपको संमान प्राप्त होगा।

सुडोकू-52

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2		3		4				
		8			7		5	
1					5			2
	2			5			3	
9			6		2			5
	1			8			4	
4			1			5		3
	6		5			9		
				2				8

सुडोकू-51 का हल

3	1	9	6	7	4	8	5	2
2	6	7	5	1	8	4	3	9
5	4	8	9	2	3	6	7	1
4	5	1	2	3	6	7	9	8
7	3	2	8	4	9	5	1	6
9	8	6	7	5	1	2	4	3
8	9	4	3	6	5	1	2	7
1	7	3	4	8	2	9	6	5
6	2	5	1	9	7	3	8	4

शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। ये फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए। वह शार्दुल को नहीं, कुलदीप यादव को टीम में चाहते थे।

–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

अटवाल सीनियर ओपन में शीर्ष भारतीय

सनिंगडेल (ब्रिटेन) : अर्जुन अटवाल यहां आईएसपीएस हांडा सीनियर ओपन गोल्फ के तीसरे दौर में 1-अंडर 69 का स्कोर करने के बाद संयुक्त 29वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों में तालिका में शीर्ष पर है। सीनियर्स टूर पर अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे अटवाल ने शुरुआती दो दौर में 67 और 72 के कार्ड खेले थे। 54 होल के खेल के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर का है। ज्योति रंधावा (70-71-70) एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 50वें स्थान पर है, जबकि जीव मिल्खा सिंह (71-69-74) पांच-ओवर के स्कोर साथ 69वें स्थान पर है।

दीक्षा स्कॉटिश ओपन में 48वें स्थान पर

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 11 स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता 24 साल की दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 59वें स्थान पर थीं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही दो अन्य भारतीय प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक इससे पहले कट हासिल करने में नाकाम रहीं। इंग्लैंड की लोटी वोएड ने तीसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से दो शॉट की बढ़त बना ली है।

आर्यन और लिखित आगे बढ़ने में नाकाम

सिंगापुर : भारतीय तैराक आर्यन नेहरा रविवार को यहां विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00 .39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42 .07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। लिखित ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 1 .99 सेकेंड का समय लेकर 40वां स्थान हासिल किया।

लेलाह और अन्ना फाइनल में

वाशिंगटन : लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया

कप्तान शुभमन, सुंदर और जडेजा के शतकों से इंग्लैंड की उम्मीदों पर फिरा पानी

मैनचेस्टर, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल की साहसिक शतकीय पारी के बाद रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की शतकीय पारियों से इंग्लैंड के खिलाफ भारत पांच मैचों की श्रृंखला का चौथा टेस्ट रविवार को यहां ड्रॉ कराने में सफल रहा। पहली पारी में 311 रन के बड़े अंतर से पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बिना खाता खोले दो विकेट गंवाने के बावजूद चार विकेट पर 425 रन बनाये। कप्तान शुभमन गिल (103) और लोकेश राहुल (90) के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 107) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 101) ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच में वापसी का मौका नहीं दिया। इंग्लैंड हालांकि श्रृंखला में 2-1 से आगे है। इसका आखिरी मैच 31 जुलाई से द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जडेजा और सुंदर के बाद भारतीय बल्लेबाजी में दमखम नहीं है ऐसे में इन दोनों को अपनी बल्लेबाजी इसी तरह से जारी रखनी होगी। इंग्लैंड के लिए मुश्किल यह रही कि बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन (39 ओवर में बिना किसी सफलता के 70 रन) भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों को पर्याप्त चुनौती नहीं दे पाए। जोफ्रा आर्चर भी लंच के बाद कोई सफलता हासिल नहीं कर पाए। दूसरी नयी गेंद अब 38 ओवर पुरानी हो चुकी है, जिससे बल्लेबाजी करना आसान हो गया है। इससे पहले सुबह के सत्र में शुभमन गिल ने एक साहसी शतक पूरा किया।

इस दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कंधे में दर्द के बावजूद गेंदबाजी करने का फैसला किया और लोकेश राहुल (90) को आउट कर गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी को तोड़ा। राहुल के आउट होने के बाद गिल ने धैर्य से बल्लेबाजी की लेकिन शतक पूरा करने के बाद लंच से पहले जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बल्ला अड़ाकर जैमी स्मिथ को कैच दे बैठे।

भारत ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 174 रन से की। टीम इस समय इंग्लैंड की पहली पारी के रनों को बराबरी करने के लिए और 137 रन की जरूरत थी। बीते दिन के नाबाद बल्लेबाज गिल और राहुल ने उस अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की जैसी उन्होंने मैच के चौथे दिन के आखिरी दो सत्र में की थी। भारतीय टीम अगर दिन के आखिरी सत्र में डट कर बल्लेबाजी करने में सफल रही तो मौजूदा दौरे पर गिल की इस चौथे शतकीय पारी का महत्व और बढ़ जायेगा।

गिल और राहुल ने उस समय मोर्चा संभाला था जब टीम ने बिना किसी रन के दो विकेट गंवा दिए थे। उनकी 421 गेंद तक चली मैराथन साझेदारी आखिरकार तब टूटी जब स्टोक्स की गेंद टप्पा खाने के बाद तेजी से राहुल के पैड से टकरा गयी और अंपायर ने उन्हें बिना देरी किये पगबाधा करार दिया।

भारतीय बल्लेबाज रवींद्र जडेजा (पीछे) और वाशिंगटन सुंदर रन लेते हुए। एजेंसी

भारत पहली पारी : 358 रन

इंग्लैंड पहली पारी : 669 रन

भारत दूसरी पारी

425/4 (126 ओवर)

यशस्वी का रूट बो वोक्स	00
राहुल एलबीडब्ल्यू बो स्टोक्स	90
साई सुदर्शन का ब्रुक बो वोक्स	00
शुभमन का स्मिथ बो आर्चर	103
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	101
रवींद्र जाडेजा नाबाद	107

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 23-4-67-2, जोफ्रा आर्चर 20-3-74-1, ब्रायडन कार्स 17-3-44-0, लियाम डॉसन 43-11-83-0, बेन स्टोक्स 11-2-33-1

103 रन

238 गेंद

12 चौके

गिल को अंग्रेजी प्रशंसकों से मिली तालियां यादगार रहीं

मैनचेस्टर : भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के पांचवें दिन रविवार को पहले सत्र के बाद, मैच सेंटर लाइव पर चर्चा सुबह के महत्वपूर्ण समय और शुभमन गिल के आउट होने पर केंद्रित रही।

विशेषज्ञ संजय मांजरेकर और जोनाथन ट्रॉट ने उन महत्वपूर्ण क्षणों पर अपने विचार साझा किए जिन्होंने भारत की बल्लेबाजी चुनौती को आकार दिया। जोनाथन ट्रॉट ने कहा गिल को अंग्रेजी प्रशंसकों से तालियां मिलना मेरे लिए यादगार रहीं। संजय मांजरेकर ने शुभमन गिल के विकेट पर टिप्पणी की शुरुआत में भारत के लिए सबसे बड़ी बाधा हमेशा पहले 30 मिनट ही रहे। भारत को अनिवार्य रूप से फैक्टरी रीसेट करना था और कल बल्लेबाजी करते समय दिखाई गई मानसिकता और लय को फिर से हासिल करना था। यह कभी आसान नहीं होता। दूसरी नई गेंद भी एक चुनौती होने वाली थी-और ठीक इसी तरह चीजें सामने आईं। उन्होंने केएल राहुल का विकेट जल्दी खो दिया, और जैसे ही दूसरी नई गेंद ली गई, दबाव बढ़ गया। शुभमन गिल के बारे में, शतक पूरा करने के बाद, सवाल यह है-क्या उन्होंने आराम किया? लेकिन यह थोड़ा कठोर हो सकता है। दूसरी नई गेंद से कम से कम एक बल्लेबाज आउट होने की संभावना थी, और दुर्भाग्य से भारत के लिए, वह गिल ही थे। बेन स्टोक्स ने आज शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने दबाव बनाया, और गिल को दी गई गेंद बेहतरीन थी। फिर भी। जोनाथन ट्रॉट ने भी गिल की पारी पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया और युवा बल्लेबाज़ द्वारा दिखाए गए तकनीकी सुधारों और धैर्य की प्रशंसा की।

गिल शायद शार्दुल को नहीं, कुलदीप को चाहते थे खिलाना

कुलदीप यादव।

मैनचेस्टर, एजेंसी

- महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा टीम को चुनने का अधिकार कप्तान के पास होना चाहिए

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं।

गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है। उन्होंने आगे कहा हो सकता है कि शुभमन शार्दुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे। रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट श्रृंखला में बाहर रहे हैं।

आम धारणा यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद।

सुनील गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए।

आंतरिक मतभेदों पर गावस्कर ने इशारा किया

- पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझकर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में सब कुछ ठीक है। गावस्कर ने कहामुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं। सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है। वही एकादश का नेतृत्व करेगा। गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था। उन्होंने कहा हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही टीम के मैनेजर या सहायक मैनेजर हुआ करते थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे।

अंकिता ने रजत, पुरुष रिले टीम ने कांस्य पदक जीता

राइन रूहर (जर्मनी), एजेंसी

विश्व विश्वविद्यालय खेल

स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले चौकड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया जिससे भारतीय एथलीटों ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के अंतिम दिन अपना अभियान समाप्त किया।

मुनिता प्रजापति, मानसी नेगी और सेजल सिंह की तिकड़ी ने अंतिम दिन महिलाओं की 20 किमी टीम पैदलचाल में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपना अभियान दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। कई भारतीय एथलीट अंतिम दिन ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा में थे, लेकिन केवल दो पदक ही जीत सके। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को अंकिता ने 9:54.79 सेकंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। लालू प्रसाद भोई, अनिमेष कुजुर, मनिकांता होबलिधर और म्रुत्यम जयराम की पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.89 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया ने 38.50 सेकेंड से स्वर्ण और दक्षिण अफ्रीका (38.80) ने रजत हासिल किया। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकेंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, पर पदक के लिए पर्याप्त नहीं था।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए स्पष्ट व्यवस्था की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने नई प्रतिभा को तरासने के लिए बताए उपाय

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है।

शरत ने पीटीआई वीडियो को बताया हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे। उन्होंने कहा युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं।

शरत ने कहा असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा। शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरुआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए।

उन्होंने कहा 2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरुआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है।

विधेयक के डोपिंग रोधी प्रावधानों पर शरत ने एक बेहद जरूरी बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''इस बार सिर्फ खिलाड़ियों को ही सजा नहीं मिलेगी बल्कि कोच और अन्य संलिप्त लोगों को भी सजा मिलेगी।

डूरंड कप में आईटीबीपी ने मॉर्निंग स्टार को हराया

कोकराझार : भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) फुटबॉल टीम ने डूरंड कप में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए रविवार को यहां ग्रुप डी मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी (केएएमएसएफसी) को 2-1 से हराया। आई-लीग 3 में खेलने वाली केएएमएसएफसी को 23वें मिनट के बाद से ही 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जब घाना के सेंटर-बैक बेन नैश क्वांश को रेड कार्ड दिखाया गया। दोनों टीमें मिडफील्ड पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रही थीं लेकिन असम की टीम ने लुनमिनलेन हाओकिप के गोल से बढत कायम की। आईटीबीपी ने एक खिलाड़ी के फायदे का इस्तेमाल करते हुए गेंद पर बेहतर नियंत्रण बनाया और पुलुंग तथा हेमराज के गोलों से जीत दर्ज कर पूरे तीन अंक हासिल किए।

विश्वास | शीर्ष खिलाड़ी बिलकिस मीर बोलीं-जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ी दे सकते हैं अहम योगदान

जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बिलकिस मीर का मानना है कि बर्फ से ढकी ढलानें, ग्लेशियर से निकलने वाली नदियां और खिलाड़ियों की नयी पीढ़ी को देखते हुए शीतकालीन खेलों और जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ियों के पास देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता है।

पेरिस ओलंपिक (2024) में जूरी सदस्य के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला मीर ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर और देश को पोडियम के शीर्ष स्थान पर देखना चाहती हैं और इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगी। श्रीनगर की इस 38 साल की खिलाड़ी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खिलाड़ियों के साथ नियमित बातचीत की प्रशंसा की और कहा कि यह एक खिलाड़ी के लिए बड़ा क्षण है और खेल संस्कृति बनाने की दिशा में एक कदम है।

बिलकिस मीर। एजेंसी

जल क्रीड़ा खिलाड़ी मीर ने पीटीआई वीडियो को दिये साक्षात्कार में कहा मेरा सपना है कि जम्मू-कश्मीर और देश को वैश्विक मंच पर शीर्ष स्थान पर देखूं। जम्मू-कश्मीर में ओलंपिक में जलक्रीड़ा और शीतकालीन खेलों में भारत का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने की क्षमता है क्योंकि हमारे पास प्राकृतिक संसाधन होने के साथ-साथ आवश्यक प्रतिभा भी है जिसे बस निखारने की आवश्यकता है। कयाकिंग और कैनोइंग की प्रसिद्ध खिलाड़ी रही मीर ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर और देश के भीतर तथा बाहर कई अन्य जगहों पर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है लेकिन हमारे बच्चों (जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी) में एशियाई खेल और ओलंपिक में जाने की बहुत क्षमता है और मुझे लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि सरकार को प्रमुख खिलाड़ियों और उपलब्धि हासिल करने वालों के साथ जुड़ना चाहिए क्योंकि उनके पास अपने खेलों में विशेषज्ञता है और वे भविष्य के लिए एक खाका बनाने में सहायता कर सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि एक बिलकिस मीर की बजाय, यहां से हजारों लड़कियां निकलेंगी और जम्मू-कश्मीर तथा देश को गर्व महसूस कराएंगी। मीर हाल ही में तब सुर्खियों में थीं जब उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दायर एक एफआईआर को रद्द करवाने के लिए अपनी तीन साल की कानूनी लड़ाई जीती।

संघर्ष भरा करियर रहा मीर का

- मीर के 28 साल के शानदार करियर का आगाज आठ साल की उम्र में ही शुरू हो गया था। उनकी उपलब्धियों में हंगरी में 2009 कैनोइंग और कयाकिंग विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर आठवां स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा मैं जब 1990 के दशक में खेल में आई, तो मेरा संघर्ष मेरे घर के दरवाजे से ही शुरू हो गया था। जब मैंने ट्रैकसूट पहना तो आस-पास के लोग उसे गलत नजरिए से देखते थे और उनकी राय थी कि मेरी वजह से अन्य लड़कियों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्हें कैनोइंग और कयाकिंग से जुड़ी भारत की आयु वर्ग से लेकर सीनियर टीम तक को कोचिंग देने का अनुभव है। मीर ने कहा, खिलाड़ी चाहे हारे या जीते, प्रधानमंत्री उनसे बातचीत करते हैं।